आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

■ रायपुर,रविवार 20 अप्रैल 2025 ■ बैसाख कृष्ण पक्ष-8 ■ वर्ष- 41 ■ अंक-022 ■ पृष्ठ-8 ■ डाक संस्करण 21 अप्रैल 2025 ■ मूल्य 1.00 रु.

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
Twitter - Tchhattisgarh36
Instagram -tarunchhattisgarh.raipur

phone: 0771-2543112

संक्षेप

तेज रफ्तार बोलेरो चालक ने मासूम को दो बार रौंदा, मौत

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। हिट एंड रन मामले में तीन साल के बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई. बोलेरो की चपेट में आए बच्चे ने अस्पताल जाते समय दम तोड़ दिया. बेटे की मौत के बाद मां का रो-रोकर बुरा हाल है. घटना जिले के धनपुर ग्राम पंचायत के चितवाही गाँव के मुख्य मार्ग में किराना दुकान के पास हुआ. मरवाही की तरफ से पेण्ड्रा जा रहे बोलेरो के चालक ने तीन वर्षीय धनंजय सिंह को चपेट में ले लिया. मृत बच्चे के रिश्तेदार के अनुसार, बोलरो चालक ने एक नही बल्कि दो बार बच्चे को रौंदा. पहली बार जब बच्चे के ऊपर गाड़ी चढ़ी तब वह जीवित था. इसके बाद बैक लेते हुए चालक ने फिर से बच्चे पर गाड़ी चढ़ा दी. घटना को अंजाम देने के बाद चालक मौके से फरार हो गया. दुर्घटना में बच्चे को गंभीर चोट आई. आनन-फानन में परिजन बच्चों को लेकर गौरेला जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. बच्चे की मौत की खबर सुनने के बाद उसकी मां का रो-रोकर बुरा हाल है.

शोक में शामिल होने पहुंचे मामा की तालाब में डूबने से मौत

बालोद,20 अप्रैल। भांजी की मौत के बाद शोक में शामिल होने पहुंचे मामा की भी तालाब में डूबने से मौत हो गई. ये पूरी घटना बालोद की है. जहां अब मामा भांजी की मौत का मातम पसरा है. बता दें, 16 अप्रैल को भांजी यानी योगिता साहू (12वर्ष) की मौत हो गई थी. वह अपने घर की बाड़ी के कुएं से पानी निकाल रही थी. इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वो कुएं में गिर गई. आस-पास के लोगों ने मासूम को बचाने की कोशिश की लेकिन तब तक देर हो चुकी थी. इसके बाद भांजी के घर शोक मनाने के लिए पहुंचे मामा की भी मौत हो गई. जानकारी के अनुसार, मामा तोमेश्वर साहू (30 वर्ष), ग्राम- कठिया के रहने वाले थे. परिजनों के मुताबिक वह अपनी भांजी की मौत के बाद 13 दिन तक चलने वाले शोक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गुंडरदेही के खल्लारी गांव पहुंचे थे. इसी दौरान रविवार सुबह जब वे नहावन के लिए तालाब में उतरे, तो वहां डूबने से उनकी मौत हो गई. फिलहाल गुंडरदेही पुलिस ने मर्ग कायम कर युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है.

पुलिस हिरासत में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

रोपड़ ,20 अप्रैल। यहां के सिटी थाने में पुलिस हिरासत में रखे गए एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने पुलिस के खिलाफ थाने के बाहर जमकर विरोध प्रदर्शन करते हुए धरना शुरू कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक 25 वर्षीय प्रिंस बहादुर को पुलिस 16 अप्रैल को किसी मामले के संबंध में थाने लेकर आई थी। आज सुबह करीब 3 बजे प्रिंस की मौत की खबर सामने आई। युवक की हिरासत में हुई मौत के बाद से ही परिजन आक्रोशित हैं और पुलिस की कार्रवाई व मौत के कारणों पर सवाल उठा रहे हैं।फिलहाल, सिटी थाने का मुख्य गेट बंद कर दिया गया है और पुलिस इस पूरे मामले पर आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी साझा नहीं कर रही है।

भारी बारिश के बाद अचानक आई बाढ़ में तीन लोगों की मौत

श्रीनगर,20 अप्रैल। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि भारी बारिश, बादल फटने, तेज हवाओं, भूस्खलन और ओलावृष्टि के कारण पूरे जिले में भारी नुकसान हुआ है। अधिकारी ने कहा, हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं और बाद में (नुकसान का) आकलन किया जाएगा ताकि प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान की जा सके। इस समय हमारी प्राथमिकता लोगों की जान बचाना है। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में रातभर हुई भारी बारिश के कारण अलग-अलग जगहों पर अचानक बाढ़ आ गई, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। इस आपदा ने इलाकों में भूस्खलन और ओलावृष्टि भी की, जिससे बुनियादी ढांचे और संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचा है। स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीम ने राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है और नागरिकों से सावधानी बरतने की अपील की है। रामबन जिले में भारी बारिश और ओलावृष्टि के बाद भूस्खलन के कारण कई इमारतें और वाहन क्षतिग्रस्त हो गए हैं। सामने आई जानकारी के अनुसार, आपदा में दस घर पूरी तरह से नष्ट हो गए, जबकि 40 मकान क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस और जिला प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्र में फंसे करीब 90 से 100 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। लगातार बारिश के कारण हुए भूस्खलन के बाद रामबन जिले में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग 44 का एक हिस्सा बुरी तरह प्रभावित हुआ है। प्रशासन ने लोगों को इस राजमार्ग से गुजरने से बचने की सलाह दी है। उप यातायात निरीक्षक जावेद कटारिया ने कहा, राष्ट्रीय राजमार्ग (रामबन जिले में जम्मू-श्रीनगर एनएच) पूरी तरह से अवरुद्ध है (भूस्खलन के कारण)। मौसम में सुधार होने तक इस राजमार्ग से गुजरने से बचें। निकासी का काम चल रहा है, लेकिन ऐसा नहीं लगता कि राजमार्ग शाम या कल से पहले खुलेगा क्योंकि लगातार बारिश हो रही है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि भारी बारिश, बादल फटने, तेज हवाओं, भूस्खलन और ओलावृष्टि के कारण पूरे जिले में भारी नुकसान हुआ है। अधिकारी ने कहा,हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं और बाद में (नुकसान का) आकलन किया जाएगा ताकि प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान की जा सके। इस समय हमारी प्राथमिकता लोगों की जान बचाना है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने स्थिति की गंभीरता को स्वीकार करते हुए कहा कि रात भर, रामबन क्षेत्र, जिसमें रामबन शहर के आसपास के इलाके शामिल हैं, में भारी ओलावृष्टि, कई भूस्खलन और तेज हवाएं चलीं। राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया और दुर्भाग्य से, तीन लोग हताहत हुए और कुछ परिवारों की संपत्ति नष्ट हो गई। उन्होंने कहा, मैं उपायुक्त के लगातार संपर्क में हूं। जिला प्रशासन समय पर और त्वरित कार्रवाई के लिए प्रशंसा का पात्र है जिसके कारण कई कीमती जानें बचाने में मदद मिली। उधमपुर से सांसद सिंह ने कहा कि वित्तीय मदद समेत हर तरह की राहत प्रदान की जा रही है।

अवैध गैस सिलेंडर रिफिलिंग का भंडाफोड़, 2 गिरफ्तार

रायपुर,20 अप्रैल। रायपुर के मुजगहन थाना क्षेत्र में ग्राम कांदुल के भारत गैस गोदाम के सामने अवैध रूप से घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडरों की रिफिलिंग कर बेचने वाले रैकेट का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है. इस कार्रवाई में दो आरोपियों, नीरज धनकर और दयालु साहू, को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने मौके से 12 गैस सिलेंडर, रिफिलिंग उपकरण, मोटरसाइकिल, एक्टिवा, इलेक्ट्रॉनिक तराजू और 15,300 रुपये नकद जब्त किए हैं. इस पूरे मामले में धारा 3, 7 आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत अपराध दर्ज किया गया है. पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक 19 अप्रैल 2025 को मुखबिर से टेलीफोन के जरिए सूचना मिली कि कांदुल में भारत गैस गोदाम के सामने नाले के पास कुछ लोग अवैध रूप से गैस सिलेंडर रिफिलिंग कर ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं. इस सूचना पर पुलिस ने एक टीम गठित की. टीम में उपनिरीक्षक एचपी देवता, सायबर सेल के प्रधान आरक्षक रविकांत पांडेय, खिलेश्वर राजपूत, पालेश्वर कश्यप, विजय कंवर, राजकुमार देवा और अन्य शामिल थे. पुलिस ने कांदुल में नाले के पास खेत में छापेमारी की, जहां कुछ लोग पुलिस को देखकर भाग गए. मौके पर दो आरोपी, नीरज धनकर (33 वर्ष, निवासी कांदुल) और दयालु साहू (41 वर्ष, निवासी देवपुरी, टिकरापारा), पकड़े गए. पुलिस ने उनके कब्जे से एचपी कंपनी के 3 व्यवसायिक सिलेंडर (19 किग्रा, 2 भरे, 1 खाली), 3 घरेलू सिलेंडर (14 किग्रा, 1 भरा, 2 खाली) इंडेन कंपनी के 6 खाली सिलेंडर (14 किग्रा), 1 गैस सिलेंडर पाइप, 55 नोजल कैप, 23 रिफिलिंग पाइप, 7 गैस कार्ड, इलेक्ट्रॉनिक तराजू, मोटरसाइकिल (CG 04 KQ 4944), एक्टिवा (CG 04 DD 7692), और 15,300 रुपये नकद जब्त किए. जब्त सामग्री की कुल कीमत लगभग 55,000 रुपये आंकी गई है.

यूनुस को हटाओ, तभी हिंदू बचेंगे : तसलीमा

नई दिल्ली,20 अप्रैल। बांग्लादेश में हिंदू नेता भावेश चंद्र रॉय को उनके घर से अगवा कर पीट-पीटकर मार डालने वाली घटना को लेकर बांग्लादेश से लेकर भारत में जबरदस्त आक्रोश है। भारत ने इस घटना को जघन्य बताते हुए बांग्लादेश सरकार को अलसंख्यकों, विशेष रूप से हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चेताया है। यूनुस सरकार को चेतावनी दी कि बहाने बनाना बंद कीजिए। इस बीच बांग्लादेश की लेखिका तसलीमा नसरीन ने यूनुस सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें सत्ता से हटाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू तभी बचेंगे, जब यूनुस की विदाई होगी। पिछले सप्ताह बांग्लादेश के दिनाजपुर जिले के बिराल उपजिला से हिंदू समुदाय के बड़े नेता भावेश चंद्र को कट्टरपंथियों ने अगवा कर लिया था और बेरहमी से पीट-पीट कर उनकी हत्या कर दी गई। भावेश शतग्राम यूनियन के अंतर्गत बसुदेवपुर गांव के निवासी थे और बिराल यूनिट के बांग्लादेश पूजा उद्जापन परिषद के उपाध्यक्ष के तौर पर कार्यरत थे। वे स्थानीय हिंदू समुदाय में एक सम्मानित नेता थे। लेखिका तसलीमा नसरीन ने भावेश चंद्र की नृशंस हत्या को लेकर बांग्लादेश सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, हिंदू नेता भावेश चंद्र रॉय को उनके घर से अगवा कर लिया गया और पीट-पीटकर मार डाला गया। हम निश्चित रूप से अनुमान लगा सकते हैं कि हत्यारे कौन हैं? यूनुस हिंदुओं के हत्यारों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करते। वह प्रचार करते हैं कि हिंदू ठीक-ठाक हैं और हिंदुओं के उत्पीड़न की सभी खबरें झूठी, अफवाह या भारत द्वारा गढ़ी गई हैं। अगर यूनुस सत्ता में और बने रहे, तो देश जल्द ही हिंदुओं से खाली हो जाएगा। हिंदुओं को बचाने के लिए यूनुस को सत्ता से हटाना होगा.उधर, भारत ने भी भावेश चंद्र की हत्या को लेकर यूनुस सरकार पर निशाना साधा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पर कहा, 'यह घटना अंतरिम सरकार के शासन में हिंदू अल्पसंख्यकों के संगठित उत्पीड़न के एक पैटर्न को दर्शाती है, जबकि पहले हुई ऐसी घटनाओं के अपराधी आज भी बिना किसी सजा के खुलेआम घूम रहे हैं। हम इस जघन्य घटना की कड़ी निंदा करते हैं और एक बार फिर अंतरिम सरकार को यह याद दिलाते हैं कि वह सभी अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी जिम्मेदारी निभाए, बहाने न बनाए और किसी भी प्रकार का भेदभाव न करे।'

कनाडा के गुरुद्वारे ने बैन कर दी एंट्री तो भड़के खालिस्तानी

कनाडा,20 अप्रैल। जस्टिन ट्रूडो के प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद भी खालिस्तानियों को हौसले बुलंद हैं। यहां वैंकूवर में एक ऐतिहासिक गुरुद्वारे पर खालिस्तानी कट्टरपंथियों ने अपने नारे लिख दिए। गुरुद्वारे पर भारत विरोधी नारे भी लिखे गए। खालसा दीवान सोसइटी गुरुद्वारे को रॉस स्ट्रीट गुरुद्वारा के नाम से भी जानते हैं। खालिस्तानियों की इस हरकत के बाद गुरुद्वारे के प्रवक्ता ने बयान जारी कर कहा, अलगाववादी सिखों के एक गुट ने हमारे पवित्र गुरुद्वारे की दीवारों को दूषित किया है और उनपर खालिस्तानी नारे लिख दिए हैं। गुरुद्वारे की तरफ से कहा गया कि यह खालसा साजणा दिवस के मौके पर हम एकता की सगंध खाते हैं। एक समूह द्वारा किया गया यह कृत्य निंदनीय है। कट्टरपंथी ताकतें सिखों क बांटना चाहती हैं और यह खौफ पैदा करने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा, कट्टरपंथी हमारे बुजुर्गों के बलिदान को नहीं समझ पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे बुजुर्गों ने विविधता और स्वतंत्रता के लिए अपना बलिदान दिया है। हम उनकी फूट डालने की कोशिश को कामयाब नहीं होने देंगे। बता दें कि यह गुरुद्वारा 1906 में बनाया गया था। बीते रविवार को गुरुद्वारे में नगर कीर्तन और बैसाखी परेड का आयोनज किया गया था। इन कार्यक्रमों में खालिस्तान समर्थकों को शामिल होने से रोक दिया गया था। खालिस्तानियों ने गुरुद्वारे के अलावा सूरी और ब्रिटिश कोलंबिया में मंदिरों को भी टारगेट किया है। यहां भी खालिस्तानी नारे लिखे पाए गए। मंदिर के प्रवक्ता पुरुषोत्तम गयल ने कहा कि कनाडा में हिंदुओं और सिखों में एकता बनाए रखने के लिए लक्ष्मीनारायण मंदिर बढ़-चढ़कर काम करता है। इसीलिए मंदिर को भी निशाना बनाया गया है। यह संयोग नहीं है बल्कि नियोजित तरीके से ये नारे लिखे गए हैं। कुछ लोग हमारे बीच फूट डालने की साजिश कर रहे हैं। बीते साल दिसंबर में रॉस स्ट्रीट गुरुद्वारे में लगभग हिंदुओं और सिख समुदाय के 60 लोग एकत्रित हुए थे। उन्होंने ऐलान किया था था कि फूट डालने वालों की साजिश को नाकाम किया जाएगा। 2023 और 24 में कनाडा में कई मंदिरों पर हमले किए गए थे। पुलिस अब तक उन उपद्रवियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

निशिकांत दुबे के बयान से बीजेपी ने पल्ला झाड़ा

नई दिल्ली,20 अप्रैल। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट पर टिप्पणी करके नया विवाद खड़ा कर दिया। अब पार्टी ने उनकी टिप्पणियों से खुद को अलग कर लिया है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इन टिप्पणियों को सांसद के निजी विचार बताते हुए खारिज कर दिया है। साथ ही नड्डा ने उन्हें भविष्य में इस तरह के बयान न देने की भी हिदायत दी है। नड्डा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा का न्यायपालिका एवं देश के चीफ जस्टिस पर दिए गए बयान से भारतीय जनता पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है। यह इनका व्यक्तिगत बयान है, लेकिन भाजपा ऐसे बयानों से न तो कोई इत्तेफाक रखती है और न ही कभी भी ऐसे बयानों का समर्थन करती है। भाजपा इन बयान को सिरे से खारिज करती है। नड्डा ने यह भी कहा कि उन्होंने दोनों नेताओं और अन्य लोगों को ऐसी टिप्पणियां न करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा न्यायपालिका का सम्मान किया है और उसके सुझावों एवं आदेशों को सहर्ष स्वीकार किया है क्योंकि एक दल के तौर पर उसका मानना है कि शीर्ष अदालत समेत सभी अदालतें लोकतंत्र का अभिन्न अंग हैं। निशिकांत दुबे ने शनिवार को उच्चतम न्यायालय पर निशाना साधते हुए कहा कि कानून यदि शीर्ष अदालत ही बनाएगी तो संसद और विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए। मीडिया से बात करते हुए बीजेपी सांसद ने कहा कि देश में धार्मिक युद्ध भड़काने के लिए सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है। सुप्रीम कोर्ट अपनी सीमाओं से बाहर जा रहा है। अगर हमें हर मामले के लिए सुप्रीम कोर्ट जाना पड़े तो संसद और विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए। भाजपा सांसद और उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने भी सुप्रीम कोर्ट की आलोचना करते हुए कहा कि कोई भी संसद या राष्ट्रपति को निर्देश नहीं दे सकता। शर्मा ने कहा, भारत के संविधान के अनुसार, कोई भी लोकसभा और राज्यसभा को निर्देश नहीं दे सकता और राष्ट्रपति ने पहले ही इस पर अपनी सहमति दे दी है। कोई भी राष्ट्रपति को चुनौती नहीं दे सकता, क्योंकि राष्ट्रपति सर्वोच्च हैं।

पूर्व विस अध्यक्ष राजेंद्र शुक्ल की मौत के मामले में अपोलो के फर्जी डॉक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज

बिलासपुर,20 अप्रैल। अपोलो अस्पताल में 2006 में इलाज के दौरान पूर्व विधानसभा अध्यक्ष पं. राजेन्द्र शुक्ल की मौत हो गई थी. अब मामले में फर्जी कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. नरेंद्र विक्रमादित्य यादव उर्फ नरेंद्र जान केम के खिलाफ सरकण्डा थाने में धारा 420, 465, 466, 468, 471, 304, 34 के तहत एफआईआर दर्ज किया गया है. बता दें कि दमोह के मिशन अस्पताल में हार्ट सर्जरी के बाद सात मरीजों की मौत के मामले में खुद को कार्डियोलॉजिस्ट बताने वाले फर्जी डॉक्टर नरेंद्र विक्रमादित्य यादव उर्फ नरेंद्र जॉन केम के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए गिरफ्तार किया गया है. कथित डॉक्टर की वजह से अपोलो अस्पताल में भी 7-8 मरीजों की जान गई थी, जिनमें दिग्गज कांग्रेस नेता राजेंद्र प्रसाद शुक्ल भी शामिल थे. करीब 32 साल तक विधायक छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र शुक्ल द्यड्ड 20 अगस्त 2006 को तबीयत बिगड़ने पर अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था. ऑपरेशन के दौरान उनकी मौत हो गई. उनका ऑपरेशन भी कथित डॉक्टर नरेंद्र ने किया था. दमोह की घटना सामने आने के बाद राजेंद्र प्रसाद शुक्ल के परिजनों ने मामले की जांच की मांग की थी. आईएमए के तत्कालीन अध्यक्ष और कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. वायएस दुबे ने इसकी जांच करवाई. जांच में पाया गया कि नरेंद्र के दस्तावेज फर्जी थे. उसके पास केवल एमबीबीएस की डिग्री थी, वह कार्डियोलॉजिस्ट नहीं था. वहीं अपोलो हॉस्पिटल प्रबन्धन ने अपने मुख्यालय से डॉक्टर से जुड़े दस्तावेज मंगाए थे. जांच में फर्जी डॉक्टर का नाम, जन्मतिथि और पिता का नाम का अलग-अलग पाया गया था.

पाकिस्तान की नापाक हरकत

नई दिल्ली ,20 अप्रैल। पाकिस्तान ने एक बार फिर अपने दोहरे रवैये का परिचय देते हुए भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव को अपील का अधिकार देने से साफ इनकार कर दिया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने वहां की सुप्रीम कोर्ट में दलील दी है कि अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने केवल काउंसुलर एक्सेस देने का आदेश दिया था, न कि अपील की अनुमति देने का। यह बयान उस समय आया जब पाकिस्तान की सर्वोच्च अदालत 9 मई 2023 की हिंसा के दोषियों के मामलों की सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान सवाल उठा कि जिन आरोपियों को सैन्य अदालत ने दोषी ठहराया, उन्हें अपील का अधिकार नहीं मिला.

निशिकांत दुबे पर महुआ मोइत्रा का तीखा हमला

नई दिल्ली,20 अप्रैल। महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रविवार को तीखी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, ÷याद रखिए, पिटबुल अपने मालिक के इशारे के बिना कुछ नहीं करता। पूरा देश देख रहा है कि न्यायपालिका पर कैसे प्रॉक्सी हमले किए जा रहे हैं। बेंच को डराने की बेशर्म कोशिश। भारत का सबसे निचला क्षण है। जब अशिक्षित गुंडों द्वारा शासन किया जा रहा है। इससे पहले भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने एक साक्षात्कार में कहा था, ÷अगर हर चीज के लिए सुप्रीम कोर्ट जाना है, तो संसद और राज्य विधानसभाएं बंद कर देनी चाहिए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट पर धार्मिक युद्ध भड़काने का आरोप लगाते हुए इसे देश को अराजकता की ओर ले जाने की साजिश करार दिया। इस बयान पर विवाद बढ़ते ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी को इन टिप्पणियों से अलग करते हुए स्पष्ट किया, ÷सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा द्वारा दिए गए बयान पार्टी की आधिकारिक राय नहीं हैं। ये उनके व्यक्तिगत विचार हैं। भाजपा इन बयानों को सिरे से खारिज करती है। जेपी नड्डा ने आगे कहा, मैंने दोनों नेताओं को निर्देश दिए हैं कि वे इस प्रकार के बयानबाजी से बचें। भाजपा नेताओं की टिप्पणियों पर विपक्षी दलों ने एकजुट होकर प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस ने इसे न्यायपालिका को बदनाम करने की कोशिश बताया। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, यह संवैधानिक ढांचे पर हमला है।

पूर्ववर्ती सरकार में दर्ज नहीं होते थे अपराध : साव

रायपुर,20 अप्रैल। छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस कल प्रदर्शन करने जा रही है. सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ कांग्रेस के दिग्गज नेता ष्टरूहाउस का घेराव करेंगे. इसे लेकर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा है.

डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को जनता ने बार-बार नकारा है. कांग्रेस लोकसभा-विधानसभा में पराजित हुई है. सरकार के एक साल के कामों पर पंचायत और निकाय चुनाव में मुहर लगाया है. जहां तक कानून व्यवस्था की बात है, तो पिछले 5 साल में अपराध दर्ज नहीं होते थे. अपराधियों को सरकार का संरक्षण मिलता था. आज वैसी स्तिथि नहीं हैं. कोई घटना दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से घटती हैं. तो त्वरित करवाई भी होती है. सभी जवान काम कर रहे हैं. पुलिस भी काम कर रही है. इसके अलावा डिप्टी सीएम साव ने साहू समाज के प्रदर्शन और स्नद्धक्रपर डिप्टी ष्टरूसाव ने कहा कि ये एक बार नियुक्ति करने के बाद बदल देना. अपमानजनक बात है. इसे लेकर आक्रोशित होना स्वाभाविक हैं. बता दें, रायपुर नगर निगम में बीते महीने ही बनाए गए संदीप साहू को नेता प्रतिपक्ष के पद से हटाकर कांग्रेस ने बागी नेता आकाश तिवारी को नेता प्रतिपक्ष नियुक्त कर दिया है.

विधायक पुरंदर मिश्रा ने न्याय यात्रा को लेकर पीसीसी चीफ पर साधा निशाना-वहीं दुर्ग में मासूम के साथ दरिंदगी मामले के बाद कांग्रेस बेटी बचाओ न्याय यात्रा कर रही है. पीसीसी चीफ दीपक बैज आज लोरमी में इस यात्रा में शामिल होंगे. इसे लेकर विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा कि दीपक बैज पीसीसी अध्यक्ष हैं. उन्हें कही आने-जाने से हमने कभी नहीं रोका है. लेकिन बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ भाजपा का नारा है. कांग्रेस क्या बेटी बचाएगी, दीपक बैज आज अपनी कुर्सी बचाने में लगे हैंज्अपना शक्ति प्रदर्शन कर रहे हैं. उन्होंने आगे कहा कि जनता ने इनको बता दिया है कि कांग्रेस छत्तीसगढ़ के लायक नहीं है.

दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने के लिए 8 समितियां गठित

नई दिल्ली ,20 अप्रैल। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य योजना आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) को दिल्ली में लागू करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने इस योजना के प्रभावी और सुचारु क्रियान्वयन के लिए कुल आठ समितियों का गठन किया है। ये समितियां योजना से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियाओं और सेवाओं को व्यवस्थित ढंग से लागू करने का काम करेंगी।

इन आठ समितियों में सबसे अहम मुख्य राज्य एम्पैनलमेंट समिति है। इसकी अध्यक्षता एबी-पीएमजेएवाई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) करेंगे।

पुलिस महकमे में बड़ी सर्जरी, 20 अफसरों का तबादला, 9 जिले में नए एसपी की नियुक्ति

रायपुर,20 अप्रैल। एक दिन पहले आईएएस के थोक में तबादले के बाद राज्य सरकार ने अब थोक में आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए हैं. रविवार को एक साथ किए गए 20 आईपीएस के तबादले में पवन देव से लेकर अंकित गर्ग, ध्रुव गुप्ता, दीपक कुमार झा से लेकर विजय पांडे तक शामिल हैं.

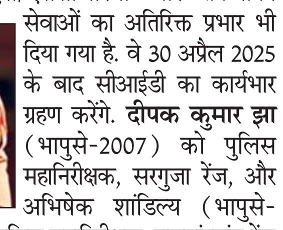

पवन देव (भापुसे-1992) को प्रबंध संचालक, छत्तीसगढ़ पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन, रायपुर के अतिरिक्त अध्यक्ष का प्रभार सौंपा गया है.,**अंकित कुमार गर्ग** (भापुसे-2004), पुलिस महानिरीक्षक, सरगुजा रेंज, को पुलिस महानिरीक्षक, एसआईबी, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर नियुक्त किया गया. **ध्रुव गुप्ता** (भापुसे-2005), पुलिस महानिरीक्षक, एसआईबी, को पुलिस महानिरीक्षक, सीआईडी, नवा रायपुर बनाया गया. उन्हें सीसीटीएनएस/एससीआरबी और तकनीकी सेवाओं का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है. वे 30 अप्रैल 2025 के बाद सीआईडी का कार्यभार ग्रहण करेंगे. **दीपक कुमार झा** (भापुसे-2007) को पुलिस महानिरीक्षक, सरगुजा रेंज, और अभिषेक शांडिल्य (भापुसे-2007) को पुलिस महानिरीक्षक, राजनांदगांव रेंज नियुक्त किया गया.**बालाजी राव** सोमावार (भापुसे-2007) को पुलिस महानिरीक्षक, कानून व्यवस्था, विशेष शाखा, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर का दायित्व सौंपा गया. **अजातशत्रु बहादुर सिंह** (भापुसे-2011) को पुलिस उप महानिरीक्षक, गुप्तवार्ता, विशेष शाखा, और विवेक शुक्ला (भापुसे-2012) को एआईजी, सीआईडी, पुलिस मुख्यालय नियुक्त किया गया. **राजेश कुमार अग्रवाल** (भापुसे-2012) को पुलिस अधीक्षक, सरगुजा, विजय अग्रवाल (भापुसे-2012) को पुलिस अधीक्षक, दुर्ग, और भावना गुप्ता (भापुसे-2014) को पुलिस अधीक्षक, बलौदाबाजार-भाटापारा बनाया गया. **सूरज सिंह** (भापुसे-2015) को पुलिस अधीक्षक, धमतरी, और त्रिलोक बंसल (भापुसे-2016) को पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ, बघेरा नियुक्त किया गया. **अंजनेय वार्षीय** (भापुसे-2018) को पुलिस अधीक्षक, सारंगढ-बिलाईगढ, और योगेश कुमार पटेल (भापुसे-2018) को पुलिस अधीक्षक, बालोद बनाया गया. **एस.आर. भगत** (भापुसे) को पुलिस अधीक्षक, गौरेला पेंड्रा मरवाही, और विजय पाण्डे (भापुसे) को पुलिस अधीक्षक, जांजगीर-चांपा के पद पर तैनात किया गया.

एक नजर

पुलिस ने दो शराब तस्करों को पकड़ा

भिलाई, 20 अप्रैल। भिलाई मध्यप्रदेश के सिवनी से शराब लेकर तुमड़ीबोड़ जा रहे दो शराब तस्करों को उनके घर से धमधा पुलिस ने गिरफ्तार किया है रात में पुलिस को पीछा करता देख आरोपित शराब लदी कार को ग्राम मुड़पार में छोड़कर भाग गए थे। ग्राम नवागांव तुमड़ीबोड़ जिला राजनांदगांव निवासी 25 वर्षीय लिंकेश्वर वर्मा और 33 वर्षीय आकाश निर्मलकर 15-16 अप्रैल की दरम्यानी रात कार सीजी-04 एमडी 2018 से जा रहे थे। संदेह के आधार पर पुलिस ने रुकवाने की कोशिश की, लेकिन आरोपित चालक तेजी कार को लेकर भागने लगा पुलिस ने पीछा किया तो आरोपित मुड़पार में कार को छोड़कर भाग निकले कार में मध्यप्रदेश की निर्मित 13 पेटी गोवा शराब थी कार के पंजीयन नंबर के आधार पर पुलिस ने वाहन मालिक आकाश का पता निकाला उसने पूछताछ में लिंकेश्वर के साथ शराब तस्करी करने की बात स्वीकार।

पुलिस ने हत्या की गुत्थी सुलझाई

भिलाई, 20 अप्रैल। भिलाई कुम्हारी के रामपुर चोरहा में 55 वर्षीय भागवत मारकंडेय की हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है हत्याकांड के जिम्मेदार मृतक के पड़ोसी जयदीप साहू को गिरफ्तार किया है आरोपित ने गाली-गलौज से नाराज होकर भागवत की जान ले ली थी आरोपित के खिलाफ हत्या की धारा के तहत कार्रवाई की गई है अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) सुखनंदन राठौर ने बताया कि 17 अप्रैल की रात को कुम्हारी के अपेक्स हास्पिटल से हत्या की जानकारी मिली थी पुलिस ने मामले की जांच शुरू की प्रारंभिक संदेह मृतक के परिवार वालों पर ही था लेकिन उनसे पूछताछ करने पर कोई भी जानकारी नहीं मिली। इसके बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की तो मृतक का पड़ोसी 24 वर्षीय जयदीप साहू चाकू लेकर भागता नजर आया। पुलिस ने जयदीप को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने हत्या की बात स्वीकार की आरोपित ने 17 अप्रैल की रात को वह खाना खाकर घर के बाहर टहल रहा था, तभी भागवत मिला, जो शराब के नशे में था भागवत ने उसे देखते ही मां-बहन की अश्लील गालियां देना शुरू कर दी जिससे नाराज होकर वह घर से चाकू लेकर आया चाकू देखकर भागवत भागकर अपने कमरे में गया आरोपित ने कमरे में घुसकर उस पर चाकू से वारकर हत्या कर दी थी।

पार्षद निधि से बोर खनन कराया

जामुल, 20 अप्रैल। नगर पालिका जामुल क्षेत्र के वार्ड क्र. 20 सुरडुंग में पार्षद निधि से बोर खनन किया गया । नपा अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने श्रीफल तोड़कर बोर खनन का कार्य प्रारंभ करवाया । श्री ठाकुर ने बताया कि ग्रीष्म ऋतु में स्वाभाविक रूप से भूजल स्त्रोत नीचे चला जाता है और इसी ग्रीष्म ऋतु में पानी की अत्यधिक आवश्यकता होती है जिसकी पूर्ति के लिए हमारे परिषद के सम्मानीय सदस्या श्रीमति शांति टंडन के निधि से यहां बोर खनन हो रहा है जिसमें वार्डवासियों को गर्मी के मौसम में भी पर्याप्त पानी मिल सके । मैं इस वार्ड के जनता से अपील करता हूं कि पानी का सद्उपयोग करें, व्यर्थ न बहायें । गली सड़क में बचे पानी को न फेंके बल्कि अन्य कार्यों में उपयोग करें । बोर खनन कार्य के भूमिपूजन के अवसर पर वार्ड पार्षद शांति टंडन, पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय शर्मा, राजकुमार, उमेंद वर्मा, पाठक सहित वार्डवासी उपस्थित थे ।

कार्य में लापरवाही बरतने के कारण दो सफाई कर्मचारी निलंबित

भिलाई, 20 अप्रैल। नगर निगम भिलाई में ऐसे सफाई कर्मचारी जो ऑफिस में काम नहीं कर रहे थे। उन कर्मचारियों को उद्यान में पानी डालने की ड्यूटी लगाई गई थी। केवल पाइप लाइन से उद्यान में पौधों को पानी डालना था। फिर भी उनके द्वारा कार्य नहीं किया जा रहा था। लगातार अनुपस्थित रहते थे। अधिकारियों के साथ व्यवहार भी अच्छा नहीं था। मनमानी कर रहे थे। इसके पूर्व में उन्हें नोटिस दिया गया था। फिर भी उनके कार्य में कोई सुधार नहीं हुआ। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय जब उद्यानों का निरीक्षण करने गए तो बहुत से पेड़ सूखे पाए गए। वहां पर लोगों से जानकारी प्राप्त की गई तो स्थानीय निवासियों ने बताया पाइप रखकर चले गए हैं। कर्मचारी नहीं आते हैं, पानी नहीं डाल रहे हैं। चेतावनी के तौर कारण बताओं नोटिस जारी किया गया था। इसके बाद दो सफाई महिला कर्मचारी श्रीमती वृंदाबाई सफाई कामगार एवं श्रीमती ललिता बाई को उनके कार्य व्यवहार में किसी प्रकार का सुधार नहीं आने, उच्च अधिकारियों द्वारा दिए गए कार्यों का निर्वहन नहीं किया जाना, कार्यालय में उपस्थिति दर्ज अनुपस्थित रहना, निगम को उद्यानों को अस्त व्यस्त रखना रखना, स्थानीय लोगों की शिकायत, निगम की छवि खराब करना, कार्य के प्रति घोर लापरवाही एवं उदासीनता का द्योतक मानते हुए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण अधिनियम के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

विधायक भावना बोहरा ने नगर पंचायत पांडातराई में विकास कार्यों की समीक्षा की

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 20 अप्रैल। गुरुवार को पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने नगर पंचायत पांडातराई में चल रहे विकास कार्य, अधोसंरचना निर्माण एवं शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की और उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों को दिशा निर्देश दिए। इस दौरान भावना बोहरा ने पूर्ववर्ती सरकार के दौरान 3 करोड़ रुपए के जल आवर्धन घोटाला एवं गुणवत्ताहीन निर्माण कार्यों की जांच करने के लिए दिशा निर्देश दिए एवं पात्र हितग्राहियों को जमीन का पट्टा आवंटन, बिजली की व्यवस्था को दुरुस्त करने, प्रधानमंत्री आवास योजना, जमीन पर अवैध कब्जों को हटाने, वर्तमान में हो रहे कार्यों की गुणवत्ता एवं तय समय सीमा पर कार्य को पूर्ण करने, अधिकारियों-कर्मचारियों के कार्यालय में उपस्थिति, स्कूलों का उन्नयन और मॉडल स्कूल तथा विद्यालयों में सेनेटरी पैड की उपलब्धता सुनिश्चित करने जैसे प्रमुख विषयों पर विशेष ध्यान देते हुए उन्हें जल्द पूरा करने की बात कही।भावना बोहरा ने कहा कि जनता की सुविधाओं का ध्यान रखना एवं केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ उन्हें दिलाना और विकास कार्यों को गुणवत्तापूर्ण एवं तय समय पर पूरा करना ही हमारा प्राथमिक उद्देश्य है। पांडातराई की जनता से हमने जो वादा किया है और नगर की समृद्धि के लिए हमने जो संकल्प किये हैं उसे पूरा करने के लिए हम कटिबद्ध हैं। आज समीक्षा बैठक में बहुत से महत्वपूर्ण विषयों और विकास कार्यों के संबंध में अधिकारियों एवं कर्मचारियों से चर्चा के दौरान मैनें कई सुझाव एवं दिशा-निर्देश दिए हैं जिससे नगरवासियों की सुविधा सुनिश्चित होगी वहीं विकास कार्यों में तेजी से यहां की जनता को लाभ मिलेगा। पूर्ववर्ती सरकार के दौरान नगर पंचायत पांडातराई में हुए लगभग 3 करोड़ रुपए के जल आवर्धन घोटाले एवं गुणवत्ताहीन निर्माण कार्यों की जांच के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं ताकि जनता के पैसों का दुरूपयोग करने वालों को सजा मिल सके। ट्रिपल इंजन की भाजपा सरकार का उद्देश्य एवं लक्ष्य स्पष्ट है कि भ्रष्टाचार को समाप्त कर विकास कार्यों को गति देना जिससे नगरवासियों को सुविधा और योजनाओं का लाभ मिल सके और उनकी उन्नति के साथ हमारे पंडरिया विधानसभा एवं प्रदेश की प्रगति भी सुनिश्चित हो सके। सुशासन के संकल्प के साथ हमारी सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाकर काम कर रही है और जो भी व्यक्ति अपने निजी लाभ के लिए जनता के पैसों का दुरूपयोग एवं भ्रष्टाचार करेगा उन्हें बक्शा नहीं जाएगा।भावना बोहरा ने कहा कि प्रदेश में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में डबल इंजन भाजपा सरकार बनने के बाद से महज 15 महीनों के भीतर नगर पंचायत पांडातराई में विकास कार्यों, अधोसंरचन निर्माण हेतु 21 करोड़ रुपए से अधिक की स्वीकृति मिली है और कार्य प्रगति पर हैं। आज नगर में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। नगर वासियों की बहुप्रतीक्षित मांग पांडातराई बायपास के लिए 8 करोड़ रुपए, पांडातराई नगर से फास्टरपुर मार्ग के निर्माण हेतु 15 करोड़ रुपए, पोंड़ी-पांडातराई-पंडरिया मार्ग में (एन. एच. 130 ए) हॉफ नदी पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य के लिए 3 करोड़ 43 लाख रुपए से अधिक की स्वीकृति मिली है। आज नगर में प्रयाप्त प्रकाश व्यवस्था के लिए हाई मास्ट लाइट एवं स्ट्रीट लाइट, नगर के प्रमुख चौक-चौराहों का सौन्दर्यीकरण,तालाबों का सौन्दर्यीकरण, विद्यालयों का छात्रों के लिए सुविधाओं का विस्तार, सीसी रोड एवं नाली निर्माण, पर्याप्त पेयजल एवं बिजली की आपूर्ति सामुदायिक भवन,मुक्तिधाम, शेड निर्माण जैसे करई विकास कार्य एवं परियोजनाएं आकार ले रही है । इस अवसर पर बैठक में नगर पंचायत पांडातराई की अध्यक्ष श्रीमती सरिता सोनी , उपाध्यक्ष मनोज ठाकुर जी, सभी वार्ड के पार्षद एवं सभी विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

कैलाश नगर प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला में पार्षद ने शिक्षकों की ली बैठक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 20 अप्रैल। नगर के शंकर नगर वार्ड नंबर आठ में स्थित शासकीय प्राथमिक शाला एवं पूर्व माध्यमिक शाला कैलाश नगर के समस्त शिक्षकों के साथ पार्षद दुर्गेश अवस्थी परिचय बैठक ली एवं शाला के विकास एवं आदर्श विद्यालय बनाने के लिए सकारात्मक ठोस पहल करनेके लिए सभी शिक्षक गण से सहयोग की अपेक्षा की. सर्वप्रथम प्रथम दिनांक 25 अप्रैल को पढ़ाई तिहार कार्यक्रम कर सभी छात्र-छात्राओं एवं पालक माताओ को आमंत्रित करने के निर्देश दिए गए. प्राथमिक शाला में जादुई पिटारा के लिए प्राप्त राशि का उपयोग कार्यक्रम आयोजन में ही खर्च करने पर चर्चा की गई. दिनांक 28 एवं 29 अप्रैल को परीक्षा परिणाम देने के समय पालको की उपस्थित पर चर्चा की गई. चुकी विद्यालय को सही ढंग से संचालित करने के लिए बच्चों की भरपूर दर्ज संख्या प्रथम कड़ी होती है इसलिए पलकों से संपर्क कर अधिक से अधिक बच्चों को प्रवेश दिलाने के लिए पार्षद दुर्गेश अवस्थी के साथ बस्ती भ्रमण करने का निर्णय लिया गया साथ ही साथ बैनर फ्लेक्स लगाने पर भी चर्चा की गई प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय को स्वच्छ साफ सुथरा सुंदर रखने पेयजल व्यवस्था शौचालय को साफ सुथरा रखना मध्यान भोजन को अच्छा बनाने. शैक्षणिक गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने. प्रत्येक बच्चे को कंप्यूटर ज्ञान देने पर विस्तृत चर्चा की गई बैठक का संचालन संकुल समन्वयक गौवकारण सिंह धुर्वे ने किया तथा आभार प्रदर्शन राजेश पांडे ने किया बैठक में श्रीमती सुलभा वर्मा स्मिता निगम प्रतिमा कुसरे रूपेश सिन्हा कविता मानिकपुरी प्रीति नेने दुर्गा ठाकुर देवकी मंडावी कुलेश्वर साहू सभी शिक्षक उपस्थित थे ।

टाउनशिप में जलापूर्ति के समय विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

भिलाई, 20 अप्रैल। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी अनुभाग के रखरखाव और क्षेत्रीय कार्यालयों में गर्मी के मौसम में बढ़ते तापमान के मद्देनजर कम पानी और कम लाइन प्रेशर की शिकायतें दर्ज की जा रही हैं। लोगों द्वारा अतिरिक्त पानी इकट्ठा करने के लिए टुल्लू पंप का इस्तेमाल पानी की इस समस्या का कारण है। इस परिस्थिति को देखते हुए पीएचई विभाग ने जलापूर्ति के समय विद्युत आपूर्ति बंद करने का निर्णय लिया है ताकि टाउनशिप के सभी क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध हो पाएं। जलापूर्ति के समय निम्नलिखित क्षेत्रों में बिजली कटौती की जा रही है- सेक्टर-7 में सुबह 7 से 7:40 बजे तथा सेक्टर-10 में सुबह 6:30 से 7:15 बजे। अन्य सेक्टरों में भी आगामी दिनों में निर्धारित समयानुसार विद्युत आपूर्ति बंद की जाएगी। भिलाई इस्पात संयंत्र के जलाशयों में उपयुक्त मात्रा में पानी भंडारण की कमी के कारण भिलाई टाउनशिप में एक टाइम ही पेयजल प्रदान किया जा रहा है।

रघुपारा पंचायत सतनाम मेला में शामिल हुए डिप्टी सीएम विजय शर्मा

कवर्धा, 20 अप्रैल। 19 अप्रैल को रघुपारा पंचायत में सतनाम मेला और समागम कार्यक्रम में डिप्टी सीएम विजय शर्मा शामिल हुए । कार्यक्रम में जिला पंचायत सभापति रामकुमार भट्ट, बोड़ला जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि रामकिंकर वर्मा, पूर्व बोडला जनपद उपाध्यक्ष गोकुल चंद्रवंशी, बोड़ला नगरपंचायत अध्यक्ष विजय पाटिल , जिला पंचायत सदस्य लोकचंद साहू विलास चंद्रवंशी सहित बीजेपी कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित रहे ।

नगर पंचायत साजा के नेता प्रतिपक्ष चुने गए जनार्दन सिंह ठाकुर , कांग्रेसियों में हर्ष

साजा, 20 अप्रैल। पूर्व कैबिनेट मंत्री रविंद्र चौबे के अनुशंसा पर संतोष वर्मा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष व मनोज जायसवाल पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष के द्वारा कांग्रेस भवन साजा मे नगर पंचायत साजा के नेता प्रतिपक्ष के रूप मे जनार्दन सिंह ठाकुर को चुना गया जिसमे पार्षद सुशील निर्मलकर, भारती अवधेश गोयल, पुष्पा प्रकाश सिन्हा, जमुना जायसवाल, मनीष वर्मा, विप्लव गौरहा, दिनेश साहू, राजा चौबे व अन्य नगर कांग्रेस कमेटी के लोग उपस्थित थे ।

अधिकारियों ने धूप में लोगों के घर जाकर दी दस्तक

दुर्ग,20 अप्रैल। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के माध्यम से नगरवासियों के लिए संवाद से समाधान की पहल की है।तीन चरणों में आयोजित सुशासन तिहार अपने दूसरे चरण में पहुंच चुका है।आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर लोगों से मिले आवेदनों का मिशन मोड में चिलचिलाती धूप के बीच सुशासन तिहार के तहत निगम अधिकारी/कर्मचारियो ने लोगो के घरों में जाकर दस्तक देकर आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण कर रहे है।

टाउनशिप में सड़कों के उन्नयन एवं ट्रैफिक प्रबंधन के लिए व्यापक अभियान

भिलाई, 20 अप्रैल। सार्वजनिक सुविधा में वृद्धि तथा सड़क सुरक्षा को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत, सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा टाउनशिप में बड़े पैमाने पर सड़क चौड़ीकरण, रिकार्पेटिंग तथा ट्रैफिक चौराहों के सौंदर्यीकरण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसके अंतर्गत जिन प्रमुख सड़कों पर कार्य प्रगति पर है, उनमें मरोदा से रूआबांधा तक की सड़क शामिल है, जहाँ सड़क चौड़ीकरण और मरम्मत का कार्य चल रहा है, जबकि मैत्री बाग क्षेत्र की सड़कों का कार्य पहले ही पूर्ण किया जा चुका है। डीपीएस भिलाई के पास से होती हुयी रुआबाँधा, रिसाली व मरोदा क्षेत्रों को आपस में जोड़ने वाली लगभग 4.5 किलोमीटर लंबी सड़क जिसका उपयोग बड़ी संख्या में सयंत्रकर्मी भी विशेषकर प्लांट आवागमन हेतु उपयोग करते है,इस महत्वपूर्ण मार्ग के रीकार्पेटिंग का कार्य भी द्रुत गति से जारी है। टाउनशिप भवन (टी ए बिल्डिंग) से कला मंदिर तक की सड़क के चौड़ीकरण का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है। पूर्व में सेक्टर-8 स्थित स्टील क्लब के समीप सड़क उन्नयन कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है, फ्लाईओवर के सामने एक नया ट्रैफिक स्क्वायर निर्मित किया जा रहा है। मार्गों की प्रमुख जीवन रेखा माने जाने वाले पंडित रविशंकर शुक्ल मार्ग (सेंट्रल एवेन्यू) के माध्यम से टाउनशिप का संयंत्र से सीधा संपर्क स्थापित होता है। इसके साथ ही टाउन सर्विसेज विभाग द्वारा टाउनशिप में स्थित ट्रैफिक चौराहों के पुनः डिज़ाइन तथा सौंदर्यीकरण का कार्य भी किया जा रहा है। कई प्रमुख चौराहों पर रेडियस को 1.5 मीटर तक कम किया गया है, जिससे वाहन गति का प्रवाह नियंत्रित हो और दुर्घटनाओं की संभावना घटे।

छावनी चौक का नाम होगा गौ-माता चौक

भिलाई, 20 अप्रैल। नगर निगम के विशेष सम्मिलन में हुयी चर्चानुसार छावनी चौक का नामकरण गौ.माता चौक के नाम होगा । जहाँ गाय की प्रतिमा स्थापित होगी तथा चौक का होगा सौंदर्यीकरण किया जायेगा। नगर पालिक निगम भिलाई की 27 मार्च 25 को हुई विशेष सम्मिलन की बैठक में महापौर नीरज पाल ने अपने बजट अभिभाषण बताया था कि शंकराचार्य महाराज ने 10 मार्च 24 देशव्यापी गौ माता के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सुबह 10 बजे दिए गये धरने में भाग लेकर छावनी चौक में धरने पर बैठे थे और घोषणा किये थे कि निगम का सदन इस चौक का नाम गौ माता के नाम पर नामकरण कर सौंदर्यीकरण किये जाने का स्वीकृति प्रदान करें. महापौर के इस प्रस्ताव को सदन ने स्वीकृति प्रदान किया गया थाण् छावनी चौक के सौंदर्यीकरण किये जाने हेतु जोन दो के राजस्व विभाग द्वारा सर्वेक्षण किया जा चुका है, जिसका स्थल अवलोकन शनिवार को महापौर नीरज पालए जोन आयुक्त यशा लहरे, सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे, सहायक अभियंता अर्पित बंजारे ने किया। महापौर ने मौका स्थल पर प्रभावित होने वाले परिवार को आश्वस्त किया कि प्रभावित लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना में व्यवस्थापन किया जाएगाण् पाल ने स्थल पर उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और शीघ्र कार्य प्रारंभ करने को कहा है।

जहां-तहां सड़क पर गुटखा पाउच और गुटखा थूकने से गंदगी है चिंतनीय

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 20 अप्रैल। कवर्धा शहर में बस स्टैंड में भोजली तालाब के आसपास और पोड़ी , पांडातराई ओर पंडरिया और कई गांवों में सुबह से गुटखा खाने की आदत बच्चों और युवाओं ओर दुकानदारों और पढ़ें लिखे युवाओं में गुटखा खाने की बढ़ती आदत चिंताजनक बन गई है । सड़को पर कही भी गुटखा खाकर थूक फेक देते है जितना खाते नहीं है उससे ज्यादा थूक फेंकते हुए देखते है । गुटखा की बिक्री पूरी सब्जी बेचने वालो से लेकर समोसा बेचने वालो ओर चाय बेचने वालो की दुकानों में जितना समोसा पूरी ओर चाय नहीं बिकती उससे ज्यादा गुटखा बिकता है । चौदह साल से कम उम्र वाले बच्चों को भी आसानी से कवर्धा शहर और पूरे जिले में आसानी से गुटखा मिल जाता है जो की चिंतनीय विषय है । नशा मुक्त अभियान के प्रति भी जागरूक समय समय पर समाज कल्याण विभाग करती है । लेकिन अब समय आ गया की स्वच्छता अभियान की तरह नशा मुक्त अभियान जैसे कार्यक्रम की आवश्यकता है । पंच , सरपंच , पार्षद , अध्यक्ष और जनप्रतिनिधि को नशामुक्त अभियान कार्यक्रम करने की निरंतर आवश्यकता है । बिना लाइसेंस के गुटखा बिक्री पर रोक लगनी चाहिए और सभी दुकानों में बोर्ड लगाना चाहिए की जहां गुटखा बिकता है वहां बच्चों को गुटखा नहीं मिलेगा । जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू , जिला पंचायत सभापति रामकुमार भट्ट , भोरमदेव शक्कर कारखाना पूर्व डायरेक्टर लक्की चंद्रवंशी भी नशा जैसी कुरीतियों से दूर रहने की हमेशा अपील किए । भोरमदेव शक्कर कारखाना और रूप जीवन हॉस्पिटल में भी नशा मुक्ति अभियान संदेश दिखती है ।

रूप जीवन हॉस्पिटल डायरेक्टर अतुल जैन भी कई बार बता चुके है की गुटखा ज्यादा खाने से कैंसर होने की संभावना होती है । सुबह सुबह सरजू चौहान ने बस स्टैंड में कहा की गुटखा बिक्री बंद हो जाना चाहिए जिससे सड़को की स्वच्छता अच्छी रहेगी । जिला प्रशासन को भी कवर्धा में दुकानों पर ध्यान देना चाहिए जिससे की बच्चों को गुटखा , बीडी और तंबाकू ना मिले ।

मोर संगवारी सेवा के तहत नागरिक घर बैठे करवा सकते हैं काम

भिलाई, 20 अप्रैल। मोर संगवारी सेवा के माध्यम से नगर निगम भिलाई क्षेत्र का कोई भी नागरिक अपने घर बैठे.बैठे सरकारी कार्य करवा सकते हैं। इसके लिए उन्हे मात्र 14545 पर कॉल करना होगा। शासन द्वारा अधिकृत एजेंट नागरिक के घर जायेगाए वहां जाकर आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करके समय अवधि के अंदर प्रमाण पत्र प्रदान कर देगा। पहले इसी कार्य को करवाने के लिए सरकारी आफिस आना प?ता थाए अब घर बैठे.बैठे सभी काम हो जायेगें। इससे समयए पैसाए पेट्रोल एवं आने.जाने की परेशानी से बचत होगा। बहुत सारे लोग अब गर्मी के दिनों में आफिस न आकर अपने घर से ही 14545 पर कॉल कर देते हैं। जो भी प्रमाण पत्र की आवश्यकता होती हैए बनवाने के लिए उपयोगी संबंधित दस्तावेज की जानकारी प्राप्त हो जाती है। मोर संगवारी संपर्क करके कार्य करवा देता हैए उसकी सेवा शुल्क प्रत्येक कार्य के लिए मात्र 50 रूपये हैं। मोर संगवारी योजना के तहत मूल निवासी प्रमाण पत्रए अनुसूचित जातिध्अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्रए अन्य पिछ?ा वर्ग प्रमाण पत्रए आय प्रमाण पत्रए दस्तावेज के नकल के लिए अनुरोध गैर.डिजिटलए मृत्यु प्रमाण पत्रए विवाह पंजीकरण और प्रमाण पत्रए नया राशन कार्ड एपीएलध्बीपीएलए राशन कार्ड सरेंडरध्ट्रान्सफरए राशन कार्ड भर जाने परए राशन कार्ड में सुधार के लिएए राशन कार्ड में सदस्य जो?नेध्हटाने के लिएए राशन कार्ड खो जानेध्गुम जाने परए जन्म प्रमाण पत्रए दुकान और स्थापना पंजीयनए भूमि सूचनाए जन्म प्रमाण पत्र सुधारए मृत्यु प्रमाण पत्र सुधारए आधार मोबाइल नंबर अपडेटए बाल आधार नामांकन 0.5 वर्ष पैन कार्ड पैन कार्ड सुधारए पैन कार्ड डुप्लीकेटए असंगठित श्रमिक पंजीयनए असंगठित श्रमिक पंजीयन सुधार आदि सभी बनवा सकते हैं। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेनए महापौर नीरज पाल ने अपील की है कि शासन ने यह सुविधा सबके लिए प्रदान की है। इससे नागरिकों का समयए पैसाए पेट्रोल एवं आने.जाने से बचत होगी।

वन मंत्री ने किया केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई का निरीक्षण

भिलाई, 20 अप्रैल। प्रदेश के वन मंत्री केदार कश्यप ने दुर्ग जिले के पाटन विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम जामगांव एम में केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई का निरीक्षण कर अद्यतन कार्यों का जायजा लिया। सांसद विजय बघेल व जिला एवं जनपद पंचायत के प्रतिनिधि भी साथ मौजूद थे। लघु वनोपजों के प्रसंस्करण हेतु लगभग 23 करो? की लागत से 110 एकड़ क्षेत्र में विभिन्न प्रसंस्करण इकाई स्थापित किया जा रहा है। वन मंत्री कश्यप ने इन इकाई में प्रसंस्करण होने वाले उत्पाद की जानकारी ली। गोदामों में भंडारित वनोपजए मिलेट्स फसलए प्रसंस्करण पश्चात् वितरण आदि की भी जानकारी ली। उन्होंने प्रसंस्करण संयंत्र का भी अवलोकन किया। साथ ही निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए। वन मंत्री कश्यप ने सम्पूर्ण इकाई परिसर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को एक पेड़ माँ के नाम पर लोगों से पौध रोपण करने की अपील की। इस अवसर पर डीएफओ चंद्रशेखर परदेशीए एसडीएम लवकेश ध्रुव एवं अन्य विभाग के अधिकारी तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

कलेक्टर तथा सीईओ ने चुनकट्टा के आवासों का सर्वे कर हितग्राहियों को दी शुभकामनाएं

भिलाई, 20 अप्रैल। जिले के विकासखंड पाटन के ग्राम पंचायत चुनकट्टा में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास 2.0 सर्वे पखवाड़े मोर दुवार सांय सरकार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर अभिजीत सिंह तथा जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग दुबे ने आवासों का सर्वे कर हितग्राहियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने हितग्राही अश्वनी एवं नागेश को उनके आवास के सपने के साकार होने पर बधाई देते हुए उन्हें मिठाई एवं श्रीफल भेंट किया। कलेक्टर सिंह ने ग्राम पंचायत चुनकट्टा के विकास कार्यों की विस्तृत चर्चा की। उन्होंने हितग्राही पवित्र कुमार कोशले के नाम स्वीकृत आवास का भूमिपूजन कर समय सीमा मे आवास पूर्ण कराने हेतु नोडल अधिकारी को निर्देशित किया। साथ ही प्रगतिरत आवासों में से श्रीमती कवली ठाकुर के आवास का निरीक्षण कर नोडल एवं सचिव को जल्द ही कार्य पूर्ण कराने निर्देशित किया। पूर्ण हो चुके आवास हितग्राही श्रीमती सुलोचना को नये आवास की शुभकामनाएं दी। हितग्राहियों ने राज्य सरकार तथा जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

मुर्शिदाबाद में हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचार के विरोध में राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़, 20 अप्रैल। धर्मनगरी डोंगरगढ़ में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंगदल के कार्यकर्ताओं ने आज दिनांक 18 अप्रेल को भारत के महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। जिसमें पश्चिम बंगाल में जेहादियों को मौन समर्थन देकर हिंदुओं के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार करने वाली ममता सरकार को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की गई।

विदित रहे कि वक्फ बोर्ड संसोधन बिल के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में जेहादियों द्वारा हिंदुओं के साथ अत्याचार, लूटपाट, बहन बेटियों से बलात्कार, हिंदुओं के घरों व दुकानों में आगजनी की गई जिससे वहां का हिंदु समाज अपने ही देश में पलायन करने को विवश है। इस घटना से पूरे देश के हिंदू समाज में आक्रोश व्याप्त है। ज्ञापन लेने के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डोंगरगढ़ के प्रतिनिधि के रूप में

लाल बहादुर नगर के नायब तहसीलदार राजेश कुमार नेताम उपस्थित रहे। वहीं ज्ञापन देने वालों में तरुण हथेल विहिप ज़िला कार्यकारी अध्यक्ष, हनी गुप्ता बजरंग दल जिला सहसंयोजक, बालमुकुंद तराने विहिप नगर अध्यक्ष, ऋषभ डकहा बजरंग दल नगर संयोजक, मोंटी भाटिया (सांसद प्रतिनिधि), हिमांशु गुप्ता, हेमंत सिन्हा, विमल अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, शुभम परिहार, युवराज साहू, संजय जंघेल, चूड़ामणि चंदेल, भावेश निर्मलकर इत्यादि उपस्थित थे। बालमुकुंद तराने ने चर्चा में बताया कि हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचार पर सर्व हिन्दू समाज की बैठक बुलाकर शीघ्र ही निष्ठुर ममता सरकार की शव यात्रा निकालकर प्रतीकात्मक शव की अंत्येष्टि की जाएगी।

समाचार संक्षेप

नव विवाहिता को आत्महत्या के लिए प्रताड़ित करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया

राजनांदगांव, 20 अप्रैल (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल शर्मा पु. अनु. अधिकारी दिलीप सिंह सिसोदिया के मार्ग दर्शन मे थाना प्रभारी घुमका बसंत बघेल के हमराह स.उ.नि . कोदू राम नागवंशी आर. 1651द्वारा थाना घुमका जिला-राजनांदगांव के अपराध क्रमांक- 33/25 धारा-108, 3 (5) ब्नहस के मुख्य आरोपी सोनल द्विवेदी पिता दुर्गेश द्विवेदी उम्र 32 वर्ष निवासी बाम्हन पारा घुमका थाना घुमका जिला राजनांदगांव घटना दिनांक से फरार था जिसे आज दिनांक 19. 04.25 को पता तलाश कर हिरासत में लेकर पूछ्ताछ करने पर आरोपी वह उनके परिजन द्वारा नव विवाहिता को फोन में बात करने की बात को लेकर आए दिन प्रताड़ित कर मारपीट कर घर से निकल जाने धमकी देने वह दो कौड़ी के गरीब परिवार का बद्जलन कह कर मारपीट करने के कारण नव विवाहिता द्वारा आत्महत्या करना स्वीकार करने पर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। आरोपी का नाम सोनल द्विवेदी पिता दुर्गेश द्विवेदी उम्र 32 वर्ष निवासी ब्राह्मण पारा वार्ड नंबर 1 थाना घुमका जिला राजनांदगांव है।

चौखड़िया पारा में शिविर लगाकर बनाया गया श्रमिक कार्ड

राजनांदगांव, 20 अप्रैल (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। सुशासन तिहार अंतर्गत जनसामान्य की समस्याओं के समाधान के लिए आज राजनांदगांव शहर के चौखडिया पारा हीरा-मोती वार्ड में श्रम विभाग द्वारा शिविर लगाकर आवेदनों का निराकरण किया गया। इस अवसर पर पार्षद रवि सिन्हा, श्रम निरीक्षक मुकेश देवांगन एवं अन्य स्टॉफउपस्थित रहे। शिविर में लगभग 30 प्रकरणों का निराकरण किया गया। सुमन देवांगन एवं वेदिका हिरवानी ने नया श्रमिक कार्ड बनवाने के लिए आवेदन किया था। वही वर्षा साहू ने शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए जानकारी प्राप्त करने के लिए आवेदन किया था। शिविर में बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे। पार्षद रवि सिन्हा ने कहा कि सुशासन तिहार अंतर्गत जनसमस्या निवारण के लिए आज यहां शिविर लगाया गया है। श्रम विभाग द्वारा यहां श्रमिक कार्ड बनाने के लिए त्वरित कार्य किया गया है। श्रमिकों को आ रही दिक्कतों को दूर करते हुए आवेदनों का निराकरण किया जा रहा है। श्रम निरीक्षक मुकेश देवांगन ने कहा कि श्रमिक कार्ड के लिए काफी आवेदन प्राप्त हुए थे। श्रम विभाग द्वारा आवेदकों से संपर्क कर यह शिविर लगाया गया है। आवेदक अपना आधार कार्ड, बैंक खाता पासबुक लेकर आए हैं, पात्रता अनुसार उनका श्रमिक कार्ड बनाया जा रहा है।

एक राष्ट्र एक चुनाव' विकसित भारत की दिशा में एक बड़ा कदम है : किरण रविन्द्र वैष्णव

छुरिया, 20 अप्रैल (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला पंचायत राजनांदगांव अध्यक्ष किरण रविन्द्र वैष्णव ने एक राष्ट्र एक चुनाव के विषय में कहा कि'एक राष्ट्र एक चुनाव' सिर्फ भारत की चुनाव प्रणाली को बेहतर बनाने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह विकसित भारत की दिशा में एक बड़ा कदम है! एक ही समय पर सभी चुनाव होने से करीब ?4.5 लाख करोड़ की बचत होगी, जो देश की तष्ठक्क के 1.5त्र के बराबर है। एक राष्ट्र, एक चुनाव से होने वाली बचत से देश में विकास के नए अध्याय लिखे जा सकते हैं।भारत की चुनाव

प्रणाली को बेहतर बनाने और सुरक्षा, प्रशासन व संसाधनों पर भार कम करने की तरफ़बेहतरीन कदम है।एक राष्ट्र, एक चुनाव से होने वाली बचत से देश में विकास के नये आयाम स्थापित होंगे।यह विचार न केवल हमारे देश की राजनीतिक प्रणाली को सरल बनाता है, बल्कि यह संसाधनों की बचत, प्रशासनिक दक्षता और विकास की गति को तीव्र करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' ऐसा कदम है, जो चुनाव प्रणाली में सुधार कर न सिर्फ लोकतंत्र में लोगों के भरोसे को बढ़ाएगा, बल्कि मतदाताओं को भी मतदान के लिए प्रोत्साहित कर समय, संसाधन और चुनाव खर्च में कटौती के साथ आर्थिक विकास को गति देगा और राजनीतिक दलों को सकारात्मक राजनीति के लिए प्रेरित करेगा।एक समय था जब कांग्रेस पार्टी ने अपने राजनीतिक लाभ के लिए 7 राज्यों की विधानसभाएं भंग करके 'वन नेशन, वन इलेक्शन' करवाया था। आज वही कांग्रेस इसका विरोध कर रही है और इसे लोकतंत्र विरोधी बता रही है। परन्तु आज हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने इस साहसिक कदम को उठाया है, ताकि हमारा देश व्यर्थ खर्च, बार-बार की अस्थिरता, और नीतिगत रुकावटों से मुक्त हो सके। यह सिर्फ एक नीति नहीं, बल्कि सुशासन की प्रतिबद्धता और जनता की भावनाओं का सम्मान है। मैं आप सभी से अपील करती हूं आइये हम सभी मिलकर इस एक नेक पहल में अपनी सहभागिता निभाएं और इसे अपना समर्थन दें ताकि हमारा भारत सशक्त, समृद्ध और विकसित बन सके।

एनएच में एक्सपांशन प्वाइंट पर जल भराव की समस्या, दुर्घटना की आशंका बढ़ी

कोरबा, 20 अप्रैल। कटघोरा से अंबिकापुर मार्ग पर स्थित नेशनल हाइवे 130 में गुरसिया पर हादसे का दौर जारी है। एक्सपांशन प्वाइंट में सीपेज के कारण आए ब्रेक के चक्कर में कई प्रकार की दिक्कतें खड़ी हो रही है। एक दिन पहले हुई बारिश से यहां जल भराव के कारण वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

काफी समय से एनएच पर यह समस्या कायम है। इसकी सुधार के लिए दावे हो रहे हैं लेकिन हालात जस के तस हैं। हल्की बारिश ने ही सडक की जर्जर स्थिति की पोल खोल दी है। अगर यही हाल गर्मी में है तो मानसून में हालात कितने भयावह होंगे, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। सडक के कई हिस्से बुरी तरह डेमेज हो चुके हैं, जिससे रोजाना दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। शुक्रवार को एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर सडक के बीचोंबीच टेढ़ा हो गया, जिससे कई घंटों तक जाम की स्थिति बनी रही। ट्रेलर को साइड में किए जाने के बाद ही यातायात सुचारू हो सका। विशेष रूप से पोड़ी उपरोड़ा के समीप लाल घाट के पास हर साल बरसात में पानी भर जाने की समस्या सामने आती है। पानी भरने से सडकों पर जाम लग जाता है, और कई बार गंभीर दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। हैरानी की बात यह है कि इस बार गर्मी की पहली ही बारिश में यहां पानी भर गया, जिससे स्थिति फिर तनावपूर्ण हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, यहां बनी दीवार के नीचे जल निकासी के लिए बनाए गए छेद पूरी तरह से कचरे से जाम हो चुके हैं। यदि समय रहते इन छेदों की सफाई कर दी जाए, और जरूरत पडने पर उन्हें बड़ा आकार दे दिया जाए, तो पानी की निकासी की समस्या काफी हद तक हल हो सकती है। जनता की मांग है कि प्रशासन जल्द से जल्द सडक मरम्मत और जल निकासी व्यवस्था पर ध्यान दे, ताकि मानसून के पहले ही यह क्षेत्र एक बार फिर से जानलेवा ट्रैफिक जाम और हादसों की चपेट में न आ जाए।

एक नजर

14 लीटर अवैध शराब के साथ महिला गिरफ्तार

कोरबा, 20 अप्रैल। नशामुक्त समाज की स्थापना को लेकर न केवल बात की जा रही है बल्कि काम भी हो रहा है। ऐसी एक सूचना पर कटघोरा पुलिस ने छूरीकला में दबिश दी। एक महिला के कब्जे से 14 लीटर अवैध शराब जब्त की गई। उसके विरुद्ध एक्साइज एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। कटघोरा थाना प्रभारी धर्म नारायण तिवारी ने बताया कि रावणभाटा इलाके में हमने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। कुछ व्यक्तियों की हरकत से इस इलाके को मदहोश करने की कोशिश की जा रही थी। गुपचुप तरीके से ऐसे कार्यों को अंजाम दिया जा रहा था जिन में शराब बनाने और बेचने की शिकायत आम थी। खबर मिली की नर्मदा देवांगन नामक महिला ऐसे काम में जुड़ी हुई है और उसकी हरकत के कारण माहौल खराब हो रहा है। सूचना की पुष्टि करने के बाद एक टीम के साथ यहां कार्रवाई की गई। मौके से 14 लीटर अवैध शराब मिली है। श्रीमती देवांगन को लेकर पता चला कि वह कुछ समय से इस काम को कर रही थी। आसपास के लोगों ने उसे समझाने का प्रयास किया लेकिन कोई असर नहीं हुआ। थाना प्रभारी ने बताया कि अवैध कार्य को लेकर पुलिस की नीति स्पष्ट है। ऐसे किसी भी मामले में त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

कोयला से लदे ट्रेलर में अचानक लगी आग

कोरबा, 20 अप्रैल। जिले के दीपका थाना क्षेत्र में एक बड़ा हादसा टल गया। कोयला लदे एक ट्रेलर में अचानक आग लग गई। घटना दीपका खदान से गौरव पथ रोड की तरफ जाते समय की है। ट्रेलर से धुआं निकलता देख राहगीरों ने वाहन चालक को रोकने का प्रयास किया। तेज रफ्तार के कारण वाहन काफी दूर जाकर रुका। चालक को आग की जानकारी मिलते ही उसने कंपनी को सूचित किया। मौके पर पानी टैंकर बुलाकर आग पर काबू पाया गया। यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई बार कोयला लदी मालगाड़ी और ट्रेलर में आग लगने की घटनाएं हो चुकी हैं। खदान में लोडिंग के दौरान बरती जा रही लापरवाही इस तरह की घटनाओं का मुख्य कारण है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए परिवहन विभाग को नियमित निगरानी करनी चाहिए। चैराहों पर वाहनों की जांच बढ़ाई जानी चाहिए। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि भविष्य में कोई बड़ी दुर्घटना न हो।

मदनपुर-केराकछार में धान व मूंगफली की फसलों को हाथियों के दल ने रौंदा

कोरबा, 20 अप्रैल। वनमंडल कोरबा के कुदमुरा रेंज के कक्ष क्रमांक 1139 में विगत दो दिनों से डेरा डालकर ग्रामीणों व वन अमले को परेशान करने वाले 39 हाथियों का दल अब पसरखेत, केराकछार, छिंदकोना होते हुए कोरकोमा जंगल पहुंच गया है। हाथियों के दल ने यहां पहुंचने से पहले रास्ते में मदनपुर व केराकछार में 9 ग्रामीणों के खेतों व बाड़ी में लगे धान व मूंगफली के पौधों को तहस-नहस कर दिया जिससे संबंधित ग्रामीणों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। ग्रामीणों को हाथियों के क्षेत्र में आने तथा फसल रौंदे जाने की जानकारी आज सुबह तब लगी जब वे फसल को देखने खेतों में पहुंचे तो उसे तहस-नहस पाया। खेतों में हाथियों के पैरों के निशान थे, उन्हें यह समझने में देर नहीं लगी कि हाथियों ने उनकी मेहनतों पर पानी फेर दिया है। पीडित ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी जिस पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी आज सुबह मौके पर पहुंचकर हाथियों द्वारा किए गए नुकसानी का आंकलन शुरू कर दिए हैं। डिप्टी रेंजर केशरवानी ने बताया कि वर्तमान में हाथियों का दल कोरकोमा जंगल में विचरण कर रहा है जिसकी निगरानी अमले द्वारा लगातार की जा रही है। कोरकोमा व आसपास के गांव में मुनादी कराकर ग्रामीणों को सतर्क किया जा रहा है। उन्हें बड़ी संख्या में हाथियों के क्षेत्र में आने की सूचना देते हुए हाथियों तथा जंगल से दूरी बनाए रखने की चेतावनी दी जा रही है।

अछोली में पोषण पखवाड़ा पर परियोजना स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नपाध्यक्ष ने स्वास्थ्य,पोषण का संदेश दिया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़, 20 अप्रैल। महिला एवं बाल विकास विभाग एकीकृत बाल विकास परियोजना डोंगरगढ़ के द्वारा पोषण पखवाड़ा के अवसर पर परियोजना स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन अछोली के गोंडवाना भवन में किया गया, ज्ञात हो कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 8 अप्रैल से 22 अप्रैल तक पोषण पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है जिसका उद्देश्य है पोषण जागरूकता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना महिला एवं बाल विकास विभाग में पोषण जागरूकता को बढ़ावा देने स्वास्थ्य परिणाम में सुधार लाने और समुदायों को सशक्त बनाने के लिए पोषण पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है इसमें प्रमुख है विज्ञान और परंपरा के मेल से बच्चों और महिलाओं के बीच पौष्टिक आहार के सेवन और खानपान की आदतों में उचित सुधार के लिए जागरूकता फैलाना और समुदाय को भी शामिल करते हुए कुपोषण मुक्त समाज का लक्ष्य प्राप्त करना इसके अंतर्गत प्रथम 1000 दिवस जिसमें गर्भावस्था से लेकर बच्चों के जन्म के पश्चात 2 वर्ष तक की अवधि में उचित तरीके से देखरेख को बढ़ावा देना क्योंकि उनका मस्तिष्क और शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली इस महत्वपूर्ण समय में विकसित हो रही होती है, छोटे बच्चों में बढ़ता हुआ मोटापा पोषण ट्रैकर एप के माध्यम से वृद्धि निगरानी एवं कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन और वजन अनुश्रवण समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए करना शामिल है, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रमन डोंगर नगरपालिका अध्यक्ष शामिल हुए, उन्होंने जागरूकता अभियान की सराहना करते हुए स्वास्थ्य एवं पोषण का संदेश देते हुए आंगन बाड़ी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया, इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की सभापति, जनपद सदस्य सीमा साहू, नगर पालिका में मबावि की सभापति रेखा राघोत्रे, वार्ड पार्षद सुश्री शिवांगी साखरे सुरेखा साखरे शारदा यादव बबीता मालागर मेनका कंडरा आदि जनप्रतिनिधियों ने अपनी गरिमामई उपस्थिति प्रदान कर लोगों को प्रेरित किया, आभार प्रदर्शन सीडीपीओ सुश्री सरोजा अयंगार द्वारा किया गया, कार्यक्रम में समस्त पर्यवेक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया, आंगन बाड़ी केंद्र के बच्चों ने पोषण वॉक करके सुंदर संदेश दिया, महिलाओं ने पोषण रंगोली बनाई एवं पोषक व्यंजन एवं सलाद बनाकर सहभागिता की, सभी के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई थी।

शहर में बिक रही खुलेआम शराब, भट्ठी खुलने का हुआ विरोध

■ अवैध शराब बिक्री पर डोंगरगढ़ पुलिस की कार्रवाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़, 20 अप्रैल। धर्मनगरी डोंगरगढ़ के कई वार्डो सहित होटलो में मदिरा प्रेमियो को खुलेआम शराब परोसने का का कार्य बेधड़क किया जा रहा है वही राज्य शासन के द्वारा चिह्ने मार्ग पर सरकारी भठ्ठी खुलने के फरमान के बाद मदिरा प्रेमियों में खुशी आई थी परंतु जैन समाज के विरोध के बाद भट्ठी खुलने में रोक सा लग गया जिससे मदिरा प्रेमियों के जेब से अधिक पैसों में शराब लेना मजबूरी सी बन गई जिससे कई प्रकार के सवाल खड़े होने लगे है. वही पुलिस द्वारा शिकायत पर समय समय पर कार्यवाही की जा रही है तो आबकारी विभाग कुम्भकर्णी नींद में नजर आ रहा है. इसी क्रम मे 18 अप्रेल को डोंगरगढ़ पुलिस को ईश्वर यादव नामक व्यक्ति छोटी बम्लेश्वरी मंदिर पास स्थित अपने घर के सामने अत्यधिक मात्रा में शराब रखकर अवैध रूप से शराब बिक्री कर रहा है कि सूचना पर डोंगरगढ़ पुलिस मौके पर पंहूचकर रेड कार्यवाही कर आरोपी के घर पिछे से एक सफेद रंग की बोरी में रखे 39 पौवा रोमियो देषी मदिरा प्लेन शराब प्रत्येक पौवा में 180-180 एम0एल0 शराब भरा हुआ शीलबंद कुल मात्रा- 7.020 बल्क लीटर किमती- 3120/-रू0 जप्त कर आरोपी के विरूद्ध धारा- 34(2) आबकारी एक्ट का अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। आरोपी आतदन अपराधी है इसके पूर्व आरोपी के विरूद्ध थाना डोंगरगढ़ एव बोरतलाब में आबकारी अधिनियम एवं अन्य धराओं के तहत अपराध दर्ज है। आगे भी डोंगरगढ़ पुलिस का अवैध शराब बिक्री पर कार्यवाही जारी रहेगी।

चाकू लेकर लोगों को डराने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव, 20 अप्रैल। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव मोहित गर्ग (भापुसे) के मार्गदर्शन पर अति0 पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा एवं नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक के दिशा निर्देश पर थाना प्रभारी एमन साहू के नेतृत्व में अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु असमाजिक एवं अपराधिक प्रवृत्ति के विरूद्ध थाना बसंतपुर पुलिस द्वारा लगातार विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है इसी कड़ी में विशेष अभियान के तहत् 03 आरोपीगणो के विरूद्ध आर्म्स एक्ट के तहत् कार्यवाही कर आरोपीगणो को जेल भेजा गया।

घटना का संक्षिप्त विवरणः- इस प्रकार है कि दिनांक 19.04.2025 को सूचना प्राप्त हुआ कि एक ब्लू डायमंड कॉलोनी के पास मोहारा रोड, दिग्विजय कॉलेज के पास सागरपारा एवं बांस डिपो के पास राजनांदगांव आम स्थान पर हाथ में धारदार चाकू रखकर व लहरा कर आने जाने वाले आमजन को डरा धमका कर भयभीत कर रहा है, कि सूचना पर निरीक्षक एमन साहू थाना प्रभारी थाना बसंतपुर के नेतृत्व में पृथक-पृथक टीम गठित कर कार्यवाही हेतु रवाना किया गया है। गठित टीम द्वारा अलग-अलग स्थानो से आरोपी वंश यादव, प्रदीप पटेल एवं रितेश यादव उर्फ लारो को धारदार चाकू लहराते हेतु रंगे हाथो पकडा गया। आरोपीगणो के कब्जे से लोहे का धारदार चाकू जप्त कर आरोपीगणो के विरूद्ध आर्म्स आर्म्स एक्ट के तहत् कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। माननीय न्यायालय से आरोपी का जेल वारंट प्राप्त होने उपरान्त आरोपी को जिला जेल राजनांदगांव में दाखिल किया गया। उपरोक्त सभी आरोपीगण आदतन बदमाश प्रवृत्ति के है, जिनके विरूद्ध पूर्व में थाना बसंतपुर में अपराधिक प्रकरण दर्ज है।

उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक एमन साहू, उप निरीक्षक नरेश सार्वा, सउनि गोवर्धन देशमुख, प्र0आर0 विनोद जाटव, राजेश परिहार, आरक्षक प्रवीण मेश्राम, आशीष मानिकपुरी, रूपेन्द्र वर्मा, राजेश बन्देश्वर एवं रामचरण साहू का की अहम भूमिका रही। आरोपियों के नाम वंश यादव पिता बसंत यादव उम्र 19 साल सा0 यादवपारा नंदई थाना बसंतपुर जिला राजनांदगांव, प्रदीप पटेल पिता स्व0 जोहन पटेल उम्र 25 साल निवासी सागरपारा राजनांदगांव थाना बसंतपुर जिला राजनांदगांव, रितेश यादव उर्फ लारो पिता शिव यादव उम्र 19 साल निवासी यादवपारा नंदई थाना बसंतपुर जिला राजनांदगांव है।

रामपुर में 'नीर और नारी' अभियान को मिला जनसमर्थन

संगठित महिलाओं के काम से परिवार, गांव और देश सब मजबूत होते हैं : फुलबासन

■ कलश यात्रा निकाली गई, सभा में उठी जल संरक्षण की अलख

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगांव, 20 अप्रैल। जनपद पंचायत डोंगरगांव अंतर्गत ग्राम रामपुर में शनिवार को 'नीर और नारी' जल संरक्षण अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान की शुरुआत कलश यात्रा से हुई, जिसमें ग्रामीण महिलाओं सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इसके बाद आयोजित जनसभा में जल संरक्षण और नारी सशक्तिकरण पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने कहा कि भूमिगत जलस्तर लगातार गिर रहा है, जो चिंता का विषय है। इसके लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। राजनांदगांव सांसद संतोष पांडेय ने भी जलसंरक्षण को जन आंदोलन बनाने की बात कही। अभियान का नेतृत्व पद्मश्री फुलबासन यादव ने किया। उन्होंने कहा, नारी में समाज बदलने की ताकत है। जब महिलाएं संगठित होकर काम करती हैं तो परिवार, गांव और देश सब मजबूत होते हैं।

कार्यक्रम में जनपद उपाध्यक्ष मनीष कुमार साहू, ग्राम सरपंच यतीश सिन्हा, जिला पंचायत सीईओ सुरुचि सिंह, जनपद सीईओ अमिय श्रीवास्तव की अहम भूमिका रही।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक खूबचंद पारख, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव, भाजपा प्रदेश महामंत्री भरत वर्मा, जिलाध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष दिनेश गांधी, भाजपा जिला महामंत्री सौरभ कोठारी और रविन्द्र वैष्णव, जिला पंचायत सदस्य जागृति यदु, मंडल प्रमुख डॉ. नीरेंद्र साहू, भुवन साहू, दीना पटेल, राजू यादव, रामकुमार गुप्ता, लक्ष्मीनारायण गुप्ता, रेशमा साहू, उमेश साहू, गेंदा बाई, ममता पटेल, जया साहू, दीपक पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल रहे।

सभा के अंत में सभी ने जल और नारी सम्मान की शपथ ली और इस अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

पर्यावरण के लिए सितारे भी हुए सजग

मुंबई, अप्रैल 2025ः हर साल 22 अप्रैल को वर्ल्ड अर्थ डे मनाया जाता है ताकि प्रकृति को पुनर्जीवित करने और भविष्य के लिए एक स्वस्थ ग्रह बनाने के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाई जा सके। इस मौके पर एण्डटीवी की अभिनेत्रियों ने पर्यावरण और संसाधनों की रक्षा के लिए अपनाए गए अपने तरीके और सुझाव साझा किए। इनमें शामिल हैं- स्मिता सेबल (धनिया, भीमा), हिमानी शिवपुरी (कटोरी अम्मा, हप्पू की उलटन पलटन) और शुभांगी अत्रे (अंगूरी, भाबीजी घर पर हैं)। स्मिता सेबल, जो 'भीमा' में धनिया की भूमिका निभा रही हैं, कहती हैं, "मैं हमेशा से एक सादगीपूर्ण और टिकाऊ जीवन में विश्वास रखती आई हूं। हमारे घर में हम कचरे को अलग-अलग करने और रसोई के कचरे से जैविक खाद बनाने की प्रक्रिया अपनाते हैं, जिससे हमारे छोटे से घर के बगीचे को पोषण मिलता है। मैं कपड़े के थैले इस्तेमाल करना पसंद करती हूं और अपने बेटे को भी स्कूल और घर में प्लास्टिक से बचने के लिए प्रेरित करती हूं। मेरा मानना है कि हर छोटा कदम मायने रखता है, और अगर हम सब थोड़ा-थोड़ा योगदान दें, तो बड़ा असर हो सकता है। इस अर्थ डे पर आइए हम सब मिलकर पर्यावरण की रक्षा करने का संकल्प लें और अगली पीढ़ी को भी इसके लिए प्रेरित करें।" 'हप्पू की उलटन पलटन' की कटोरी अम्मा, ऊर्फ हिमानी शिवपुरी ने बताया, ''मैं देहरादून से आती हूँ और वह शहर पहाड़ियों और प्राकृतिक सुंदरता के बीच बसा है। ऐसे माहौल में परवरिश होने के कारण पर्यावरण से मुझे गहरा प्यार और आदर है। मैंने हाल ही में उत्तराखण्ड में अपने पैतृक गांव को गोद लिया है, ताकि उस धरती के लिये कुछ कर सकूं, जहाँ मेरा बचपन बीता। मैंने वहाँ टेरेस फार्मिंग का प्रचार किया है, जो कि एक महत्वपूर्ण पहल है। पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण टेरेस फार्मिंग संवहनीय होने के साथ-साथ मिट्टी के कटाव को रोकने और जमीन का सक्षम तरीके से इस्तेमाल करने का एक आदर्श तरीका है। खेती की इस पर्यावरण के अनुकूल तकनीक में ग्रामीणों की रुचि देखकर मुझे बड़ी खुशी हुई। स्थानीय कृषि को बढ़ावा देकर हम पहाड़ियों से शहरी क्षेत्रों की ओर लोगों का पलायन कम कर सकते हैं और ग्रामीण जीवन की आत्मनिर्भरता का उत्साह लौटा सकते हैं। इस अर्थ डे पर मैं सभी से आग्रह करती हूँ कि वे अपनी जड़ों से जुड़ें , संवहनीय पद्धतियों में सहयोग करें और सार्थक कदम उठायें। यह कदम चाहे जितने छोटे हों, हमारे ग्रह की सुरक्षा और पोषण के लिये काम ही आएंगे।'' भाबीजी घर पर हैं की अंगूरी, ऊर्फ शुभांगी अत्रे ने बताया, ''ऑर्गेनिक खेती के फायदे जानने के बाद मैंने एक फ्रूट फार्म पर काम शुरू किया और महाराष्ट्र में अपने फार्महाउस पर अमरूद, चीकू, आम, कटहल और जामुन उगाये। खेती ने प्रकृति के साथ मेरे जुड़ाव को गहरा किया है और जब भी मेरी शूटिंग नहीं होती है, मैं खेती में ही ज्यादातर वक्त बिताती हूँ। सच कहूं, तो ऑर्गेनिक खेती कोई नई चीज नहीं है। हमें दशकों पुराने खेती के तरीके पर ही लौटना होता है और हानिकारक रसायनों या कीटनाशकों के इस्तेमाल से बचना होता है। इस अर्थ डे पर मेरा लोगों से कहना है कि वे ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगायें और ऑर्गेनिक खेती करें।''

एण्डटीवी पर इस हफ्ते होगा ड्रामा और कॉमेडी का मेल!

एण्डटीवी पर इस हफ्ते जबरदस्त ड्रामा और हंसी से भरपूर कहानियों का आनंद उठाने के लिये तैयार हो जाईये। 'भीमा' में एक नकली अनुष्ठान के कारण भावनाओं का तूफान उठता है और एक चौंकाने वाली गुमशुदगी सामने आती है। वहीं, 'हप्पू की उलटन पलटन' में एक गुप्त तहखाने की शरारत उलटी पड़ जाती है और हालात और भी मज़ेदार हो जाते हैं। इस बीच, 'भाबीजी घर पर हैं' में उस समय भूतिया ट्विस्ट आ जाता है, जब विभूति की योजना पर पानी फिर जाता है और एक रहस्यमयी औरत का आगमन होता है। एक्शन, कॉमेडी और सरप्राइज से भरपूर एपिसोड्स देखना न भूलें। 'भीमा' के आगामी एपिसोड्स में कहानी एक नए मोड़ पर पहुँचने वाली है, जो दर्शकों को भावनाओं और संघर्ष की गहराई में ले जाएगी। कालिका (त्रिपुरारी यादव) चालाकी से एक ऐसी स्थिति रचता है, जिसमें एक परेशान जोड़े को भीमा (तेजस्विनी सिंह) के पास भेजा जाता है और उस जोड़े की महिला भीमा से विनती करती है कि वह एक खास पूजा करके उसके पति को कथित भूत-प्रेत से मुक्त करे। परिवार और समाज के दबाव के बीच, भीमा अंदर से काफी उलझन में होती है लेकिन मजबूरी में पूजा करने के लिए तैयार हो जाती है। इसी बीच कैलाशा बुआ (नीता मोहिंद्रा) उसे गांव छोड़ने की धमकी देती है और कहती है कि अगर उसने बात नहीं मानी, तो उसके साथ सख्ती और बढ़ेगी। हालात तब और बिगड़ जाते हैं जब भीमा को पता चलता है कि विधायक ने उसके पिता को थप्पड़ मारा है। यह खबर उसे अंदर से तोड़ देती है। परिवार पर गांव छोड़ने का भारी दबाव पड़ने लगता है।

उर्मिला शर्मा ने क्यों की 40 की उम्र में अपने एक्टिंग कॅरियर की शुरुआत

उर्मिला शर्मा हाल ही में एण्डटीवी के शो 'हप्पू की उलटन पलटन' में एंट्री की और वह दरोगा हप्पू सिंह (योगेश त्रिपाठी) की सास अवधेशिया का किरदार निभा रही हैं। वह टेलीविजन पर कोई आम टैलेंटेड चेहरा नहीं है, बल्कि उन्होंने साबित किया है कि अपने सपनों को पूरा करने में उम्र कभी बाधा नहीं बन सकती। उर्मिला की खामोशी में ताकत और दृढ़ संकल्प छुपा है। स्क्रीन तक उनका सफर आसान नहीं रहा, बल्कि उसमें हिम्मत, त्याग और उनके परिवार का अटूट सहयोग भी शामिल है।

एक्टिंग में आने के अपने जज्बाती सफर पर बात करते हुए, उर्मिला शर्मा, ऊर्फ अवधेशिया ने कहा, ''मेरी शादी 17 साल की उम्र में हो गई थी और मैं जल्दी ही माँ भी बन गई। एक्टिंग करना हमेशा से मेरा सपना था, लेकिन मुझे नहीं पता था कि इंडस्ट्री में कैसे काम होता है। मेरे पास कोई अनुभव और बैकग्राउंड भी नहीं था। लेकिन कहीं न कहीं खुद से कुछ करने की इच्छा हमेशा मेरे अंदर थी। जिन्दगी जिम्मेदारियों से भरी रही, लेकिन 40 की उम्र तक आते-आते मैंने हिम्मत जुटाई और 2006 में खुद ही मुंबई आ गई, ताकि एक्टिंग में अपनी किस्मत आजमा सकूं। वह फैसला आसान नहीं था और अपने बच्चों को पीछे छोड़ना मुझे सबसे ज्यादा दर्द देने वाला था। लेकिन मेरे पति एक चट्टान की तरह मेरे साथ खड़े रहे, तब भी जब दूसरे लोग यह कहकर मेरा मनोबल तोड़ने की कोशिश किया करते थे कि, ''अब बहुत देर हो चुकी है, एक्टिंग कोई प्रैक्टिकल सपना नहीं है''। मुझे पता नहीं था कि कहाँ से शुरूआत करूं, लेकिन मैंने एक साधारण-सा पोर्टफोलियो बनाया और मेरे पास वही था, जब मैंने ऑडिशंस देना शुरू किया। धीरे-धीरे मुझे कुछ मौके मिलने लगे। मेरा पहला प्रोजेक्ट था एक भोजपुरी एलबम सॉन्ग और मुझे आज भी याद है कि सेट पर मैं कितनी नर्वस थी। मुझे बंगाल के बंगाली सीरियल्स में रोल मिलने लगे और इस तरह मुझे आगे बढ़ते रहने का आत्मविश्वास मिला। मुंबई में मेरी निभाई हर भूमिका और हर दिन आज के इस पल के लिये महत्वपूर्ण रहा, जब मुझे मेरी कला के कारण देखा और महत्व दिया जाता है। अपने सफर को याद करते हुए, उन्होंने आगे कहा, ''अपने बच्चों से दूर होने का दर्द अब भी मुझे सताता है, लेकिन मैं जानती थी कि मैं यह अपने और उनके लिये ही कर रही हूँ। मैं उन्हें दिखाना चाहती थी कि सपने कभी भी देखे जा सकते हैं। आज जब मैं 'हप्पू की उलटन पलटन' के सेट पर कदम रखती हूँ, तब सोचती हूँ कि अकेले बिताये वह साल, आंसू, रिजेक्शन और रातों का जागना काम आया। आज मुझे खुद पर गर्व है। जो भी महिला समझती है कि अब बहुत देर हो चुकी है, उसे हार नहीं माननी चाहिये। जिन्दगी में कोई डेडलाइन नहीं होती है। आपके सपने मायने रखते हैं, आपकी इच्छाओं का महत्व होता है और अगर आपके पास आप पर भरोसा करने वाला एक इंसान भी है, तो पहला कदम उठाना ही काफी होगा।''

शबीर अहलुवालिया सोनी सब के आगामी पारिवारिक रोमांटिक कॉमेडी शो 'उफ्फ...

अपने खुशनुमा और पारिवारिक मनोरंजन के लिए लोकप्रिय चैनल, सोनी सब ने अपने आगामी रोमांटिक कॉमेडी शो 'उफ्फ... ये लव है मुश्किल' का दिलचस्प टीज़र जारी कर दिया है। यह शो ह्यूमर

और भावनाओं का ताज़ा मिश्रण पेश करता है, और पारिवारिक जीवन की हलचल के बीच प्यार के परिवर्तनकारी ताकत को दर्शाता है। टेलीविज़न के चहेते स्टार शबीर अहलुवालिया इस अनोखे शो में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। टीज़र से ही यह साफ हो जाता है कि शबीर कुछ नया और अलग करने की चाह में हैं, और उन्हें यह नया अभूतपूर्व अवतार मिल भी गया है। जहां अब तक वे अधिकतर नैतिक और 'आदर्श' किरदारों के लिए जाने जाते थे, वहीं इस बार शबीर अपनी पारंपरिक छवि को तोड़ते हुए एक अतरंगी, अप्रत्याशित और थोड़ा-सा गड़बड़ किरदार निभा रहे हैं। उनके फैंस लंबे समय से किसी नई और ताज़ा कहानी में उनकी वापसी का इंतज़ार कर रहे थे, और अब उन्हें मिलने वाला है एक खास तोहफा। 'उफ्फ... ये लव है मुश्किल' न सिर्फ शबीर के करियर का एक दमदार नया अध्याय है.

सोनी सब के 'पुष्पा इम्पॉसिबल' में अदालत में याचिका और चौंकाने वाले खुलासों से चॉल में भूचाल

सोनी सब का लोकप्रिय शो 'पुष्पा इम्पॉसिबल' अपनी प्रेरणादायक और दिल को छू लेने वाली कहानी के माध्यम से दर्शकों का दिल जीत रहा है। करुणा पांडे ने मुख्य किरदार पुष्पा को निभाया है और उसकी अडिग इच्छाशक्ति, हिम्मत और आत्मसम्मान इस शो की आत्मा है। हाल ही के एपिसोड्स में राशि (देशना दुग्गड़) और अर्जुन शेखावत (तन्मय नागर) के बीच बढ़ती नजदीकियां कहानी में एक नया भावनात्मक पहलू जोड़ती हैं। राशि, बादशाह (हितुल पुजारा) से अर्जुन के प्रति अपने जज़्बात ज़ाहिर करती है, जिससे बादशाह का दिल टूट जाता है। आगामी एपिसोड्स में दर्शक देखेंगे कि पुष्पा एक गंभीर चुनौती का सामना करती है, जब वह पूरे दिल से अदालत में चॉल की लीज़ बढ़ाने की गुहार लगाती है। वह बीमार दिलीप (जयेश मोरे), परीक्षा दे रहे छात्रों और बेसहारा बुजुर्गों की ज़रूरतों को मजबूती से सामने रखती है। हालात उसके पक्ष में जाते दिख रहे होते हैं, तभी शंभु

शेखावत (सुकेश आनंद) एक बड़ा खुलासा करते हैं। वह अदालत में राशि और अर्जुन की कुछ तस्वीरें पेश करते हैं, जिससे पुष्पा स्तब्ध रह जाती है और एक अप्रत्याशित सच उजागर होता है। अब जब बेटी का छिपा रिश्ता सबके सामने आ गया है और पुष्पा की साख दांव पर लग गई है—क्या वह अब भी चॉल को बचा सकेगी? शो में पुष्पा की भूमिका निभा रहीं अभिनेत्री करुणा पांडे ने कहा, "पुष्पा भी उन्हीं महिलाओं में से एक है जो हमेशा दूसरों को अपने से पहले रखती हैं—चाहे बीमार हों, बच्चे हों या बुज़ुर्ग। और जब लगता है कि चीज़ें सुधर रही हैं.

कलाकारों को अपने पेट्स से मिलता है दोस्ती और सुकून का एहसास

पेट्स सिर्फ जानवर नहीं होते हैं, बल्कि यह बेजुबान हमारा उत्साह बढ़ाते हैं, तनाव खत्म करते हैं और ऐसे साथी होते हैं, जिन्हें केवल प्यार चाहिये। नेशनल पेट डे पर एण्डटीवी के कलाकार उस निस्वार्थ प्यार और वफादारी पर बात कर रहे हैं, जो कि उन्हें अपने फरी फ्रेंड्स से अपनी जिन्दगी में मिली है। यह कलाकार हैं तेजस्विनी सिंह (भीमा, 'भीमा'), हिमानी शिवपुरी (कटोरी अम्मा, 'हप्पू की उलटन पलटन') और विदिशा श्रीवास्तव (अनीता भाबी, 'भाबीजी घर पर हैं')। भीमा में मुख्य भूमिका निभा रहीं तेजस्विनी सिंह ने बताया, ''बचपन से ही डॉग्स के लिये मेरे दिल में एक खास जगह है। मैं अक्सर अपने पैरेंट्स से एक पेट लाने के लिये कहती थी, लेकिन मेरी इच्छा को किस्मत ने पूरा किया। कुछ महीने पहले मैं वॉक कर रही थी और एक छोटा-सा, लेकिन जोश से भरा स्ट्रे पपी मेरी ओर आया। उसकी आँखों में बहुत चमक थी और वह बड़े प्यार से मेरे पैर से लिपट गया, मानो कह रहा हो कि 'मुझे घर ले चलो!' यहाँ से हमारा रिश्ता शुरू हुआ। मैंने उसका नाम टाइसन रखा, क्योंकि वह चुलबुला और निडर है। हम घंटों तक इधर-उधर दौड़ लगाते रहते, खिलौनों से खेलते और एक-दूसरे के साथ हमें बड़ा मजा आता। आखिरकार मैं उसे अपने घर ले आई। आज वह सिर्फ मेरा पालतू नहीं, बल्कि एक दोस्त है और मेरा पूरा परिवार उससे प्यार करता है। कभी-कभी तो मुझे लगता है कि उसे मुझसे ज्यादा प्यार मिलता है!'' 'हप्पू की उलटन पलटन' में कटोरी अम्मा की भूमिका निभा रहीं हिमानी शिवपुरी ने बताया, ''पेट्स हमारी जिन्दगी को रोशन करने का एक जादुई तरीका हैं। वे जब पूंछ हिलाते हैं या हमसे प्यार करते हैं, तो हमारा मूड तुरंत अच्छा हो जाता है। जानवरों के लिये मेरा प्यार देहरादून में बिताए गए मेरे बचपन से ही शुरू हो गया था। मैं हर तरह के पेट्स के बीच पली-बढ़ी, जैसे कि बिल्ली, डॉग्स और पक्षी। मेरे पिता को सभी प्राणियों के प्रति गहरा प्यार और आदर था और उन्होंने यह

भावना मुझे भी दी। वह अक्सर कहा करते थे कि जानवरों का प्यार सबसे पवित्र होता है। अपने पिता को निस्वार्थ भाव से जानवरों की देखभाल करते देखने का मुझ पर बड़ा असर हुआ। बचपन से ही जानवरों से प्यार करने का आज भी मेरे जीवन पर प्रभाव है। मुंबई में जिन्दगी ज्यादा व्यस्त है और जगह भी सीमित है, लेकिन जानवरों के लिये मेरा प्यार कम नहीं हुआ है। 'हप्पू की उलटन पलटन' के सेट पर मैं छह साल से ज्यादा समय से स्ट्रे डॉग्स की देखभाल कर रही हूँ। मैंने उनके नाम जेनी, टाइगर और स्कॉटी रखे हैं और वह हमारे परिवार का अटूट हिस्सा बन चुके हैं।

मैं सुनिश्चित करती हूँ कि उन्हें रोजाना पूरा खाना मिले, विपरीत मौसम में भी उनके रहने के लिए एक सही स्थान हो और जरूरत होने पर बेसिक मेडिकल केयर भी उन्हें मिल जाए। घर पर भी मैं दो स्ट्रे डॉग्स की नियमित देखभाल करती हूँ और वह रोजाना मेरे पास आते हैं। हर रविवार को मैं उनके लिये खास खाना बनाती हूँ, जिसमें ओट्स, शक्करकंद, अंडे, चावल और मीट होता है। उनकी वफादारी, मासूमियत और उनसे मिलने वाली तसल्ली मुझे निस्वार्थ और पवित्र प्यार का अनुभव देती है।''

तेनाली रामा के आगामी ट्रैक पर बोले कृष्णा भारद्वाज

सोनी सब का तेनाली रामा दर्शकों को अपने दिलचस्प किस्सों से लगातार बांधे हुए है, जिसमें प्रसिद्ध दरबारी कवि और कुशल रणनीतिकार तेनाली रामा की कहानी को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है। इस किरदार को शानदार तरीके से निभा रहे हैं प्रतिभाशाली अभिनेता कृष्णा भारद्वाज। हाल ही के एपिसोड्स में दर्शकों ने देखा कि किस तरह तेनाली रामा ने दरबार के तांत्रिक का पर्दाफाश किया, जिससे दरबार में हलचल और संदेह की स्थिति उत्पन्न हो गई।

आने वाले एपिसोड्स में रामा (कृष्णा भारद्वाज) और कृष्णदेवराय (आदित्य रेडिज) को पता चलता है कि केलाड़ी मिशन केवल ध्यान भटकाने की एक चाल थी, जबकि बहमनी गुप्त रूप से भूमिगत सुरंगों और प्रशिक्षित भेड़ियों के माध्यम से विजयनगर पर हमला करने की योजना बना रहे थे। अम्मा (निमिषा वखारिया) की सलाह पर रामा भेड़ियों के पीछे सुराग ढूंढ़ने के लिए एक विशेष सीटी बनाते हैं, जो ऐसी आवाज निकालती है जिसे केवल भेड़िए सुन सकते हैं। हालांकि, अम्मा अनजाने में सफाई करते समय उस सीटी से खेल बैठती हैं, जिससे भटकाए गए भेड़िए रामा के घर पहुंच जाते हैं। एक तनावपूर्ण मुठभेड़ में रामा उन भेड़ियों को फंसा लेते हैं और उनकी गर्दन पर लगे प्रतीक से असली साजिशकर्ता का पता लगाते हैं। बाद में वह अदालत में सबूतों को जोड़कर पूरी साजिश का खुलासा करते हैं, जिससे बहमनियों को एक बार फिर पीछे हटना पड़ता है।

क्या अंजनी देगी मारुति के लिए बलिदान?

सोनी सब का लोकप्रिय शो वीर हनुमान दर्शकों का दिल जीत रहा है, जिसमें बालक मारुति के अद्भुत रूपांतरण — एक जिज्ञासु बालक से दिव्य योद्धा हनुमान बनने की यात्रा — को भावनात्मक और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जा रहा है। यह शो पौराणिकता, एक्शन और भावना को सुंदरता से एक सूत्र में पिरोता है, जो इस कालजयी कथा को एक नई ऊर्जा और रंगत देता है। आन तिवारी बाल मारुति की भूमिका में, आरव चौधरी केसरी के रूप में, सायली सालुंखे अंजनी की भूमिका में और माहिर पांधी बालि व सुग्रीव के दोहरे किरदार में दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं। हाल ही के एपिसोड्स में दर्शकों ने देखा कि किस तरह बाली की मारुति की सिद्धियों के मार्ग को बाधित करने की योजना उल्टी पड़ जाती है — जब मारुति करुणा और विवेक का परिचय देते हुए हिंसा को अस्वीकार कर अपने पिता केसरी से कर्तव्य के बजाय सहानुभूति चुनने का आग्रह करता है। आने वाले एपिसोड्स में मारुति की यात्रा और भी ख़तरनाक मोड़ लेती है जब बालि, कालदंत को आदेश देता है कि वह मारुति को अगवा करके पाताल लोक ले जाए। कालदंत एक रहस्यमयी ग्रंथ के रूप में छिपकर मारुति को धोखे से तलातल लोक में फंसा

देता है। वहां मारुति अपनी अणिमा सिद्धि का प्रयोग करते हुए खुद को छोटा बनाकर कालदंत को भीतर से हराता है। लेकिन इस जीत की बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है — मारुति अपने असली रूप में वापस नहीं आ सकता। बदले की भावना से ग्रसित कालदंत, पातालकाली से शक्तियाँ प्राप्त कर, मारुति को शाप देता है कि वह तभी अपने वास्तविक रूप में लौट सकेगा जब उसकी माता अंजनी अपने प्राणों की आहुति दें। अब प्रश्न यह है — क्या अंजनी अपने पुत्र के लिए सर्वोच्च बलिदान देंगी या मारुति अपनी माँ के प्राणों की रक्षा के लिए सदैव बाल रूप में ही रहने का निर्णय लेंगे?

वर्ल्ड हेरिटेज डे पर कलाकारों ने भारत की अमूल्य विरासत को किया याद

वर्ल्ड हेरिटेज डे को 'अन्तर्राष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल दिवस' या 'इंटरनेशनल डे फॉर मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स' के रूप में भी जाना जाता है। हर साल 18 अप्रैल को वर्ल्ड हेरिटेज डे के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को हमारी सांस्कृतिक विरासत की संपन्नता के प्रति जागरूक करना और उन्हें इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित रखने की ज़रूरत को समझाना है। इस अवसर पर, एण्डटीवी के कलाकारों ने भारत के कुछ प्रतिष्ठित ऐतिहासिक स्थलों की अपनी सबसे यादगार यात्राओं के अनुभव साझा किए। इन कलाकारों में नीता मोहिन्द्रा ('भीमा' की कैलाशा बुआ), योगेश त्रिपाठी ('हप्पू की उलटन पलटन' के दरोगा हप्पू सिंह) और शुभांगी अत्रे ('भाबीजी घर पर हैं' की अंगूरी भाबी) शामिल हैं । नीता मोहिंद्रा उर्फ 'भीमा' की कैलाशा बुआ ने कहा, ''भारत की सांस्कृतिक खूबसूरती इसकी जीवंत और समृद्ध विरासत में रची-बसी है, और इसे भारत के ऐतिहासिक शहरों में खूबसूरती से अनुभव किया जा सकता है। मुझे जयपुर जाने का सौभाग्य मिला और वहां की समय से परे सुंदरता ने मुझे मंत्रमुग्ध कर दिया। गुलाबी बलुआ पत्थरों से बने भवनों के कारण प्रसिद्ध 'पिंक सिटी' सच में एक जीवंत संग्रहालय की तरह लगा। आमेर का किला अपने भव्य परकोटों, शीश महल की जादुई कांच की कलाकारी और अरावली की पहाड़ियों के शानदार नज़ारों के साथ वाकई अविस्मरणीय था। हवामहल की मधुमक्खी के छत्ते जैसी आकृति और सैकड़ों झरोखे, राजघरानों के जीवन और वास्तुकला की बेमिसाल खूबसूरती को दर्शाते हैं। सिटी पैलेस के आंगन, म्यूजियम और शाही डिज़ाइन राजस्थान की शान और विरासत को जीवंत करते हैं। लेकिन इन ऐतिहासिक इमारतों के साथ-साथ, वहां के लोग, उनकी परंपराएं, रंग-बिरंगे पहनावे और मेहमाननवाज़ी ने मेरी इस यात्रा को और भी खास बना दिया। जयपुर सिर्फ एक पर्यटन स्थल नहीं था, वह इतिहास में डूबने का एक अनुभव था, जो आज भी सांस लेता है।'' योगेश त्रिपाठी ऊर्फ 'हप्पू की उलटन पलटन' के दरोगा हप्पू सिंह ने कहा, '' भारत का हर स्मारक एक कहानी कहता है, और उन्हें देखना मानो इतिहास के पन्नों को पढने जैसा अनुभव है। मेरे जीवन का सबसे यादगार अनुभव आगरा स्थित ताजमहल की यात्रा का रहा। सात अजूबों में शामिल ताजमहल सिर्फ एक इमारत नहीं, बल्कि सदियों तक अमर रहने वाले प्रेम की एक बेमिसाल मिसाल है, जिसे शाहजहां ने अपनी पत्नी मुमताज़ महल की याद में बनवाया था। मैंने भी वहां जाकर वो मशहूर टूरिस्ट फोटो खिंचवाई जिसमें ताज के गुंबद को हाथों से थामते हैं- आज भी उस तस्वीर को देखकर चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। मुगल बागों में सुकून से टहलना और पानी की लहरों में ताजमहल का प्रतिबिंब देखना एक सपने जैसा अनुभव था। वहाँ का शांत और भव्य माहौल मन को छू गया। ताजमहल सिर्फ एक स्मारक नहीं, यह कला, प्रेम और भारत की मुग़ल विरासत का प्रतीक है। वहां जाकर मुझे अपने देश की सांस्कृतिक धरोहर पर गर्व महसूस हुआ।'' शुभांगी अत्रे ऊर्फ 'भाबीजी घर पर हैं' की अंगूरी भाबी ने कहा, ''आध्यात्म और भारतीय परंपराओं से जुड़ी होने के कारण, मेरी वाराणसी यात्रा मेरे लिए बेहद खास और भावुक अनुभव रही। वाराणसी को दुनिया के सबसे पुराने जीवित शहरों में से एक माना जाता है। यह शहर भक्ति, संस्कृति और प्राचीन ज्ञान का एक अनमोल संगम है। मुझे श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन और प्रार्थना करने का सौभाग्य मिला, जो भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक और सबसे पवित्र मंदिरों में गिना जाता है। मंदिर के अंदर की शुद्धता और आध्यात्मिक ऊर्जा ने मुझे शब्दहीन कर दिया। गंगा नदी में सूर्योदय के समय नौका विहार करना एक आत्मा को छू जाने वाला अनुभव था। जैसे-जैसे कोहरा छंटता और सूरज की किरणें आसमान को रंगतीं, घाटों पर सुबह की पूजा, मंत्रोच्चार और जीवन की लय शुरू हो जाती थी, यह दृश्य बेहद मनमोहक था। दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती को सैकड़ों लोगों के साथ देखना, एक ऐसा पल था जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। दीपों की रोशनी, मंत्रों की गूंज, और आरती की लय ने मन को आध्यात्म से भर दिया। वाराणसी की पुरानी गलियाँ, हर पत्थर में बसी कहानियाँ, और गंगा की लहरें-सब कुछ ऐसा लगता है जैसे यह शहर खुद एक जीवंत विरासत है। ऐसी जगहें हमें हमारी सांस्कृतिक धरोहर को समझने, अपनाने और उसे सहेजने की प्रेरणा देती हैं।''

'वागले की दुनिया' में सुमन बनीं सुगंधा मिश्रा की एंट्री ने मचाया बवाल

सोनी सब का शो वागले की दुनिया – नई पीढ़ी, नए किस्से अपने सटीक मध्यवर्गीय संघर्षों और दिल को छू लेने वाले पारिवारिक पलों के कारण लगातार दर्शकों का दिल जीत रहा है। इसी दुनिया में अब एंट्री ले रही हैं लोकप्रिय अभिनेत्री और कॉमेडियन सुगंधा मिश्रा, जो निभा रही हैं सुमन गढिया का किरदार। यह एक अल्हड़, बेहद नाटकीय और चालाक महिला, जिसे हर परिस्थिति को ड्रामा में बदलने की कला बखूबी आती है। सुमन यामिनी (मानसी जोशी) के साथ एक ड्रामा शो पर काम कर रही हैं। वह दावा करती हैं कि वह एक मध्यवर्गीय महिला का किरदार निभाने के लिए रिसर्च कर रही हैं और इसीलिए साईं दर्शन सोसायटी में अस्थायी रूप से रहना चाहती हैं। अपनी बातों और अदाओं से यामिनी को मना भी लेती हैं, लेकिन उसके इरादे बिल्कुल भी नेक नहीं हैं। आने वाले एपिसोड्स में दर्शकों को एक चौंकाने वाला मोड़ देखने को मिलेगा, जब सुमन एक सुनियोजित जाल में राजेश वागले (सुमीत राघवन) को फंसाते हुए उन पर अनुचित व्यवहार का झूठा आरोप लगा देती हैं। पूरे परिवार को यह घटना हिला कर रख देती है,

लेकिन वंदना (परिवा प्रणति) और सखी (चिन्मयी साल्वी) राजेश का पूरा साथ देती हैं, क्योंकि उन्हें राजेश के चरित्र और ईमानदारी पर पूरा विश्वास है। जैसे-जैसे हालात तनावपूर्ण होते जाते हैं, वागले परिवार इस सवाल से जूझता है — आखिर सुमन ने उन्हें ही क्यों निशाना बनाया? जल्द ही यह स्पष्ट होता है कि सुमन के इस झूठ के पीछे एक पुरानी रंजिश छिपी है। वह कौन सा राज़ छिपा रही है? और उसने राजेश की छवि खराब करने की साजिश क्यों रची है? यह जानने के लिए दर्शकों को यह रहस्य सुलझते देखना होगा।

सुमन की भूमिका निभा रहीं सुगंधा मिश्रा ने कहा, ₹मुझे सुमन का किरदार पहली ही बार में बेहद पसंद आ गया। वह अजीब, अप्रत्याशित और परतों से भरा है — एक ऐसा रोल जो आपको एक्टिंग का भरपूर आनंद देता है और खुद को बार-बार चौंकाने का मौका देता है। मेरे अंदर हमेशा से थोड़ा सा 'ड्रामा क्वीन' था, इसलिए सुमन का किरदार निभाना मेरे लिए काफी स्वाभाविक लगा। यह किरदार मजेदार तो है ही, पर पहली बार कुछ गंभीर और भावनात्मक दृश्य करने का मौका भी मिला, जो चुनौतीपूर्ण और रोमांचक दोनों रहा। भारती आचरेकर जी जैसे दिग्गज कलाकार के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए सम्मान की बात थी — डर भी लगा और प्रेरणा भी मिली। पूरी टीम ने मुझे बहुत अपनापन दिया और पूरे सफर में बेहद सहयोगी और उत्साहवर्धक रही।"राजेश वागले की भूमिका निभा रहे सुमित राघवन ने कहा, ₹राजेश एक ऐसा किरदार है जो हमेशा सही काम करने में विश्वास रखता है, चाहे कोई देख रहा हो या नहीं। इस वजह से उस पर इतना गंभीर आरोप लगना उसके लिए और पूरे परिवार के लिए एक बड़ा भावनात्मक झटका है। शो ने इस ट्रैक को बेहद संवेदनशीलता और खूबसूरती से प्रस्तुत किया है, जिसमें रिश्तों की ताकत और सच्चाई की अहमियत को भी उभारा गया है। सुगंधा के साथ काम करना आनंददायक रहा। उन्होंने सेट पर नई ऊर्जा ला दी और सुमन के किरदार को पूरी तरह जीवंत कर दिया। पर्दे के पीछे हम खूब हंसे, लेकिन ऑन-स्क्रीन भावनात्मक दृश्यों में भी उन्होंने लाजवाब संतुलन दिखाया।"

किरंदुल-जगदलपुर मार्ग पर बदहाल यात्री बसों में मनमानी,अवैध लगेज ढुलाई भी की जा रही

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

किरंदुल, 20 अप्रैल। किरंदुल से जगदलपुर के बीच चलने वाली यात्री बसें यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बन चुकी हैं। मनमाना किराया, खस्ताहाल बसें, अनियमित स्टॉपेज, और अवैध लगेज ढुलाई जैसे मुद्दों ने यात्रियों का जीना मुहाल कर दिया है। जिला परिवहन विभाग और स्थानीय प्रशासन की उदासीनता ने बस मालिकों और चालकों के हौसले बुलंद कर दिए हैं, जो बिना किसी जवाबदेही के यात्रियों को लूट रहे हैं। इस स्थिति ने न केवल यात्रियों की जेब पर डाला है, बल्कि सड़क सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं।

मनमाना किराया 170 से 220 रुपये तक की लूट

किरंदुल-जगदलपुर मार्ग पर बसों का किराया एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। यात्री शिकायत करते हैं कि एक ही रूट के लिए कोई बस 170 रुपये लेती है, तो कोई 220 रुपये। किराए की कोई तय सूची बसों में प्रदर्शित नहीं की जाती, जिसका फायदा चालक और कंडक्टर उठाते हैं। एक यात्री, रमेश साहू, ने बताया, ÷हर बार अलग-अलग किराया लिया जाता है। पूछो तो कहते हैं, इतना ही है। परिवहन विभाग को शिकायत करने पर भी कोई सुनवाई नहीं होती।÷

छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग ने हाल ही में सभी बसों के लिए किराया निर्धारित करने का दावा किया था, साथ ही किराया सूची बसों में चस्पा करने का आदेश भी जारी किया था। लेकिन किरंदुल-जगदलपुर मार्ग पर इस नियम का पालन होता नहीं दिखता। यात्रियों का कहना है कि बस मालिक और चालक मनमाने तरीके से किराया वसूलते हैं, और परिवहन विभाग की निष्क्रियता इस लूट को बढ़ावा दे रही है।

खस्ताहाल बसें यात्रियों की मजबूरी का फायदा

यात्री बसों की स्थिति इतनी जर्जर है कि लोग बैठने से पहले दो बार सोचते हैं। टूटी-फूटी सीटें, गंदगी, और खराब इंजन वाली बसें आम बात हैं। एक महिला यात्री, लक्ष्मी बाई, ने शिकायत की, बसों की हालत इतनी खराब है कि लंबी यात्रा में कमर दर्द होने लगता है। लेकिन मजबूरी है, क्योंकि दूसरा कोई साधन नहीं है। परिवहन विभाग के नियमों के अनुसार, बसों को नियमित मेंटेनेंस और फिटनेस सर्टिफिकेट की जरूरत होती है। लेकिन स्थानीय यात्रियों का आरोप है कि जिला परिवहन अधिकारी (ऋज्ञह) इसकी जांच करने में पूरी तरह नाकाम रहे हैं। कई बसें ऐसी हैं, जो सड़क पर चलने लायक नहीं हैं, फिर भी बिना किसी रोक-टोक के सवारियां ढो रही हैं।

अनियमित स्टॉपेज सवारी उठाने-उतारने में मनमानी

बस चालकों की मनमानी का एक और पहलू है सवारियों को उठाने और उतारने में उनकी लापरवाही। यात्रियों का कहना है कि चालक जहां चाहें, वहां बस रोककर सवारी बिठा लेते हैं, लेकिन जब उतारने की बारी आती है, तो यात्री के अनुरोध के बावजूद 50 से 100 मीटर आगे या पीछे उतारते हैं। यह खासकर बुजुर्गों और महिलाओं के लिए बड़ी समस्या है। एक स्थानीय निवासी, सुरेश कुमार, ने बताया, ÷मैंने कई बार चालक से कहा कि मुझे ठीक जगह उतार दे, लेकिन वे ध्यान नहीं देते। सवारी बिठाने के लिए तो कहीं भी रुक जाते हैं, लेकिन उतारने में इतनी लापरवाही क्यों?÷ यह अनियमितता न केवल यात्रियों को असुविधा पहुंचाती है, बल्कि सड़क सुरक्षा के लिए भी खतरा है।

अवैध लगेज ढुलाई यात्री बसें बन गईं मालवाहक

सबसे गंभीर मुद्दा है यात्री बसों का मालवाहक वाहनों की तरह इस्तेमाल। किरंदुल, जगदलपुर, और रायपुर-बैलाडीला मार्ग पर कई बसें अब सिर्फ लगेज ढोने के लिए चल रही हैं। कुछ बसें तो पूरी तरह लगेज के लिए निर्धारित हैं, जिनमें सवारियों के लिए जगह ही नहीं बचती। यात्रियों का आरोप है कि ये बसें सामान ढोने के लिए इस्तेमाल हो रही हैं, जिसके लिए उनके पास कोई परमिट नहीं है।मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 79 के तहत मालवाहक वाहनों के लिए अलग परमिट की जरूरत होती है। लेकिन यात्री बसों में बिना परमिट के सामान ढोया जा रहा है, और परिवहन विभाग इस पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा। एक यात्री, मोहन लाल, ने कहा, ÷बस में सामान इतना भरा होता है कि बैठने की जगह नहीं मिलती। ये बसें मालवाहक गाड़ियों की तरह काम कर रही हैं, लेकिन कोई रोक-टोक नहीं है। यात्री बसों द्वारा नगर के चौक-चौराहों पर सामान उतारने की प्रक्रिया भी विवाद का कारण बनी हुई है। स्थानीय नगरपालिका और नगर निगम इन बसों से अस्थाई दखल शुल्क वसूलना चाहते हैं, क्योंकि ये बसें सार्वजनिक स्थानों पर सामान उतारकर यातायात और व्यवस्था को प्रभावित करती हैं। लेकिन बस मालिक इस शुल्क का भुगतान करने से इनकार करते हैं और कानूनी रास्ता अपनाने की धमकी दे देते हैं। सवाल उठता है कि अगर ये बसें मालवाहक वाहनों का काम कर रही हैं, तो क्या उनके पास इसके लिए वैध परमिट है? यदि नहीं, तो नगरपालिका को इनसे अस्थाई दखल शुल्क वसूलने का पूरा अधिकार है। फिर भी, प्रशासनिक लापरवाही के चलते बस मालिकों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही।

परिवहन विभाग कुंभकरण की नींद सो रहा

जिला परिवहन विभाग की निष्क्रियता इस पूरे मामले की जड़ है। यात्रियों का कहना है कि परिवहन अधिकारी ÷कुंभकरण की नींद÷ सो रहे हैं, और बस मालिकों की मनमानी पर कोई अंकुश नहीं लगा रहे। छत्तीसगढ़ में परिवहन विभाग ने हाल ही में मनमाना किराया वसूलने वालों के खिलाफ कार्रवाई का दावा किया था, जिसमें बसों पर किराया सूची चस्पा न करने पर 349 बसों पर कार्रवाई की गई। लेकिन किरंदुल-जगदलपुर मार्ग पर ऐसी कोई कार्रवाई नजर नहीं आती। यात्रियों ने मांग की है कि परिवहन विभाग नियमित जांच अभियान चलाए, बसों की फिटनेस और परमिट की जांच करे, और अवैध लगेज ढुलाई पर रोक लगाए। साथ ही, किराए की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए हर बस में किराया सूची अनिवार्य रूप से चस्पा की जाए।

यात्रियों की मांग÷ सख्त कार्रवाई और सुधार

यात्री इस मनमानी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उनकी मांगें हैं÷

1 निश्चित किराया:- किरंदुल-जगदलपुर मार्ग पर एक समान किराया निर्धारित हो, और इसे हर बस में प्रदर्शित किया जाए।

2-बसों की मरम्मत:-खस्ताहाल बसों की मरम्मत और नियमित फिटनेस जांच हो।

3-नियमित स्टॉपेज:- सवारी उठाने और उतारने के लिए निर्धारित स्टॉप बनाए जाएं।

4-अवैध लगेज ढुलाई पर रोक:- मालवाहक परमिट के बिना सामान ढोने वाली बसों पर कार्रवाई हो।

5-अस्थाई दखल शुल्क:- नगरपालिका को सामान उतारने वाली बसों से शुल्क वसूलने का अधिकार मिले।

प्रशासन जागे, यात्रियों को राहत दे किरंदुल-जगदलपुर मार्ग पर यात्री बसों की मनमानी और अवैध गतिविधियां न केवल यात्रियों के लिए परेशानी का कारण हैं, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था की नाकामी को भी उजागर करती हैं। परिवहन विभाग और स्थानीय प्रशासन को तत्काल जागना होगा और यात्रियों की शिकायतों का समाधान करना होगा। अगर समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो यह लूट और अव्यवस्था और बढ़ेगी, जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ेगा।

एक नजर

बचेली हाई स्कूल ग्राउंड बना अघोषित अहाता

बचेली, 20 अप्रैल । शाम ढलते ही शराबियो का जमावड़ा यहाँ लग जाता हैं।पीने पिलाने का दौर खत्म होने के बाद शराब की बोतलों और अपने साथ लाई गयी तमाम चीजों को वही छोड़ देना जैसे नियति में शामिल हैं। ज्ञात हों की इसी खेल मैदान में स्थानीय खेल प्रेमियों द्वारा क्रिकेट, फुटबॉल आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता था, लेकिन साफ सफाई का अभाव एवं तोड़े गए बोतलों के टुकडो और आसपास फैले गंदगी के कारण किसी खेल आयोजन का करना लगभग असंभव हैं। सीमित संसाधनों और शासन -प्रशासन के उपेक्षा के बावजूद कई खिलाडी अपना भविष्य खेल में बनाने शिद्दत से जूटे रहते हैं, मगर आसमाजिक तत्व और शराबी बचेली में उपलब्ध खेल मैदान को ही अपना ऐशगाह बनाये हुए हैं मैदान में चारो और न ही बॉउंड्रीवाल हैं, न ही फैंसिंग जाली की किसी तरह की कोई व्यवस्था हैं, मुख्यद्वार का तो कोई सवाल ही नहीं हैं। शारबीयों द्वारा बे रोक टोक कभी भी कही भी बीच मैदान में महफिल सजाई जाती हैं।

नक्सलवाद समाप्ति की ओर है,माओवादियों को समय देना नुकसानदायक होगा:फारूख अली

जगदलपुर, 20 अप्रैल। नक्सलियों द्वारा तीसरा पर्चा जारी कर सरकार से अपील किया गया है कि वार्ता के पहले एक माह आपरेशन रोके सरकार,हम वार्ता के लिए निशर्त तैयार है,गृहमंत्री विजय शर्मा से नक्सलियों ने अपील किया है कि एक माह के लिए आपरेशन रोक युद्ध विराम करें।नक्सलियों के तीसरे पर्चे का जवाब देते हुए नक्सलविरोधी विचारक फ़ारूख अली ने कहा नक्सलियों का लगभग ख़ात्मा है अब वार्ता का कोई मतलब नही।लगातार क्षेत्रीय नक्सली आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा से जुड़ रहे है,बाहरी नक्सली अपने संगठन को बचाने एक माह का समय माँग रहे हैं।नक्सलियों का इतिहास है इन्होंने सिर्फ़ धोका किया इनपर विश्वास करना उचित नही।गृह मंत्री श्री विजय शर्मा से अपील करते हुए फ़ारूख अली ने कहा सरकार की पुनर्वास की नीति एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा जी के पंचायतों को दिये प्रस्ताव इलवद पंचायत अभियान की पहली सफलता सुकमा ज़िला का बड़ेशेट्टी पहला नक्सलमुक्त गाँव बना।आज नक्सली इस लिये बातचीत के लिए तैयार हुए क्यों की आज सरकार की इच्छा शक्ति के वजह से सुरक्षा बलों ने नक्सलियों पर दबाव बनाया ।आज हम लगभग आतंक के ख़िलाफ़ जंग जीत चुके हैं।केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने जिस तरह 2026 तक नक्सल मुक्त बस्तर का प्रण लिया एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा के दृढ़संकल्प से हमारे बहादुर जवान बस्तर को नक्सलमुक्त बनाने के ओर अग्रसर है।गृह मंत्री से अपील करते हुए फ़ारूख ने कहा के बस्तर मे शांति के लिए हज़ारों जवानों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया है,सैकड़ों जनप्रतिनिधि,हज़ारों निर्दोष ग्रामीणों को नक्सलियों ने मौत के घाट उतारा।नक्सली कभी विश्वास योग्य नही हैं।माओवादी मुख्यधारा से जुड़कर आत्मसमर्पण करें या इनका अंत ही एक मात्र रास्ता है।

जैन संतों पर हमला करने वालों पर सख्त कार्रवाई हो:बाफना

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 20 अप्रैल। मध्यप्रदेश के सिंगोली में जैन संतों पर हुए जानलेवा हमले के संबंध में जगदलपुर विधानसभा के पूर्व विधायक व जैन समाज के वरिष्ठ सदस्य संतोष बाफना ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिख हमले में शामिल आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की।बता दें कि, विगत् दिनों मध्यप्रदेश राज्य के नीमच जिले के अंतर्गत सिंगोली के समीप 3 पूज्य जैन साधु संत जो विहार के दौरान कछाला गांव के श्री बालाजी मंदिर परिसर में रात्रि विश्राम के लिए ठहरे हुए थे उन पर कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा जनलेवा हमला कर उन्हें बहुत ही बुरी तरह से घायल कर दिया गया। जैन संतों पर हुए इस जानलेवा हमले के बाद देशभर में यह मामला गरमाया हुआ है और जैन समुदाय के लोग मध्यप्रदेश की सरकार से दोषियों पर उचित कार्यवाही की मांग कर रहे हैं।

बाफना ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को लिखे पत्र में कहा है कि, यह हमला केवल एक संप्रदाय पर नहीं बल्कि, हमारी भारतीय संस्कृति की सहिष्णुता, संयम और आध्यात्मिक गरिमा पर भी सीधा आघात है, जो पूरे जैन समाज के लिए असहनीय है। जैन संत, जो अहिंसा, शांति, तप और संयम के प्रतीक होते हैं, सदैव समाज को नैतिकता व सदाचार की प्रेरणा देते आए हैं। ऐसे पूज्य संतों के साथ इस प्रकार की हिंसक व अमानवीय घटना होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक भी है। जैन साधु-संत सादा जीवन व्यतीत करते हैं, किसी भी प्रकार की संपत्ति अपने पास नहीं रखते और याचना के माध्यम से भोजन ग्रहण करते है तो भला उनसे लूटपाट कर किसी को क्या ही मिलेगा। जबकि पुलिस विभाग द्वारा एफआईआर दर्ज कर इस मामले को एक लूट की घटना बताया जा रहा है परंतु समस्त जैन समाज इस घटना को एक नियोजित षड्यंत्र मानता है जिसका उद्देश्य केवल संतों को डराकर जैन धर्म की स्वतंत्रता को बाधित करना प्रतीत होता है।पूर्व विधायक बाफना ने घटना की निष्पक्ष और त्वरित जांच कर दोषियों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून या अन्य कठोर धाराओं के तहत् कार्यवाही करने और निकट भविष्य में इस प्रकार की किसी भी अप्रिय घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए महाराष्ट्र सरकार की तर्ज पर मध्यप्रदेश में भी जैन साधु-संतों के विहार के दौरान स्थानीय पुलिस प्रशासन को उनकी सुरक्षा का जिम्मा सौंपने की मांग की है और कहा है कि, जैन साधु-संतों सहित अन्य धार्मिक संतों की यात्रा व ठहराव को सुरक्षित बनाने हेतु एक विशेष सुरक्षा तंत्र विकसित किया जाए व मध्यप्रदेश के सभी जिलों के जिलाधीश व पुलिस अधीक्षक को इसके लिए विशेष दिशा-निर्देश भी जारी किए जाएं।

किरंदुल शासकीय शराब दुकान संचालकों की भूमिका संदिग्ध

- शराब कोचियों तक कैसे पहुंचती है सैकड़ों बोतल शराब
- आबकारी विभाग व शराब दुकान संचालकों पर उठ रही हैं उंगलियां

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

किरंदुल, 20 अप्रैल।अच्छे ब्रांड की शराब बियर व्हिस्की दुकानों में उपलब्ध नहीं रहता है परंतु अवैध रूप से शराब बेचने वाले कोचियों के पास अच्छे-अच्छे ब्रांड की शराब विस्की बियर आसानी से मिल जाती है

वैसे तो नगर में शराब कोचियों के बारे में सबको पता हैं परंतु कोचियों की हाई प्रोफाइल सांठ गाँठ को देखकर स्थनीय लोग मौन ही रहना उचीत समझ रहे हैं नगर में कितने कोचिया हैं कौन कोचिया सबसे ज्यादा शराब की बिक्री करता है जिम्मेदारों को सब पता है हालांकि इन दिनों किरंदुल पुलिस अवैध शराब बिक्री करने वाले कुछ लोगो पर कार्यवाही कर रही है परंतु आबकारी विभाग शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारीयो की कमी का हवाला देते हुए कार्यवाही नहीं कर पाने की बात कह रहें है।लौहनगरी में अब शराब कोचिया सक्रिय हो गए हैं।हर वर्ष आबकारी विभाग हाँथी के दिखाने वाली 2 दाँतो की तरह महज कुछ जगहों पर कार्यवाही कर अपनी दायित्व का निर्वहन पुर्ण समझने लगते हैं। स्थनीय लोगो का मानना हैं की आबकारी विभाग के संरक्षण में कोचिया खुलेआम चखना सेंटर बनाकर शराब पिला रहें है। यहां शराब के कारण आये दिन नगर में वाद-विवाद की स्थिति निर्मित होती रहती है। छोटे बच्चे व युवा वर्ग भी अब शराब की गिरफ्त में आ रहें हैं। लगातार मील रहीं शिकायतों के बाद किरंदुल पुलिस बल द्वारा दिनांक 14 अप्रैल को 2 शराब तस्कारों से कुल 48 नग बीयर एवं 21 नग पौवा जम्मू स्पेशल विश्की कुल 34.980 लीटर अवैध शराब किमती 12,120/- रूपये एवं एक नग पुरानी एसेंट कार किमत लगभग 3,00,000/- रूपये को जप्त कर शराब कोचियों पर कार्यवाही की हैं।

अग्निशमन सेवा सप्ताह में डीएवी पब्लिक स्कूल बचेली में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बचेली, 20 अप्रैल। 14 अप्रैल को **DAV** पब्लिक स्कूल, बचेली में CISF Fire Wing BIOM बचेली (उ.010) द्वारा अग्निशमन सेवा सप्ताह (14 अप्रैल से 20 अप्रैल 2025) के अवसर पर एक अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव और जागरूकता के प्रति सजग बनाना था।कार्यक्रम की शुरुआत ÷एकजुट हो, अग्नि सुरक्षित भारत को प्रज्वलित करें (Unite to Ignite, a Fire Safe India) इस वर्ष की थीम के साथ की गई जिसमें छात्रों, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।इस कार्यक्रम का संचालन CISF Fire Wing के अनुभवी अग्निशमन कर्मियों द्वारा किया गया। उपस्थित प्रमुख अधिकारियों में शामिल रहे।

इन अधिकारियों ने छात्रों को अग्नि सुरक्षा के उपायों, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रक्रियाओं, और फायर फाइटिंग उपकरणों के उपयोग की विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान वीडियो डेमोंस्ट्रेशन, प्रश्नोत्तर सत्र एवं छात्र सहभागिता गतिविधियों का आयोजन भी किया गया।इंस्पेक्टर अरुण घोष ने अपने संबोधन में कहा, छात्रों को कम उम्र से ही अग्नि सुरक्षा के बारे में जागरूक करना बेहद आवश्यक है। आपात स्थिति में सही निर्णय लेने की क्षमता जीवन की रक्षा कर सकती है। विद्यालय की प्रधानाचार्या ने सभी ष्ठद्बस्स्न कर्मियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, इस प्रकार के कार्यक्रम छात्रों को न केवल ज्ञान देते हैं बल्कि उन्हें वास्तविक जीवन में सतर्क और जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा भी देते हैं।

कार्यक्रम के अंत में छात्रों को फायर सेफ्टी शपथ दिलाई गई, जिसमें उन्होंने अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन करने एवं दूसरों को जागरूक करने का संकल्प लिया। अग्निशमन सेवा सप्ताह जैसे आयोजनों के माध्यम से समाज में सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देना ही इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था। **DAV** पब्लिक स्कूल, बचेली का यह प्रयास निश्चित रूप से छात्रों के लिए शिक्षाप्रद एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

बस्तर सांसद व चित्रकोट विधायक ने विकास कार्यों का भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को दी बड़ी सौगात

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर,20 अप्रैल। बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप व चित्रकोट विधायक विनायक गोयल ने आज चित्रकोट विधानसभा के अंतर्गत अनेको ग्राम पंचायतो के विभिन्न विकास कार्यो का भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को सौगात दी है।

878.76 लाख रुपये की लागत से होने वाले इन विकास कार्यों का शुभारंभ बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप एवं चित्रकोट विधायक श्री विनायक गोयल द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना कर किया गया।चित्रकोट विधानसभा के ग्राम मिचनार के मगर पखना मिचनार स्टॉप डैम सह सोलर पंप एवम विधुत निर्माण कार्य मूल्य 2,82,55 हजार रु के विकास कार्यो का भूमिपूजन किया है।ग्राम पंचायत आंजर क्षेत्र में आंजर स्टॉप डैम कम काजवे सह सोलर पंप एवं विधुत निर्माण कार्य राशि 2,93,41,000 रु के कार्यो का का भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को सौगात दिया है।चित्रकोट विधानसभा के उसरीबेड़ा स्थित हाई स्कूल में सेड निर्माण कार्य,सामुदायिक भवन निर्माण कार्यो का भी भूमिपूजन आज सांसद व विधायक ने किया है।इस दौरान बस्तर सांसद ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र का विकास ही हमारे विकसित भारत का आधार है।सड़क बिजली पानी जैसे मूलभूत सुविधाओ का विस्तार करने के लिए 1 वर्षो में डबल इंजन भाजपा सरकार द्वारा अभूतपूर्व उपलब्धिया अर्जित की है। और आगे भी यह विकास यात्रा दुगुनी रफ्तार से जारी रहेगा। डबल इंजन की सरकार में बस्तर - छत्तीसगढ़ संवर रहा है।सांसद श्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के आत्मनिर्भर भारत और गांव की समृद्धि के संकल्प को साकार करने हेतु ये परियोजनाएं एक महत्वपूर्ण कदम हैं। चित्रकोट विधायक श्री विनायक गोयल ने कहा कि चित्रकोट विधानसभा के क्षेत्रवासियों को लगातार सरकार सौगात दी रही है। क्षेत्रवासियों की सेवा हेतु सदैव तत्पर रहूँगा। सड़क,बिजली,पानी जैसे सभी मूलभूत सुविधाएं जनता को मुहैया कराना मेरा परम कर्तव्य है।

विधायक श्री गोयल ने कहा कि ÷लोहण्डीगुड़ा क्षेत्र में यह एक ऐतिहासिक पहल है, जो आने वाले समय में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगी। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष बलदेव मण्डावी जी, जनपद अध्यक्ष श्रीमती पदमा कश्यप जी, जनपद उपाध्यक्ष बसंत कश्यप जी, जिला पंचायत सदस्य चन्द्रभान कश्यप जी, पूर्व विधायक लच्छूराम कश्यप जी, मण्डल अध्यक्ष मंगतुराम कश्यप जी, सुनिल कुहरामी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य रैतुराम बघेल जी, पूर्व मण्डल अध्यक्ष नरसिंह ठाकुर जी, लक्ष्मी निवास पाण्डेय जी, बलीराम बघेल, सरपंच संघ के अध्यक्ष सीताराम कश्यप, भरत कश्यप, नरेश कापडे, एवं सरपंचगण, स्थानीय अधिकारी, ग्रामीणजन एवं अन्य जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

शिक्षक फेडरेशन की प्रांतीय आमसभा में सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चुनाव

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 20 अप्रैल।छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन की प्रांतीय आमसभा का भव्य आयोजन दुर्ग जिले के भिलाई स्थित विवेकानंद हॉल, स्मृति नगर में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रांतीय निर्वाचन अधिकारियों द्वारा सर्वप्रथम मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया।जिसके पश्चात दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने के पश्चात निर्वाचन प्रक्रिया के अनुसार नामांकन स्वीकार किए गए।

प्रदेश भर से पधारे जिला अध्यक्षों एवं प्रांतीय पदाधिकारियों ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया के अंतर्गत संगठन की एकता एवं प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए सर्वसम्मति से प्रांतीय पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचन किया। प्रांताध्यक्ष,वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष,प्रमुख महामंत्री, महामंत्री,कोषाध्यक्ष पद पर एकल आवेदन प्राप्त होने के कारण सम्पूर्ण निर्वाचन निर्विरोध सम्पन्न हुआ।प्रांताध्यक्ष पद पर श्री राजेश चटर्जी,वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर राजेन्द्र सिंह(दद्दा), उपाध्यक्ष पद पर श्री चंद्रशेखर चन्द्राकर एवं चंद्रभान सिंह निर्मलकर,प्रमुख महामंत्री श्री सतीश ब्यौहरे,महामंत्री श्री आकाश राय,कोषाध्यक्ष श्री राजेन्द्र चन्द्राकर निर्विरोध निर्वाचित हुए। प्रांतीय प्रबंधकारिणी के गठन हेतु शेष पदाधिकारियों का मनोनयन का अधिकार आमसहमति से नव निर्वाचित प्रांतीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को दिया गया। निर्वाचन अधिकारी द्वय श्री दीपक चौधरी एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी डॉ बी के दास ने निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा करते हुए निर्वाचित पदाधिकारियों को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष(उप प्रांताध्यक्ष) राजेन्द्र सिंह (दद्दा) ने उपरोक्त जानकारी देते हुए कहा है कि प्रांतीय प्रबंधकारिणी का निर्विरोध निर्वाचन होना संगठन के भीतर आपसी समन्वय, विश्वास एवं एकजुटता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। आम सभा में प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी ने ऑडिट रिपोर्ट वर्ष 2024-25 प्रस्तुत किया,जिसका अनुमोदन आमसभा में किया गया।आमसभा में सरगुजा से मोहम्मद सुल्तान आज़ाद,संजय त्रिपाठी, कोरिया से राजेन्द्र सिंह दद्दा, के आर देशमुख, पवन कुमार कामड़े, जीवन लाल चन्द्राकर, दिग्विजय सिरमौर, डॉ संगीता चन्द्राकर,राधेश्याम साहू,पी आर झाड़े, खेमराज सिंह,अरुण ध्रुवे, रविन्द्र सिंह पोर्ते,जॉय चक्रवर्ती, राकेश साहू, देवेंद्र बंछोर,के के धुरंधर,महेंद्र वर्मा,बलदाऊ सिंह पटेल,रामकुमार डड़सेना, अविनाश तिवारी,श्री बिहारी लाल शर्मा,पवन सिंह,श्रीमती देवमणि साहू,नीलम सोनी,बस्तर से श्री आर. डी. तिवारी, भानुशंकर नागराज,चेतन राम जैन,डॉ.अखिलेश त्रिपाठी, मुंगेली से श्री रामकृष्ण वैष्णव,विक्रम सिंह ठाकुर,देश बंधु शर्मा,नरोत्तम दस मांडले, सहित समस्त जिलों के प्रतिनिधि सैकड़ों की संख्या में उपस्थित रहे।आमसभा को प्रत्येक जिला के प्रमुख पदाधिकारियों ने खुलकर विचार रखा। समापन अवसर पर सभी वक्ताओं ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी एवं संगठन की भावी दिशा के प्रति उत्साह प्रकट करते हुए कहा– हमारा संगठन ही हमारा परिवार है।जय घोष एवं तालियों की गूंज के साथ सभा का सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह जानकारी प्रांतीय महामंत्री आर डी तिवारी,जिला अध्यक्ष जगदलपुर डॉक्टर अखिलेश त्रिपाठी एवं प्रांतीय प्रवक्ता विधु शेखर झा ने दी।

एक नजर

सुशासन तिहार में जनता की समस्याओं का तत्परता से किया जा रहा समाधान

राजनांदगांव 20 अप्रैल । सुशासन तिहार में जनमानस की समस्याओं का समाधान तत्परता एवं सक्रियतापूर्वक किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की यह पहल आम जनता के लिए हितकारी साबित हो रही है। जिले में सुशासन तिहार अंतर्गत श्रम विभाग द्वारा श्री अशोक कुमार रजक को तत्काल श्रमिक कार्ड बनवा कर प्रदान किया गया। श्री अशोक कुमार रजक ने श्रमिक कार्ड के नवीनीकरण के लिए आवेदन किया था। आवेदक के आधार कार्ड से जांच करने पर पाया गया कि उनका श्रमिक कार्ड नहीं बना हैं। आवेदक को आधार कार्ड, बैंक खाता एवं आय प्रमाण पत्र की मूल प्रति के साथ कार्यालय बुलाकर पात्रतानुसार धोबी प्रवर्ग में पंजीयन किया गया एवं श्रमिक कार्ड प्रदान किया गया। श्री अशोक ने श्रमिक कार्ड प्राप्त होने पर प्रसन्नता जाहिर की और उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को श्रमिक कार्ड मिलने पर धन्यवाद ज्ञापित किया।

जिले में पोषण पखवाड़ा उत्सव की तरह मनाया जा रहा

राजनांदगांव 20 अप्रैल । जिले में पोषण पखवाड़ा उत्सव की तरह मनाया जा रहा है। राजनांदगांव शहर के कौरिनभाठा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में नन्हे बच्चों के चेहरे पर मुस्कान और खुशी दिखाई दी। बच्चों और उनके अभिभावकों को पौष्टिक आहार के बारे में जानकारी दी गई। जिले में 8 अप्रैल से 22 अप्रैल 2025 तक पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। पोषण पखवाड़ा अंतर्गत बच्चों के स्वास्थ्य, पौष्टिक आहार के संबंध में जानकारी दी जा रही है, ताकि बच्चों को सुपोषण की श्रेणी में लाया जा सके। जनसामान्य में सुपोषण के प्रति जागरूकता लाने के लिए उन्हें हरी साग-सब्जी, प्रोटीनयुक्त तिरंगा भोजन के बारे में बताया जा रहा है। बच्चों ने इस अवसर पर बाल गीत गाकर सुनाया। इस अवसर पर पौष्टिक आहार के प्रति जागरूकता प्रदर्शित करने के लिए खाद्यान्न से बनी सुंदर रंगोली बनाई गई थी। गर्भावस्था के दौरान जीवन के प्रथम 1000 दिवस पर पोषण प्राथमिकता से देने के बारे में बताया गया। इसके साथ ही पोषण ट्रैकर, कुपोषित बच्चों के लिए पौष्टिक आहार बच्चों में मोटापे की समस्या को रोकने के लिए स्वस्थ्य जीवन शैली के संबंध में जानकारी दी गई। मुनगा भाजी, लाल भाजी, पालक, चौलाई सहित विभिन्न तरह की भाजी, फल, सब्जियां, अनाज में मूंगदाल, चनादाल, मटर, अरहर, मसूर दाल, सोयाबीन की बड़ी, छत्तीसगढ़ी व्यंजन ठेठरी, खुरमी, पौष्टिक लड्डू, चना, गुड़, गुजिया, चिला, रागी के लड्डू जैसे विभिन्न पौष्टिक व्यंजन बच्चों के आहार में शामिल करने की जानकारी दी गई। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती तारा साहू एवं श्रीमती गायत्री सोनवानी तथा बड़ी संख्या में बच्चें एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

श्रम विभाग ने चौखड़िया पारा में शिविर लगाकर बनाया श्रमिक कार्ड

राजनांदगांव 20 अप्रैल ।। सुशासन तिहार अंतर्गत जनसामान्य की समस्याओं के समाधान के लिए आज राजनांदगांव शहर के चौखड़िया पारा हीरा-मोती वार्ड में श्रम विभाग द्वारा शिविर लगाकर आवेदनों का निराकरण किया गया। इस अवसर पर पार्षद श्री रवि सिन्हा, श्रम निरीक्षक श्री मुकेश देवांगन एवं अन्य स्टॉफ उपस्थित रहे। शिविर में लगभग 30 प्रकरणों का निराकरण किया गया। सुमन देवांगन एवं वेदिका हिरवानी ने नया श्रमिक कार्ड बनवाने के लिए आवेदन किया था। वही वर्षा साहू ने शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए जानकारी प्राप्त करने के लिए आवेदन किया था। शिविर में बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे। पार्षद श्री रवि सिन्हा ने कहा कि सुशासन तिहार अंतर्गत जनसमस्या निवारण के लिए आज यहां शिविर लगाया गया है। श्रम विभाग द्वारा यहां श्रमिक कार्ड बनाने के लिए त्वरित कार्य किया गया है। श्रमिकों को आ रही दिक्कतों को दूर करते हुए आवेदनों का निराकरण किया जा रहा है। श्रम निरीक्षक श्री मुकेश देवांगन ने कहा कि श्रमिक कार्ड के लिए काफी आवेदन प्राप्त हुए थे। श्रम विभाग द्वारा आवेदकों से संपर्क कर यह शिविर लगाया गया है। आवेदक अपना आधार कार्ड, बैंक खाता पासबुक लेकर आए हैं, पात्रता अनुसार उनका श्रमिक कार्ड बनाया जा रहा है।

सुशासन तिहार: टीम गांवों में पहुंच कर रही समस्या का समाधान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 20 अप्रैल। सुशासन तिहार में समाधान के होम डिलीवरी का सिलसिला जारी है। विभागों द्वारा लोगों से मिले आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए उन्हें योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। रायगढ़ जिले में सुशासन तिहार के अंतर्गत आधार कार्ड बनवाने या उसमें सुधार के लिए मिले आवेदनों को निराकृत करने विशेष कैंप लगाए जा रहे हैं। टीम गांवों में पहुंचकर आवेदनों का निराकरण कर रही है। वहीं किसान किताब के आवेदन पर कृषक को उसके घर जाकर प्रति सौंपी गई। मनरेगा के जॉब कार्ड के लिए आवेदकों को घर बैठे ही जॉब कार्ड बना कर दिया गया।

हर ब्लॉक में प्राप्त आवेदनों के आधार पर आज तीन तीन जगहों पर कैंप लगाकर लोगों के आधार कार्ड से जुड़ी दिक्कतों के समाधान के लिए टीमें पहुंची। ग्राम पंचायत दर्रामुड़ा के निवासी अनुज कुमार निषाद के बेटे गौरव निषाद के आधार कार्ड में कुछ जानकारी सुधारनी थी। इस त्रुटि के चलते स्कूली छात्र गौरव का अपार आईडी नहीं बन पा रहा था। पिता अनुज निषाद ने सुशासन तिहार में बेटे के आधार कार्ड की जानकारी सुधारने का आवेदन दिया था। जिस पर कार्यवाही करते हुए उनके बेटे के आधार कार्ड को सुधारने की प्रक्रिया की गयी। इसी प्रकार कई अन्य आवेदकों द्वारा उनके बच्चों के आधार कार्ड बनवाने के लिए आवेदन किया गया था। उस पर भी प्रक्रियात्मक कार्यवाही की गयी।

कृषक को घर पर डिलीवर हुई किसान किताब की द्वितीय प्रति, मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद

ग्राम-कांटाहरदी निवासी श्री देवेन्द्र सिदार ने किसान किताब की द्वितीय प्रति हेतु सुशासन तिहार के अंतर्गत आवेदन किया था। जिला प्रशासन द्वारा इस पर कार्रवाई करते हुए पटवारी को उनके निवास पर भेजा गया। गांव के पटवारी ने दस्तावेजों की जांच करते हुए पंजीकृत रजिस्ट्री से मिलान किया, जिसमें जानकारी सही पाए जाने पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात श्री देवेन्द्र सिदार को किसान किताब की द्वितीय प्रति प्रदान की गई। उन्होंने इस त्वरित समाधान पर हर्ष व्यक्त करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद ज्ञापित किया और सुशासन तिहार की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पहल शासन की संवेदनशीलता और पारदर्शिता का प्रतीक है, जिससे आम जनता का विश्वास प्रशासन पर और भी दृढ़ हुआ है।

घर बैठे मिला जॉब कार्ड

सुशासन तिहार की जानकारी गांव तक पहुंची तो डूमरपाली निवासी श्रीमती दिव्या साहू ने भी नए जॉब कार्ड के लिए आवेदन दिया। उनके आवेदन को निराकृत करने रोजगार सहायक खुद उनके घर पहुंचे और औपचारिकता पूरी करके नया जॉब कार्ड उन्हें हाथों-हाथ सौंपा। जॉब कार्ड हाथों में आते ही दिव्या ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद देते हुए कहा कि पहली बार ऐसा लगा कि शासन की योजनाएं हमारे दरवाजे तक आयी है। बिना चक्कर लगाए, बिनी किसी परेशानी के मुझे मेरे आवेदन का समाधान मिल गया है। इस तरह छोटे मुड़पार निवासी जानकी कुमारी पटैल एवं कुमारी भावना महंत मनरेगा कार्ड के लिए आवेदन लगाया था। उनके आवेदनों पर जिला प्रशासन द्वारा शीघ्र निराकरण करते हुए उन्हें उनके घर पर जाकर मनरेगा कार्ड सौंपा गया।

आर्ट आफ लिविंग ने आवापल्ली में युवा नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया,युवाओं ने उत्साह से लिया भाग

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

आवापल्ली, 20 अप्रैल। जिले के आवापल्ली ग्राम मे आर्ट ऑफ लिविंग बंगलुरु संस्था के सौजन्य से आठ दिवसीय युवा नेतृत्व प्रशिक्षण. शिविर का आयोजन किया गया था जिसमे जिले के बेरोजगार युवक युवतियां ने इस प्रशिक्षण मे भाग लेकर जीवन जीने की कला और नेतृत्व क्षमता के अलावा शारिरिक मानसिक बौध्दिक के साथ आपसी बोलचाल बाडी लेंगवेज के अलावा मन की शांति और एकाग्रता के लिए मैडिटेशन भी कराया गया जिसका क्षेत्र के युवाओं को बहुत लाभ मिला युवा नेतृत्व प्रशिक्षण के.शिक्षक संदीप भगत सारके रामप्रसाद भास्कर बोडके बलराम पुनेम द्वारा प्रशिक्षित किया गया

युवा नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर से यहां के युवाओं को काफी कुछ सीखने का अवसर मिला है

आवापल्ली जैसे सुदूर ग्राम मे इस का यह आयोजन बहुत ही कारगर साबित हुआ है नकसलवाद से जुझ रहे इस अंचल को और खासकर यहां के युवाओं को.भटकने से रोकने का यह प्रयास निश्चित ही सराहनीय है आयोजन समिति को भी इस पुनीत कार्य के लिये साधुवाद जिनके सफल प्रयास से युवाओं को आगे बढने का एक अच्छा मंच मिला है समिति बधाई की पात्र है आगे भी ऐसे शिविर अन्य स्थानों मे भी हो ऐसा लोगों का विचार है।

मोर दुआर साय सरकार अभियान के तहत डोंगरगढ़ में किया जा रहा सर्वेक्षण

राजनांदगांव,20 अप्रैल। शासन के मोर दुआर साय सरकार अभियान के तहत आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण कार्य के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत पात्र हितग्राहियों की पहचान की जा रही है। इसी कड़ी में अध्यक्ष जनपद पंचायत डोंगरगढ़ श्रीमती लता सिन्हा द्वारा जनपद पंचायत डोंगरगढ़ के ग्राम पंचायत पेण्ड्री निवासी श्रीमती शांति वर्मा के कच्चे मकान का मोबाइल एप्लीकेशन आवास प्लस 2.0 के माध्यम से सर्वेक्षण किया गया। श्रीमती लता सिन्हा ने संबंधितों से योजनांतर्गत सर्वेक्षण के प्रगति की जानकारी ली। साथ ही शत-प्रतिशत पात्र परिवारों का सर्वेक्षण समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस बात का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए कि कोई भी पात्र परिवार सर्वेक्षण में छूटना नहीं चाहिए। इसी तरह उपाध्यक्ष जनपद पंचायत डोंगरगढ़ श्री हीराराम वर्मा द्वारा ग्राम बिजनापुर में श्रीमती लक्ष्मीबाई यादव एवं श्री वीरेन्द्र कुमार के कच्चे मकान का मोबाइल एप्लीकेशन आवास प्लस 2.0 के माध्यम से सर्वेक्षण किया गया।

सुरक्षा बलों ने दो सक्रिय माओवादियों को पकड़ा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 20 अप्रैल। सुरक्षा बलों की बड़ी कार्यवाही, हत्या, आगजनी, लूटपाट एवं पुलिस पार्टी पर हमला करने का फरार माओवादी आरोपी नेंड्रा RPC जनताना सरकार उपाध्यक्ष एवं ग्रामीण की हत्या में शामिल 01 अन्य माओवादी आरोपी हुआ गिरफ्तार। थाना बासागुड़ा, कोबरा 210 एवं केरिपु 229 वाहिनी की संयुक्त कार्यवाही।

बीजापुर। जिले में चलाये जा रहे माओवादी विरोधी अभियान के तहत् दिनांक 18/04/2025 को थाना बासागुड़ा, कोबरा 210 एवं केरिपु 229 की संयुक्त टीम गुटटूम नेण्ड्रा, तिमापुर की ओर निकली थी।अभियान के दौरान गुटटूम नेण्ड्रा के जंगल एवं तिमापुर से 02 सक्रिय माओवादियों को पकड़ा गया। जिनके कब्जे से 08 नग बीयर बॉटल द्वश्वष्ठ, स्वीच, बैटरी एवं कुल्हाड़ी बरामद किया गया 1. ताती लखमा (नेंड्रा RPC जनताना सरकार उपाध्यक्ष) पिता सन्नू उम्र 38 वर्ष निवासी तिमापुर थाना बासागुड़ा उक्त की गिरफ्तारी के लिए 10.00 हजार का ईनाम उद्घोषित है, जो थाना बासागुड़ा क्षेत्रान्तर्गत दिनांक 22/12/2023 को कुशवाहा ट्रेव्हलस की बस में आगजनी की घटना में शामिल था।दिनांक 06/02/2024 को तिमापुर के ग्रामीण मिच्चा हड़मा के अपहरण एवं हत्या करने की घटना में शामिल था।दिनांक 06/12/2024 को तिमापुर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की हत्या में शामिल था। दिनांक 02/04/2025 को डल्ला के पहाड़ा में पुलिस पार्टी पर अंधाधुंध फायरिंग करने की घटना में शामिल था।2. सोनू उईका(संघम सदस्य) पिता बुच्चा उम्र 28 वर्ष निवासी तिमापुर, थाना बासागुड़ा दिनांक 06/02/2024 को तिमापुर के ग्रामीण मिच्चा हड़मा के अपहरण एवं हत्या करने की घटना में शामिल था। पकड़े गये माओवादियों के विरूद्ध थाना बासागुड़ा में वैधानिक कार्यवाही उपरान्त न्यायिक रिमाण्ड पर माननीय न्यायालय दंतेवाड़ा के समक्ष पेश किया गया है।

वार्ता के लिए नक्सलियों ने दिया एक महीने का युद्ध विराम का प्रस्ताव

सुकमा, 20 अप्रैल। नक्सलियों के उत्तर पश्चिम सब ज़ोनल ब्यूरो के प्रभारी रुपेश ने जताया गृहमंत्री विजय शर्मा का धन्यवाद मेरे पहले बयान पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के लिए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा का धन्यवाद - रुपेश मेरी सुरक्षा गारंटी देते हुए मेरे इस कोशिश को आगे बढ़ाने की अनुमति देने के लिए भी धन्यवाद- रुपेश वार्ता के लिए हमारे तरफ़ से प्रतिनिधित्व के लिए नेतृत्वकारी कामरेडों से मिलना ज़रूरी - रुपेश इस लिए सरकार से मेरी अपील है एक महीने तक सशस्त्र बलों के ऑपरेशन पर रोक लगाया जाए- रुपेशमेरे पहले बयान का प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा कांग्रेस के लोगों द्वारा हमारे विरोध में किए गए बातों का अभी जवाब नहीं दे रहा हूँ अभी एक विषय पर ध्यान दे रहा हूँ - रूपेश

जनप्रतिनिधि फील्ड में उतरकर कर रहे हैं आवास का सर्वेक्षण

महासमुंद, 20 अप्रैल । प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण विशेष पखवाड़ा (मोर दुआर, साय सरकार अभियान)÷ के तहत क्षेत्र के जनप्रतिनिधि लगातार फील्ड में जाकर सर्वेक्षण कर रहे हैं। ताकि सरकार की मंशा के अनुरूप कोई भी पात्र हितग्राही योजना के लाभ से वंचित न हो पाए। आज जनपद पंचायत पिथौरा की ग्राम पंचायत सांकरा एवं जनपद पंचायत सरायपाली की ग्राम पंचायत मोहदा में सर्वेक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत पक्का मकान उपलब्ध कराना, ताकि सबके लिए सुरक्षित और सम्मानजनक आवास सुनिश्चित किया जा सके।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) - आवास प्लस 2.0 सर्वे का शुभारंभ आज जनपद पंचायत पिथौरा की ग्राम पंचायत सांकरा में किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती उषा पुरुषोत्तम घृतलहरे ने सर्वे कार्य का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने तीनों हितग्राही गमता/योगेंद्र सिदार, रामबाई/गजेंद्र सिदार तथा चंद्रकांति/कन्हैयालाल सिदार के घरों में जाकर मोबाइल एप के माध्यम से उनकी संपूर्ण जानकारी दर्ज की एवं संबंधित फोटोग्राफ्स लेकर सर्वे प्रक्रिया को पूर्ण किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित आवास के पूर्ण होने पर हितग्राही श्री कन्हैयालाल को घर की चाबी सौंपी। कार्यक्रम में जनपद सदस्य श्री पुरुषोत्तम घृतलहरे, श्री कमलजीत सिंह छाबड़ा, ग्राम पंचायत सांकरा के सरपंच श्री सतपाल सिंह छाबड़ा, जनपद सीईओ श्री सी.पी. मनहर, आवास एंबेसडर एवं अनेक ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इसी प्रकार से जनपद पंचायत सरायपाली में आयोजित कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी पटेल ने एक हितग्राही का सर्वेक्षण आवास प्लस 2.0 मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने उपस्थित सभी ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे अनिवार्य रूप से अपना सर्वेक्षण करवाएं, जिससे कोई भी पात्र परिवार इस महत्वपूर्ण योजना से वंचित न रहे।इस अवसर पर जनपद पंचायत के सीईओ, जनपद सदस्य श्रीमती उषा पटेल ,श्री प्रकाश पटेल ,ग्राम पंचायत मोहदा के सरपंच, पंच एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

इसी तरह से महासमुंद जिले की ग्राम पंचायत बेलसोंडा में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आवास+ 2.0 सर्वे के माध्यम से छूटे हुए पात्र हितग्राहियों का सर्वे कार्य महासमुंद जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती हुलसी चंद्राकर द्वारा किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के सरपंच, उपसरपंच, जनपद स्तर के अधिकारी-कर्मचारी, आवास मित्र व सर्वेयर सहित अनेक ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई कर दो अपचारी बालकों को किया गया निरूद्ध

रायगढ़, 20 अप्रैल । धरमजयगढ़ वनमंडल अंतर्गत धरमजयगढ़ परिक्षेत्र के बायसी परिसर में 18 अप्रैल 2025 को वन्यप्राणी गोह का अवैध शिकार करने के मामले में वन विभाग द्वारा कार्रवाई की गई। जिसमें दो अपचारी बालकों को निरूद्ध कर न्यायिक रिमांड हेतु माननीय प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड रायगढ़ के समक्ष प्रस्तुत किया गया।वनमंडलाधिकारी धरमजयगढ़ वनमंडल ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 18 अप्रैल 2025 को क्षेत्रीय वन अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा वन भ्रमण के दौरान बायसी परिसर कक्ष कमांक 369 आर.एफ.लांजानारा के पास दो व्यक्तियों द्वारा वन्यप्राणी गोह जो वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची। का वन्यप्राणी है, को मारकर साल झाड़ की टहनियों एवं पत्तो में छिपाकर ले जा रहे थे, जिनको पकड़ा गया। क्षेत्रीय वन अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा पूछताछ करने पर अपचारी बालको के द्वारा साकिन क्रोन्धा थाना तहसील धरमजयगढ़ जिला रायगढ़ का निवासी होना बताया गया। मौके पर ही उन्हे पूछताछ करने पर गोह को टांगी से मारकर खाने के लिये घर ले जा रहे है, बताया गया एवं अवैध शिकार कर गोह को मारने का जुर्म कबुल किया गया। तत्पश्चात वन अपराध प्रकरण क्रमांक 19976/13 दिनांक 18 अप्रैल 2025 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। दोनों व्यक्ति से मृत गोह, टांगी एवं साल प्रजाति के टहनियां एवं पत्तीयां जप्त की गई। वन्यप्राणी गोह का पोस्टमार्टम पशु चिकित्सक धरमजयगढ़ द्वारा वनमंडलाधिकारी धरमजयगढ़ एवं उप वनमंडलाधिकारी धरमजयगढ़ तथा पंथों की उपस्थिति में किया गया एवं उनके उपस्थिति में विधिवत दाह संस्कार किया गया। दिनांक 18 अप्रैल एवं 19 अप्रैल 2025 को दोनो से घटना के संबंध में फिर से पूछताछ कर उनका बयान दर्ज किया गया एवं बयान में उनके द्वारा 06 माह पूर्व में भी एक गोह को मारकर खाना बताया गया। उनके बयान आधार पर दिनांक 19 अप्रैल 2025 को प्रकरण में लिप्त दोनो अपचारी बालको को निरुद्ध कर मेडिकल जांच हेतु खंड चिकित्साधिकारी सिविल अस्पताल धरमजयगढ़ भेजा गया।

भ्रष्टाचार की सजा गरीब मेहनतकशों को मिल रही है

सुकमा, 20 अप्रैल। तेंदूपत्ता संग्राहकों की मेहनत, उनकी उम्मीदें और उनका हक़–इन सबके बीच फंसा हुआ है एक ऐसा घोटाला, जिसमें लाखों की नहीं, करोड़ों की गूंज है। डीएफओ की गिरफ्तारी इस बात का प्रमाण है कि तेंदूपत्ता बोनस भुगतान में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं, और मामला सिर्फ कुछ लोगों की गलती नहीं, बल्कि एक संगठित शोषण का उदाहरण बन गया है।लेकिन सवाल ये है–जो लोग गिरफ्तार हो रहे हैं, क्या सिर्फ वहीं दोषी हैं? और सबसे बड़ा सवाल–उन मेहनतकश आदिवासियों का क्या, जिन्होंने जंगलों में पसीना बहाकर तेंदूपत्ता तोड़ा और जिनका आज तक भुगतान अधूरा है?5 करोड़ से अधिक राशि का भुगतान लंबित – दोष किसका, सजा किसे?

बस्तर के अंदरूनी इलाकों में रहने वाले हज़ारों तेंदूपत्ता संग्राहक, आज भी अपने बोनस के इंतजार में हैं। उनकी गलती सिर्फ इतनी थी कि उन्होंने मेहनत की, जंगलों से पत्ता तोड़ा, और भरोसा किया कि सरकार या व्यवस्था उनके काम का सही मूल्य देगी।यह मामला कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में शुरू हुआ था, लेकिन भुगतान की प्रक्रिया भाजपा सरकार आने के बाद हुई। तो क्या सत्ता बदलने से जवाबदेही भी बदल जाती है? भाजपा के आंदोलन से उठी आवाज़–अब मंत्री बनने के बाद क्या होगी कार्यवाही?

इस मुद्दे को लेकर सुकमा ज़िला भाजपा ने लगातार आंदोलन किए।

वर्तमान वन मंत्री श्री केदार कश्यप, जो कि बस्तर के ही जनप्रतिनिधि हैं, उन्होंने स्वयं इस मुद्दे पर समर्थन दिया था, और अब वे सरकार में प्रभावशाली पद पर हैं।अब जब घोटाले के आरोपी गिरफ़्तार हो चुके हैं–क्या मंत्री जी उन आदिवासियों के दर्द को भी प्राथमिकता देंगे, जिनकी मेहनत की कमाई आज तक उन्हें नहीं मिली।

एसडीएम कार्यालय के सामने गंदगी का अंबार

सुकमा, 20 अप्रैल। वार्ड क्रमांक 11, एसडीएम ऑफिस के ठीक सामने सड़क किनारे फैली गंदगी और बदहाल नाले की तस्वीरें अब नगर प्रशासन की हकीकत बयां कर रही हैं। जहां अधिकारी बैठते हैं वहीं गंदगी का साम्राज्य हो, तो बाकी शहर का क्या हाल होगा? प्रशासन से तीखे सवाल- क्या स्वच्छता सिर्फ बैनर, होर्डिंग और सोशल मीडिया तक सीमित है?-एसडीएम कार्यालय के सामने सफाई नहीं हो रही, तो बाकी वार्डों की हालत सोचिए! जिम्मेदार अधिकारी, सफाई कर्मी और निगरानी तंत्र कहां है?जनता की मांग और सुझावः-नियमित सफाई व्यवस्था की निगरानी हो।

दोषी कर्मचारियों और अधिकारियों पर हो कार्रवाई। नगरवासी भी सहयोग करें – कचरा सड़क पर न फेंकें। स्वच्छता रैंकिंग की बजाय, ज़मीनी काम पर हो ध्यान।स्वच्छ भारत तभी संभव है जब ज़मीन पर सफाई दिखे, सिर्फ प्रचार में नहीं।जहां कचरा है, वहां कैमरा नहीं... वहां व्यवस्था चाहिए अगर आपके क्षेत्र में भी है कोई समस्या – तस्वीरें और जानकारी भेजें, हम आपकी आवाज़ बनेंगे।

जनपद अध्यक्ष सोनू पोटाम ने किया हितग्राही आवास के लिए सर्वे

बीजापुर,20 अप्रैल। जिला बीजापुर के जनपद पंचायत बीजापुर के कई दशकों से नक्सल प्रभावित रहा एक ऐसा गांव जहा सर्वे तो दूर की बात है लोग वहां जाने का भी नही सोचते थे ,समय अब बदलने लगा अब ग्रामीण आने जाने लगे है शासन की योजनाएं पहुंच रही है ग्रामीण अब अपना अधिकार की बात कर रहे है और जानने भी लगे है ।इसी कड़ी में अब आवास योजना से वंचित ग्रामीण बढ़ चढ़ कर अपना सर्वे करा रहे है साथ ही उनके चेहरे में उत्साह भी नजर आने लगा है, उनके सपने पूरे होने लगे है । जनपद अध्यक्ष श्री सोनू पोटाम द्वारा घर घर जाकर आवास हेतु सर्वे किया गया इस दौरान ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती सरिता हेमला एवं भारी संख्या में ग्रामीण सर्वे कराने हेतु उपस्थित रहे।

सुरक्षा बलों ने विस्फोटक सहित 4 माओवादियों को किया गिरफ्तार

बीजापुर,20 अप्रैल। जिले में चलाये जा रहे माओवादी विरोधी अभियान के तहत् दिनांक 18/04/2025 को थाना जांगला से थाना बल, डीआरजी एवं बस्तर फाईटर की संयुक्त टीम माटवाड़ा, कुपमेटा की ओर एरिया डोमि?नेशन पर निकली थी।अभियान के दौरान कुपमेटा के जंगल से विस्फोटक के साथ 03 सक्रिय माओवादियों को पकड़ा गया। जिनके कब्जे से टीफिन बम, कार्डेक्स वायर, बिजली का तार, बैटरी, खुदाई का औजार आदि बरामद किया गया1.जितेन्द्र कश्यप (मिलिशिया सदस्य) पिता भीमा कश्यप उम्र 26 वर्ष निवासी माटवाड़ा करेंपारा थाना जांगला जिला बीजापुर 2.छोटू कश्यप (मिलिशिया सदस्य) पिता भीमा कश्यप उम्र 23 वर्ष निवासी माटवाड़ा करेंपारा थाना जांगला जिला बीजापुर 3.पाण्डू सोढ़ी (मिलिशिया सदस्य) पिता राजू सोढ़ी उम्र 24 वर्ष निवासी माओवाड़ा बीचपारा थाना जांगला जिला बीजापुरथाना उसूर से थाना का बल नड़पल्ली की ओर एरिया डोमि?नेशन पर निकली थी। अभियान के दौरान नड़पल्ली के जंगल में एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस पार्टी को देखकर भागने लगा, जिसे सुरक्षा बल द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ करने पर अपना नाम- 1.लच्छू ताम्बू (उसूर एलओएस मिलिशिया सदस्य) पिता गुण्डा उम्र 31 वर्ष निवासी नड़पल्ली पटेलपारा थाना उसूर जिला बीजापुर बताया। तलाशी लेने पर उक्त माओवादी के पास से कार्डेक्स वायर, बिजली का तार एवं नक्सल पाम्पलेट आदि बरामद किया गया। उक्त माओवादी के पर थाना उसूर में पृथक से अपराध पंजीबद्ध है।पकड़े गये माओवादियों के विरूद्ध थाना उसूर एवं जांगला में पृथक-पृथक वैधानिक कार्यवाही उपरान्त न्यायिक रिमाण्ड पर माननीय न्यायालय बीजापुर के समक्ष पेश किया गया है।

कलेक्टर ने अर्जुनी से जल संचय महाभियान का किया शुभारंभ

सोखता गड्ढा के लिए की ईंट जोड़ाई, बरगद पेड़ के नीचे लगाई चौपाल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 20 अप्रैल। कलेक्टर दीपक सोनी ने गुरुवार को विकासखंड बलौदाबाजार के ग्राम पंचायत अर्जुनी से जिले में जल संचय महाभियान का शुभारम्भ किया। इस दौरान कलेक्टर ने हैंडपम्प के पास सोखता गड्ढा निर्माण के लिए ईट जोड़ाई किया और शासकीय भवन में वाटर हार्वेस्टिंग निर्माण का भी शुभारम्भ किया। इसके साथ ही तालाब के मेड पर बरगद का पेड़ लगाया।

कलेक्टर ने गांव में बरगद पेड़ के नीचे चौपाल लगाया और जमीन पर बैठकर समूह की महिलाओं और ग्रामीणों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि पंचायत के विकास के लोए सबको सहयोग करना है,पानी का उपयोग बेहतर ढंग से कराना होगा। उन्होंने ग्रामीणों की मांग पर बड़े तालाब से जलकुम्भी की सफाई के लिए पंचायत से प्रस्ताव तैयार करने कहा। समूह की महिलाओं को प्लांटेशन के लिए नर्सरी तैयार करने तथा ट्री गार्ड निर्माण का कार्य शुरू करने कहा। उन्होने ससरंगी सूत्र के बारे में बताते हुए कहा कि अपने पंचायत को स्वच्छ, साक्षर, कुपोषण मुक्त,नशामुक्त, शतप्रतिशत संस्थागत प्रसव एवं राजस्व विवाद मुक्त गांव बनाएं। महिलाओं ने बताया कि समूह के द्वारा बकरी पालन, इमली लाटा, बैग सिलाई एवं ट्री गार्ड निर्माण का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान कलेक्टर ने उपस्थित ग्रामीणों को जल संचय की शपथ दिलाई। कलेक्टर ने गांव के तालाबों का भी निरीक्षण किया और साफ -सफाई सहित सौन्दर्यीकरण के लिए पंचायत से प्रस्ताव तैयार करने कहा। उन्होंने तालाब के आस -पास के क्षेत्र में सफाई अभियान चलाने, प्लास्टिक वेस्ट का प्रबंधन, नशा मुक्ति के लिए अभियान चलाने के भी निर्देश दिये। इस अवसर पर सी ई ओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल, जनपद सीईओ फ़क़ीरचरण पटेल, सरपंच कविता ध्रुव सहित उप सरपंच, पंच, तकनीकी सहायक, स्व सहयता समूह की महिलाएं एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

समाचार संक्षेप

महेंद्र साहू और जनप्रतिनिधियों ने किया प्रदर्शन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा, 20 अप्रैल। ग्राम पंचायत कोनारी स्थित है आज राम इस्पात प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में भुवन बंजारे का कंपनी में हादसा के दौरान हाथ में गंभीर चोट लग जाने एवं कंपनी प्रबंधन द्वारा इलाज में आनाकानी करने के कारण से श्रीराम इस्पात लिमिटेड के मेन गेट के सामने धरना देकर पीड़ित को उनके स्वास्थ्य हेतु मुआवज़ा दिलाने के लिए ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधि गण, मजदूर नेता ने प्रदर्शन किया और भुवन बंजारे को स्वास्थ्य के लिए हर संभव मदद की माँग कंपनी से रखी, इस दौरान कंपनी ने भुवन बंजारे के इलाज का खर्च उठाया साथ ही आज उन्हें 6 लाख रुपया का मुआवज़ा ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों के प्रयास से मिला, इस अवसर पर ज़िला पंचायत सदस्य शैल महेंद्र साहू, नकटी सरपंच योगेन्द्र बघेल, जनपद सदस्य सोनू निर्मलकर, कुंदरू सरपंच यशवंत वर्मा, खम्हरिया सरपंच अरविंद खुंटे के साथ आस पास के ग्रामीण लोग उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ के लोगों के व्यवहार से काफी खुश नजर आए बॉलीवुड कलाकार असरानी

कोरबा, 20 अप्रैल। बॉलीवुड के कलाकार असरानी छत्तीसगढ़ के माना एयरपोर्ट में आज सुबह पहुंचे। कोरबा के लोगों ने उनका स्वागत सत्कार किया। छत्तीसगढ़ के लोगों के व्यवहार की सराहना की और कहा की यहां का अनुभव हमेशा याद रहेगा।नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बॉलीवुड कलाकार असरानी और मंदाकिनी को विशेष तौर पर बुलाया गया है। रायपुर में कुछ देर विश्राम के बाद कलाकार सडक मार्ग से कोरबा पहुंचे। आज शाम 4 बजे लाइंस इंग्लिश स्कूल के स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए।

पीएमजफ राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा देने के उद्देश्य नितेश कुमार अग्रवाल की स्मृति में लायंस पब्लिक स्कूल की स्थापना पिछले वर्ष में की गई जो सफलता के साथ संचालित हो रहा है। यहां पर गुणवत्ता और परिणाम को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है और इसके लिए कई प्रकार के प्रबंध किए गए हैं। स्थापना दिवस किसी भी संस्था के लिए खास होता है और इसके माध्यम से इस बात का आकलन करने का अवसर मिलता है कि हमने क्या कुछ उपलब्धि प्राप्त की है और क्या कुछ कमजोरियां हैं जिसे दूर करने की जरूरत है। उन्होंने बताया की स्थापना दिवस के कार्यक्रम में बॉलीवुड के कलाकारों को आमंत्रित करने के पीछे एक उद्देश्य यही है कि स्थानीय लोगों कि उनसे मुलाकात हो और वह उनके बारे में बेहतर जान सकें।

70 से 80 प्रतिशत भुगतान प्राप्त करने वाले ठेकेदारों के कार्यों का किया जाए सत्यापन : कलेक्टर

- कलेक्टर ने ली पीएचई अंतर्गत कार्यों की समीक्षा बैठक
- जल जीवन मिशन के कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

कोरबा, 20 अप्रैल। कलेक्टर अजीत वसंत ने अपने कक्ष में जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिले में स्वीकृत कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए पीएचई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि एक माह के भीतर स्त्रोत का निर्माण पूर्ण कर लिया जाएं। उन्होंने हर घर जल प्रमाणीकरण अंतर्गत पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों के तहत उपलब्धि हासिल नहीं किये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि जल जीवन मिशन अंतर्गत किये गये हर घर जल प्रमाणीकरण की संख्या 100 और रिपोर्टेड की संख्या 30 होनी चाहिए। कलेक्टर श्री वसंत ने जेजेएम अंतर्गत कार्य करने वाले ऐसे ठेकेदार जिनको 70-80 प्रतिशत भुगतान हो चुका है, उनके द्वारा किये गए कार्यों का सत्यापन करने के निर्देश कार्यपालन अभियंता को दिए। कलेक्टर ने इसके सत्यापन के लिए फॉर्मेट बनाने और जल संसाधन के ईई के साथ संयुक्त टीम बनाकर कार्यों के सत्यापन के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने प्रगतिरत सभी कार्यों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्धारित समय अवधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने एकल ग्राम और समूह नलजल प्रदाय योजना की समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए।

ठेकेदार गुर्जर तथा शर्मा की बर्बरता, दलित मजदूर युवकों को करंट लगाया और बेरहमी से पीटा, वीडियो वायरल

कोरबा, 20 अप्रैल। कोरबा जिले में राजस्थान के भीलवाड़ा जिले से काम कराने के लिए लाए गए दलित 2 युवकों से क्रूरता पूर्वक मारपीट की गई,उन्हें करंट छुआया गया। भीलवाड़ा पुलिस से प्राप्त मेमो के आधार पर सिविल लाइन, रामपुर थाना में गैर जमानती धाराओं कर तहत अपराध दर्ज किया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भीलवाड़ा पुलिस संभवतः कोरबा आ रही है।

जानकारी के मुताबिक राजस्थान प्रान्त के भीलवाड़ा जिले के आसींद क्षेत्र से युवकों को कोरबा लाया गया था। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के खपराभट्ठा बुधवारी में आइसक्रीम फैक्ट्री है। यहां पर काम कराने लाए गए कर्मियों के साथ 14 अप्रैल 2024 को अमानवीय घटना को अंजाम दिया गया। गुलाबपुरा क्षेत्र के युवकों पर काम के दौरान चोरी का आरोप लगाकर उनके कपड़े उतारे, उन्हें करंट प्रवाहित तार छुआया गया और बुरी तरह से पीटा भी गया। इसका दो वीडियो वायरल हो गए हैं। इस दौरान लड़के जान की गुहार लगाते रहे और कहते रहे कि मेरे पिताजी को बुला लो जिस पर कथित ठेकेदार का कथन था कि, मर जाएगा तो घर ले चले जाएंगे। जानकारी के अनुसार आसींद विधानसभा क्षेत्र के कानिया गांव के अभिषेक भांबी व विनोद भांबी को क्षेत्र के ही कुछ व्यक्तियों द्वारा आइसक्रीम सम्बन्धी काम के लिए कोरबा लाया गया, जहां उनके साथ चित्तौड़गढ़ के रहने वाले ठेकेदार छोटू गुर्जर तथा मुकेश शर्मा ने बर्बरता की।

गुमा

मैं अनमोल साहू पिता ओमप्रकाश साहू पुराना गुढ़ियारी थाना गली पहाड़ी चौक रायपुर छग का निवासी हूं। विगत दिनों दुर्भाग्यवश गुढ़ियारी क्षेत्र मार्ग में घर से लौटते वक्त स्कूल सर्टिफिकेट छत्तीसगढ़ पब्लिक स्कूल 2023 के कक्षा 12वीं का है। जो रास्ते में खो गया है। साथ ही स्कूल से मिली टीसी एवं माइग्रेशन सर्टिफिकेट है जो एक साथ खो गया है। जिस किसी सज्जन को मिले तो वे कृपया नीचे दिए पते पर पहुंचाने की कृपा करें। उचित सम्मान दिया जाएगा।

भवदीय
अनमोल साहू
पिता-ओमप्रकाश साहू
पुराना गुढ़ियारी थाना,
पहाड़ी चौक रायपुर (छ.ग.)
मो. नं. 8964056055
9179780720

एक नजर

एसईसीएल सीएमडी पहुंचे गेवरा मेगा परियोजना, खनन कार्यों का लिया जायजा

कोरबा, 20 अप्रैल। एसईसीएल सीएमडी हरीश दुहन द्वारा 18 अप्रैल को गेवरा मेग परियोजना का दौरा कर खनन कार्यों का जायजा लिया गया। इस मौके पर उन्होंने परियोजना के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा की और विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की। श्री दुहन ने भूमि अधिग्रहण की प्रगति, मुआवजे के वितरण की स्थिति तथा मानसून की तैयारी की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन मामलों में मुआवजे का वितरण लंबित है, उन्हें प्राथमिकता से निपटाया जाए और सभी संबंधित विभागों के समन्वय से कार्यों में तेजी लाई जाए। उन्होंने अनुबंधित एजेंसियों के कार्य निष्पादन की समीक्षा करते हुए गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, वार्षिक कार्य योजना के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में अब तक हुई प्रगति की भी समीक्षा की। सीएमडी ने हैवी अर्थ मूविंग मशीनरी की उपलब्धता, उपयोगिता और मरम्मत की स्थिति की समीक्षा की तथा मशीनों के अधिकतम उत्पादक उपयोग पर बल दिया। उन्होंने विभागीय निष्पादन की भी गहन समीक्षा की और बेहतर परिणामों हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पाली क्षेत्र में तेज आंधी से गिरे बिजली के खंभे

कोरबा, 20 अप्रैल। जिले के ब्लॉक मुख्यालय पाली समेत आसपास के गांवों में शुक्रवार की शाम आई तेज आंधी के बाद बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। तेज आंधी ने पेड़ों को उखाड़ दिया तो दूसरी तरफकई घरों के छप्पर को भी उड़ा दिया। बिजली के तार टूट गए। कई स्थानों पर बिजली खंभा भी गिर गए। आंधी के साथ तेज गर्जना ने भी लोगों के दिलों में दहशत भर दी। आंधी व वर्षा ने जमकर तबाही मचाई। खंभे गिरने की वजह से कई इलाकों में बिजली गुल हो गई। इससे स्थानीय लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। रात होने की वजह से सुधार कार्य में भी दिक्कतें आई। इससे अनेक स्थानों पर बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। आज सुबह होने पर बिजली विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विद्युत आपूर्ति को व्यवस्थित करने के लिए युद्ध स्तर पर सुधार कार्य शुरू कर दिया है।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, दो घायल

बालोद, 20 अप्रैल। जिले के डौंडी थाना क्षेत्र अंतर्गत शुक्रवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। ग्राम खैरवाही के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार तीन युवकों को टक्कर मार दी, जिससे आडेझर निवासी भूपेश कुमार कोमरे (19 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान समीर कोमरे (18 वर्ष) और नेमीचंद लोहार (19 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों को तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डौंडी लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तीनों दोस्त पावर एक्सप्लस बाइक से डौंडी से अपने गांव लौट रहे थे। तभी विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार कार ने ग्राम खैरवाही के पास उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। घटना की सूचना पर डौंडी पुलिस मौके पर पहुँची और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। कार चालक हादसे में सुरक्षित है और पुलिस द्वारा उससे पूछताछ की जा रही है।

जिले के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों में रात्रि के समय नाकाबंदी कर की गई चेकिंग

अवैध शराब और मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों को पकड़ने के लिए चलाया गया अभियान

- संपूर्ण जिले में 13 महत्वपूर्ण स्थानों में लगाया गया नाकाबंदी चेकिंग पॉइंट
- रात 12 से 4 बजे तक नाकाबंदी कर की गई सघन चेकिंग
- नाकाबंदी चेकिंग के दौरान 6 लोगों को शराब पीकर वाहन चालन करते हुए पकड़ा गया
- अभियान में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 67 व्यक्तियों के विरुद्ध की गई मोटर व्हीकल की विभिन्न धाराओं में कार्यवाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 20 अप्रैल। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने 18-19 अप्रैल की मध्यरात्रि 12 से 4 बजे तक जिले के 13 महत्वपूर्ण स्थानों में नाकाबंदी कर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। नाकाबंदी के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वाले लोगों, अवैध रूप से शराब एवं मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले लोगों एवं अवैध वस्तुओं की तस्करी करने वाले लोगों की धरपकड़ हेतु चेकिंग की गई। इस दौरान जिले के अंबेडकर चौक बलौदाबाजार, थाना पलारी के सामने, खरतोरा मोड लवन, करहीबाजार आमगांव पुल, नाका नंबर 01 भाटापारा, तिल्दा अंडरब्रिज चौक सिमगा, पटपर चौक भाटापारा, ग्राम सुहेला तिगड्डा, हथबंद तिगड्डा, हड़हापारा चौक कसडोल, बस स्टैंड गिधौरी, वीर नारायणपुर मोड चौक (भुसड़ीपाली चौक) सोनाखान एवं ग्राम कुरकुटी बैरियर बया में नाकाबंदी पॉइंट लगाया गया। इन सभी नाकाबंदी पॉइंट में संबंधित थाना प्रभारियों की उपस्थिति में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल द्वारा नाकाबंदी के दौरान आने जाने वाले समस्त वाहनों, लोगों की सघन चेकिंग की गई तथा उनसे रात्रि में बाहर निकलने एवं रात में यात्रा आदि करने के प्रयोजन के संबंध में जानकारी लिया गया। नाकाबंदी कर चेकिंग अभियान में 06 वाहन चालकों को पकड़ा गया है, जो कि शराब पीकर वाहन चालन करते हुए पाए गए हैं। इन सभी के वाहन विधिवत जप्त कर लिया गया है, जिन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही चेकिंग में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 67 व्यक्तियों के विरुद्ध मोटर व्हीकल की विभिन्न धाराओं के तहत कार्यवाही किया गया है।

आवास निर्माण में कोई भी लापरवाही नहीं की जाएगी बर्दाश्त:- कलेक्टर

कोरबा, 20 अप्रैल। कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा के सद्भावना भवन में वर्ष 2024-25 में स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत स्वीकृत आवासों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। कलेक्टर श्री वसंत ने वर्ष 2024-25 में स्वीकृत आवासों के निर्माण कार्य की अद्यतन प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारी-कर्मचारियों को प्रधानमंत्री आवास निर्माण के कार्य में सतत निगरानी रखने एवं सहयोग पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवास निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग कर दैनिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा। साथ ही आवास मित्रों को प्रति दिन फील्ड में रहने, आवास की जियो टैग करने और ग्राम पंचायत सरपंचो को पूर्ण सहयोग प्रदान करते हेतु निर्देशित किया। उन्होंने सभी स्वीकृत आवास को 15 जून 2025 तक पूर्ण कराने के निर्देश सभी अधिकारियों को दिए। साथ ही स्वीकृत आवास हितग्राही के मृत्यु होने की स्थिति में नॉमिनी बदलने की प्रक्रिया को 01 सप्ताह में पूर्ण करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर ने आवास प्लस सर्वे 2.0 के तहत किए जा रहे सर्वे कार्य की स्थिति का जानकारी लेते हुए सर्वे कार्य को गम्भीरता पूर्वक पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। पीएम जनमन योजना के तहत पीवीटीजी समुदाय के लोगों के निर्माणाधीन आवास की प्रगति की जानकारी लेते हुए शीघ्रता से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। वर्ष 2016-23 में स्वीकृत व अपूर्ण आवासों की समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों को जल्द से जल्द पूरा कराने की बात कही। उन्होंने आवास निर्माण की प्रगति के एवज में हितग्राहियों को किश्त जारी की जानकारी लेते हुए कार्य में प्रगति के साथ ही समय समय पर किश्त जारी करने के लिए कहा।

बिना अनुमति के बोर खनन, राजस्व की जांच टीम ने किया वाहन जब्त

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 20 अप्रैल। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देशानुसार जिले में अवैध बोर खनन पर कड़ी करवाई की जा रही है। इसी कड़ी में शनिवार को तहसील टुंडरा के ग्राम मटिया में बिना अनुमति के बोर खनन करते पाए जाने पर राजस्व विभाग की टीम द्वारा बोर खनन बंद कराकर बोर वाहन को जब्त किया गया। बताया गया कि ग्राम मटिया निवासी राजकुमार के द्वारा एजेंट पुरुषोत्तम साहू के माध्यम से बिना पूर्व अनुमति के बोर खनन कराया जा रहा था जिसे राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर बंद कराया और वाहन को जब्त किया गया। गौरतलब है कि कलेक्टर दीपक सोनी के द्वारा जिले को आगामी 30 जून 2025 तक जलाभाव ग्रस्त क्षेत्र घोषित किया गया है। इस अवधि में बिना सक्षम अधिकारी के पूर्व अनुमति के नया बोर खनन प्रतिबंधित है। इस दौरान तहसीलदार युवराज कुर्रे सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी ने जिला अस्पताल बलौदाबाजार में आयोजित किया प्रशिक्षण कार्यक्रम

थाना-चौकी, राजपत्रित अधिकारियों व कार्यरत वाहनचालकों को किया गया प्रशिक्षित

- 31 वाहन चालकों को प्राथमिक उपचार से संबंधित दी गई जानकारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 20 अप्रैल। 19 अप्रैल को जिला चिकित्सालय बलौदाबाजार में वाहन चालकों के लिए प्राथमिक उपचार (FIRST AID) संबंधित आवश्यक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न थाना/चौकी तथा जिले के राजपत्रित अधिकारियों के साथ कार्यरत 31 की संख्या में वाहन चालक उपस्थित हुए। प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला अस्पताल में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी शाखा बलौदाबाजार द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें वाहन चालकों को प्राथमिक उपचार सहायता जागरूकता कार्यक्रम के तहत प्राथमिक उपचार संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया। वाहन चालकों को वाहन चालन के साथ-साथ किसी आकस्मिक स्थिति में प्राथमिक उपचार प्रदान करने की जानकारी आवश्यक है। किसी भी आकस्मिक स्थिति में किसी मरीज के लिए प्रारंभ के कुछ पल अत्यंत महत्वपूर्ण होते है। इन्हीं प्रारंभिक पलों में यदि मरीज को तात्कालिक प्राथमिक उपचार मौके पर ही प्रदान कर दिया जाए, तो उसके जल्दी ठीक होने एवं जीवन रक्षा की संभावना का प्रतिशत काफी बढ़ जाता है। उक्त तथ्य को दृष्टिगत रखते हुए वाहन चालकों को प्राथमिक उपचार के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिसमें उन्हें बताया गया कि किसी आकस्मिक अथवा तात्कालिक स्थिति में किसी मरीज का प्राथमिक उपचार किस प्रकार से किया जा सकता है, जिससे उसके उचित इलाज एवं उसके जल्दी ठीक होने में सहायता मिल सके।

एक नजर

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म

रायपुर, 20 अप्रैल। शादी का प्रलोभन देकर युवती से दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थिया की शिकायत पर धरसींवा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार सड्डू निवासी 22 वर्षीय प्रार्थिया ने धरसींवा थाना में शिकायत किया कि आरोपी धनराज यदु ने प्रार्थिया को शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाया और फिर शादी से इंकार कर दिया। प्रार्थिया की शिकायत पर धरसींवा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

दुकान के बाहर खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली पार

रायपुर, 20 अप्रैल। जरवाय रोड स्थित सिंह ट्रेडर्स के पास खड़े ट्रैक्टर-ट्रॉली को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर कबीरनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार सुनील कुमार हजारे 54 वर्ष हीरापुर का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि वह अपने ट्रैक्टर क्रमांक सीजी 04 एनयू 7769 व ट्रॉली क्रमांक सीजी 04 एनएक्स 1911 को जरवाय रोड स्थित सिंह ट्रेडर्स के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए ट्रैक्टर-ट्रॉली की कीमत करीब 4 लाख रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में कबीरनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

तालाब में डूबकर मासूम की मौत

रायपुर, 20 अप्रैल। न्यायधानी बिलासपुर में दो सगी बहने तालाब में डूब रही थी। इनमें से एक की मौत हो गई, वहीं दूसरे की हालात गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बिहार निवासी विकास साहू अपने परिवार के साथ तिफरा में किराए का मकान लेकर रहता है और फेरी लगाकर अपनी रोजी-रोटी कमाता है। रोज की तरह वह फेरी लगाने के लिए निकल गया था। इस दौरान उसकी दोनों बेटियां अनोखा कुमारी 4 वर्ष और बबीता कुमारी 6 वर्ष घर के पास खेल रहे थे। कुछ समय बाद लोगों ने तिफरा तालाब में दोनों बच्चियों को नहाते हुए देखा इसके बाद बच्चों की चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर तालाब की ओर गए। जहां बड़ी बेटी बबीता कुमारी की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई।

ब्रह्माकुमारीज की दिवंगत मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी को दी गई भावभीनी श्रद्धाजंलि

रायपुर, 20 अप्रैल। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की दिवंगत मुख्य प्रशासिका दादी रतनमाहिनी की पुण्य स्मृति में शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में श्रद्धाजंलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें सभी ने 101 वर्ष की आयु में दिवंगत मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने दादी जी के व्यक्तित्व का उल्लेख करते हुए बतलाया कि दादी रतनमोहिनी जी दैवी गुणों की थीं। उनमें नेतृत्व कला और प्रशासकीय कौशल भी था। बचपन से अध्यात्म के प्रति लगन और परमात्मा को पाने की चाह के कारण दादी रतनमोहिनी जी महज तेरह वर्ष की अल्पायु में ही ब्रह्माकुमारी संस्थान से जुड़ गई थीं। वर्ष 1937 में ब्रह्माकुमारीज की स्थापना से लेकर अब तक उन्होंने 87 वर्षों का लम्बा समय इस संस्थान को दिया।

सजा तो बहुत दी है जिंदगी ने मगर... दुख इस बात का है कि कसूर नहीं बताया...

केंद्र की मोदी सरकार को पता नहीं क्यों बुजुर्गों से क्या चिढ है? अपनी ही पार्टी के लालकृष्ण आड वाणी, मुरलीमनोहर जोशी को 75 साल का होने पर राजनीति से रिटायर कर मार्गदर्शन मण्डल में भेजा, अब पीएम मोदी सितम्बर 25 में 75 के हो जाएंगे..? खैर करोना के समय से बुजुर्गों को रेल्वे रियायत समाप्त कर दी गई, सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई)के तहत दायर एक आवेदन के जवाब में रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) ने बताया कि भारतीय रेलवे ने वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली रियायतें वापस लेकर पांच वर्षों में लगभग 8, 913 करोड़ का अतिरिक्त राजस्व कमाया है।

संसद में कईबार वरिष्ठ नागरिकों के ट्रेन टिकटों पर रियायत बहाल करने का सवाल उठायागया है, रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहते हैं कि रेलवे पहले से हर यात्री को औसतन 46त्न की रियायत देती है।ज्ञात हो 60 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष, ट्रांसजेंडर तथा 58 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को 20 मार्च 2020 से पहले सभी वर्गों के ट्रेन टिकटों पर क्रमशः 40त्न और 50त्न की छूट मिलती थी। कोविड महा मारी की शुरुआत के बाद रेल मंत्रालय ने इस छूट को वापस ले लिया था।

अब 'फ्री सेम्पल' दवाइयों पर भी टैक्स...

अब जब आप डॉक्टर के पास जाएं तो संभव है कि उनके टेबल पर सैंपलवाली दवाएं न दिखें? ऐसा इस लिये क्योंकि सरकार ने अब दवा कंपनियों पर नकेल कसी है, दवा कंपनियों को प्राइवेट डॉक्टरों को दी जाने वाले सैंपलदवाओं पर टैक्स देना होगा, वहीं किसी भी तरह के उपहार, ट्रिप, कैश वाउचर परटीडीएस कटेगा।असल में अब कंपनियों की ओर से दी जाने वाली फ्री सैंपल दवाओं या उपहार पर टैक्स फ्री लिमिट लागू हो गई है, इसी को लेकर दवा कंपनियों ने वित्त मंत्रालय से गुहार लगाई है, दवा कंपनियों ने वित्त मंत्रालय से मांग की है कि सरकार फ्री सैंपल, टीडीएस मुक्त करे।

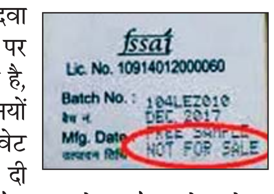

दरअसल इस साल बजट में सेक्शन 194 त्र का प्रावधान किया था, ये कहा गया था कि 20 हजार से अधिक कैश या कैश के अलावा कोई कूपन, गिफ्ट आदि किसी भी बिजनेस चलानेवाले या प्रोफेशनल को दिया गया तो उस पर 10त्न टैक्स काटना होगा, दवा कंपनियों की दलील है कि फ्री सैंपल के लिए सीमा काफी कम है, कई बार एक ही कंपनी की अलग-अलग दवाएं होती हैं वो डॉक्टर्स को देते हैं, डॉक्टर अक्सर फ्री सैंपल की दवाएं उन्हें देते हैं जो आर्थिक तौर पर कमजोर होते हैं इनमें भी अधिकांश बुजुर्ग मरीज होते हैं।

75 साल का क्राइटेरिया संविधान में नहीं, पार्टी ने नियम बनाया...

छत्तीसगढ़ ही नहीं देश के वरिष्ठ पूर्व सांसदों में गिने जाने वाले, पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री, 3 राज्यों में राज्यपाल रहे रमेश बैस का मानना है कि सांसद-विधायक का टिकट इसकी अपेक्षा अब नहीं है, जहाँ तक 75 साल का क्राइटेरिया संविधान में नहीं है केवल पार्टी नेअपना नियम बनाया है। उन्होंने साय मंत्रिमंडल का विस्तार जल्दी होने सहित शराब पर राज्य सरकार को सोचनेकी भी सलाह दी है, राज्यपाल का कार्यकाल पूरा करने के बाद वे वापस छग आ गए हैं।आते ही पार्टी ज्वाइन किया है। संगठन मंत्री व प्रभारी को उन्होंने कहा है कि, पार्टी उनका पूराउपयोग कर सकती है। उनके पास अब पूरा समय है।पार्टी, जो भी जवाबदारी देगी, उसके लिए तैयार हैं।साय मंत्रि मंडल के विस्तार पर हो रही देरी को लेकर कहा, मंत्रि मंडल का विस्तार जल्दी करना चाहिए। डेढ़ साल सेअधिक का समय हो गया है, उन्होंने प्रदेश में शराब बंदी के सवाल पर कहा कि, शराब के बारे में छग सरकार को सोचना चाहिए और कंट्रोल करना चाहिए। सर्वे में भी सामने आया है कि देश में सबसे अधिक कहीं शराब की खपत होती है तो वो छत्तीसगढ़ है। यह चिंता का विषय है।आने वाली पीढ़ी को देखते हुए सरकार को जरूर ध्यान देना चाहिए।

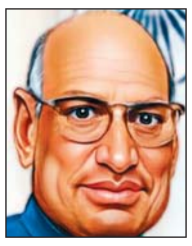

सुको का फैसला और छग राजभवन पर असर की चर्चा...

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में विधानसभा से पारित विधेयकों को राज्यपाल द्वारा लंबे समय तक रोके रखने को लेकर दिये गये फैसले का असर अब छत्तीसगढ़ की राजनीति पर भी पड़ सकता है? सुको ने तमिल नाडु के राज्यपाल आरएन रवि को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि राजनीतिक कारणों से विधेयकों को लंबित रखना संविधान सम्मत नहीं है।इसी फैसले को लेकर छत्तीसगढ़ की बात करें तो पिछले पांच विधानसभा कार्यकालों से पारित करीब 9 विधेयक आज राजभवन-राष्ट्रपति भवन में लंबित हैं, इनमें कई विधेयक राजनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण, विवादास्पद रहे हैं। प्रमुख लंबित विधेयकों में जोगी शासन काल का धर्म स्वातंर्त्य विधे यक, फिर रमन केकार्यकाल में रामविचार नेताम द्वारा प्रस्तुत धर्म स्वातंर्त्य विधे यक, राष्ट्रपति भवन मेंलंबित हैं। बघेल सरकार के शैक्ष णिक संस्थाओं, नौकरियों में ओबीसी, अजा आरक्षण विधेयक, केंद्रीय कृषिकानून से संबंधित राज्य के अनु रूप पारित 3 संशोधन विधे यक, कुलपति नियुक्ति में राज्यपाल के अधिकारों में कटौती से संबंधित संशो धन विधेयक और निक्षेपों के हितों के संरक्षण संशो धन (चिटफंड कंपनी) विधे यक शामिल हैं, सबसेचर्चित और कांग्रेस भाजपा, राज भवन के बीच तनातनी खड़े करने वाले विधेयकों में आर क्षण, कुलाधिपति के अधि कार कटौती के विधेयक रहे।आरक्षण विधेयक को अनुसुइया उइके के समय से अब तक रोका गया है।सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद यह पूरी संभावना है कि छग के राज्यपाल अब इन विधेयकों को या तो विधानसभा को पुनर्विचार के लिए लौटा सकते हैं या फिर उन पर अंतिम निर्णय लेंगे, यदि विधेयक वापस लौटाए जाते हैं, तो राज्य सरकार संशोधित रूप में फिर से पारित कर भेज सकती है!

और अब बस...

- » छग में एक आईएफएस अशोक पटेल की भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तारी की जमकर चर्चा है...!
- » रायपुर पुलिस ने आईपी एल क्रिकेट मैच के लिये महादेव ऐप के जरिये ऑन लाइन सट्टा संचालित करने के आरोप में दो राज्यों में छापेमारी कर 14 लोगों को गिरफ्तार किया है।
- » छग विशेष जन सुरक्षा अधिनियम के तहत कम्यु निस्ट पार्टी ऑफ इंडिया माओवादी, उससे जुड़े 6 संगठनों पर लगेप्रति बंध की अवधि एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया है।
- » छत्तीसगढ़ राज्य वक्फबोर्ड की करीब 400 संप त्तियों पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया हैइनमें से 78 संपत्तियां तो रायपुर जिले की हैं।

10वीं व 12वीं के परीक्षा परिणाम मई के प्रथम सप्ताह में आएंगे

रायपुर, 20 अप्रैल। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) द्वारा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा के नतीजे मई के पहले सप्ताह में घोषित कर दिए जाएंगे। बताया गया कि आंसर सीट का मूल्यांकन पूरा हो चुका है. बोर्ड परीक्षाओं के उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन प्रदेश के 36 केन्द्रों में किया गया. माशिमं द्वारा मूल्यांकन दो चरणों में कराया गया. दूसरे चरण का मूल्यांकन पूरा करने के लिए 18 अप्रैल की तिथि निर्धारित की गई थी. माशिमं की अध्यक्ष श्रीमती रेणु जी. पिल्ले एवं सचिव श्रीमती पुष्पा साहू द्वारा रोजाना सभी जिले से मूल्यांकन की स्थिति की जानकारी ली गई.

जिस केन्द्र में मूल्यांकन की रफ्तार धीमी थी, वहां वस्तुस्थिति की जानकारी लेकर तेजी लाने की व्यवस्था की गई. मूल्यांकन के पूर्व ही समस्त मूल्यांकन केन्द्र के प्रभारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, जिसके अनुसार ही मूल्यांकन कराया गया.बताते हैं कि इस बार मूल्यांकनकर्ताओं की संख्या बढ़ाई गई ताकि न केवल मूल्यांकन समय पर पूरा हो सके, बल्कि किसी मूल्यांकनकर्ता के अनुपस्थित रहने पर भी संबंधित विषय का मूल्यांकन कार्य प्रभावित न हो.

प्राप्त जानकारी के अनुसार माशिमं मई के पहले सप्ताह में दोनों परीक्षाओं के नतीजे एक साथ घोषित करने की तैयारियों में जुटा हुआ है. मूल्यांकन के तत्काल बाद नतीजे तैयार करने का काम तेजी से हो रहा है. पिछले साल 9 मई को आए थे नतीजे -माशिमं द्वारा पिछले साल 9 मई को दोनों कक्षाओं के नतीजे जारी किए गए थे. कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम 75.61 फीसदी था. वहीं 12वीं में 80.74 फीसदी विद्यार्थ उत्तीर्ण हुए थे. इस बार 9 मई के पहले नतीजे घोषित किए जाने की संभावना है. हर साल की तरह दोनों कक्षाओं की अस्थायी प्रावीण्य सूची भी जारी की जाएगी।

गर्मी का प्रकोप

रायपुर, 20 अप्रैल। गर्मी के चलते इन दिनों राजधानी की सड़कें सूनी नजर आ रही है। वहीं विद्युत ट्रांसफार्मरों को गर्मी से बचाने के लिए कूलर का उपयोग किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में गैर संचारी रोग के इलाज में आभा आईडी है मददगार

इस डिजिटल तकनीक से इलाज की गुणवत्ता में हो रहा सुधार

रायपुर 20 अप्रैल। छत्तीसगढ़ राज्य में अब गैर संचारी रोग (नॉन-कम्युनिकेबल डिज़ीज़- एनसीडी) जैसे हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज़ , कैंसर के स्क्रीनिंग , इलाज और मॉनिटिरिंग में डिजिटल तकनीक का उपयोग बड़े स्तर पर किया जा रहा है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत शुरू की गई आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा) आईडी इस दिशा में गेमचेंजर साबित हो रही है।

आभा आईडी के माध्यम से मरीज अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड को डिजिटल रूप में सुरक्षित रख सकते हैं और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर या स्वास्थ्यकर्मी से आसानी से साझा कर सकते हैं। इस आईडी की मदद से अस्पतालों, क्लीनिकों और लेबोटरी के बीच जानकारी साझा करना भी आसान हो गया है, जिससे इलाज की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है।

छत्तीसगढ़ में आभा आईडी को राष्ट्रीय एनसीडी पोर्टल से जोड़ा गया है। इससे मरीजों की स्क्रीनिंग, डायग्नोसिस, इलाज और मॉनिटरिंग की प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित हो गई है। एएनएम और कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर के लिए मोबाइल और टैबलेट आधारित ऐप्स तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए वेब पोर्टल उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे काम करना आसान हो गया है।

संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. प्रियंका शुक्ला का कहना है कि आभा आईडी बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इससे एनसीडी जैसी बीमारियों की रोकथाम और प्रबंधन में मदद मिलेगी। दुर्ग जिले में इस पहल का सकारात्मक असर देखने को मिल रहा है। जनवरी 2024 से फरवरी 2025 के बीच, 12,627 आभा आईडी को एनसीडी मरीजों के रिकॉर्ड से जोड़ा गया। इसके परिणामस्वरूप, आभा से जुड़े मरीजों में फॉलोअप रेट 68 प्रतिशत तक पहुंच गया, जबकि बिना आभा आईडी वाले मरीजों में यह केवल 37 प्रतिशत रहा। इसी तरह, ब्लड प्रेशर और डायबिटीज़ नियंत्रण में भी आभा से जुड़े मरीजों में सुधार देखा गया। 49 प्रतिशत मरीज नियंत्रण में रहे, जबकि गैर-जुड़े मरीजों में यह आंकड़ा 29 प्रतिशत रहा। डब्ल्यूएचओ की मदद से स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया है।

राज्य सरकार और विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीम इस पूरी प्रक्रिया पर सतत निगरानी रख रही है। आभा आईडी को आधार की डेमोग्राफिक जानकारी से जोड़ने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए डब्ल्यूएचओ ने हिंदी में प्रशिक्षण वीडियो भी बनाया है। छत्तीसगढ़ में यह डिजिटल पहल ना सिर्फ बीमारियों के रोकथाम में मददगार साबित हो रही है, बल्कि इससे स्वास्थ्य विभाग की सेवाओं के प्रति विश्वास बढ़ा है।

राज्य में पदस्थ दर्जनों आईएएस अफसरों के प्रभार में फेरबदल

रायपुर, 20 अप्रैल। राज्य में पदस्था भारतीय प्रशासनिक सेवा के 41 अफसरों का थोक में तबादला कर दिया गया है। सामान्य प्रशासन से इस संबंध में आदेश भी जारी हो चुका है। जीएडी से जारी आदेशानुसार जिन अफसरों का ट्रांसफर हुआ है अथवा उनके प्रभारों में फेरबदल किया गया है उनमें :- टोपेश्वर वर्मा, जनक प्रसाद पाठक, श्रीमती शिखा राजपूत, डा. प्रियंका शुक्ला, श्रीमतरी किरण कौशल, अवनीश कुमार शरण, सुनील कुमार जैन, केडी कुंजाम, कार्तिकेय गोयल, सारांश मित्तर, पदुम सिंह एल्मा, रमेश कुमार शर्मा, धर्मेश कुमार साहू, भूरे सर्वेश्वर नरेन्द्र, जितेंद्र शुक्ला, जनमेजय महोबे, रिमिजियुस एक्का, रजत बंसल, तारण प्रकाश सिन्हा, सुश्री इफ्फत आरा, सुश्री दिव्या उमेश मिश्रा, संजय अग्रवाल, इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल, जगदीश सोनकर, संतोष कुमार देवांगन, कुंदर कुमार, ऋतुराज रघुवंशी, सुश्री नुपूर राशि पनना, विजय दयाराम, राहुल देव, दीपक कुमार अग्रवाल, अरविंद कुमार एक्का, सुश्री संतन देवी जांगड़े, संजय कन्नौजे, सुखनाथ अहिरवार, भगवान सिंह उइके, आकाश छिकारा, मयंक चतुर्वेदी, कुणाल दुदावत चंद्रकांत वर्मा तथा अजय कुमार अग्रवाल का नाम शामिल हैं। इन सभी आईएएस अफसरों के प्रभारों में काफी बदलाव किया गया है।

गाय की विलुप्तता मानव समाज को निगल जाएगी: झम्मन शास्त्री

हमें प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करने की आवश्यकता है

रायपुर, 20 अप्रैल। गौ माता का संरक्षण आज निहायत ही जरूरी हो गया है। गाय की विलुप्तता मानव समाज को निगल जाएगी। भक्ति मार्ग व गौ माता के संबंधों को उल्लेखित करते हुए बताया गया है कि गौ माता की सेवा करने वाले नंद बाबा के घर भगवान स्वंय अवतरित हो सकते हैं तो हमारे आपके के जीवन में सुख शांति व समृद्धि के लिए आज गौ माता की सेवा जरूरी है। हमें प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ भी करना चाहिए।

अग्रोहा कालोनी श्री विष्णुभवन में चल रही श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के अंतर्गत आचार्य पंडित झम्मन शास्त्री ने अपने मुखारविंद से भक्ति मार्ग और गौ माता की सेवा के संबंध में लोगों को कथा सुनाते हुए महत्व बताया। वृंदावन धाम में नंद उत्सव भी धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर बच्चों ने दही, मक्खन लूट महिला और पुरुषों ने प्रभु के जन्म अवसर पर नाच कर भक्ति रस पाने का प्रयास किया। शास्त्री जी ने कहा कि राजा ऐसा होना चाहिए। जिससे राज्य सुख शांति और भय मुक्त जीवन व्यतीत करें। ऐसे राजाओं को स्वर्ग में जगह मिलता है। इंद्रदेव को भी अपनी गद्दी समय-समय पर त्यागनी पड़ी। लेकिन आज के राजा सत्तासीन लोग अपनी गद्दी बचाने तरह-तरह के कार्य कर रहे हैं .उन्होंने कहा कि यदि लोग गौ माता का संरक्षण नहीं करेंगे। मान कर चलिए गाय की विलुप्तता मानव समाज को निगल जाएगी। जो लोग गौ माता का आदर करते हैं और उनकी सेवा करते हैं। उनके घर भगवान स्वयं पुत्र बनकर अवतरित होते हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण नंद बाबा है।

राज धर्म के बारे में बताते हुए महाराज श्री ने कहा कि भक्ति मार्ग और गौ माता की सेवा के संबंध में महत्व बहुत है। आज कुछ लोग व्यास पीठ के महत्व नहीं समझ पा रहे है। भागवत श्रद्धा का विषय है। इसे शुद्ध हृदय से सांसारिक बंधनों को छोड़कर सुनना चाहिए उन्होंने आगे कहा कि श्रीमद् भागवत कथा को सुनने और सुनाने वाले दोनों को इसके प्रति अटूट आस्था और प्रेम होना चाहिए। तभी आयोजन की सार्थकता है। व्यास जी कथा वाचक ने कहा कि हमें प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करने की आवश्यकता है एवं सप्ताह में एक दिन सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ हो कथा के बीच मे वृंदावन धाम में नन्द उत्सव भी धूमधाम से मनायागया इस मौके पर बच्चो ने दही मक्खन लूटकर भगवान श्रीकृष्ण का जन्म उत्सव मनाया पंजीरी, पंचामृत ,माखन मिश्री,का प्रसाद बांटी गई।

लचर कानून व्यवस्था का आरोप कांग्रेस 21 को घेरेगी सीएम हाउस

■ कांग्रेसियों ने बैठक में घेराव को लेकर बनाई रणनीति

रायपुर, 20 अप्रैल। छत्तीसगढ़ में लचर कानून व्यवस्था को लेकर 21 अप्रैल को कांग्रेस मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेगी. इससे पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने राजीव भवन में वरिष्ठ नेताओं, ब्लाक अध्यक्षों तथा रायपुर के कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक की. इस दौरान मुख्यमंत्री निवास के घेराव को लेकर रणनीति पर चर्चा की गई. पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को जवाबदेही सौंपी गई है.

कानून व्यवस्था और महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराध को लेकर मुख्यमंत्री निवास घेराव कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये सभी को पूरी ताकत से जुटने का आह्वान किया. इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता सत्यनारायण शर्मा, प्रभारी महामंत्री मलकित सिंह गैदू, एआईसीसी पूर्व सचिव विकास उपाध्याय, पंकज शर्मा, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, पूर्व पाठ्य पुस्तक निगम अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी, पूर्व अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष महेन्द्र सिंह छाबड़ा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रमोद चौबे, मदन तालेड़ा, युवा कांग्रेस अध्यक्ष आकाश शर्मा, कन्हैया अग्रवाल, शहर जिला अध्यक्ष गिरिश दुबे, पूर्व महापौर ऐजाज ढेबर, महामंत्री दीपक मिश्रा, सकलेन कमादार, शिव सिंह ठाकुर, श्रीकुमार मेमन, सीमा वर्मा, शारिक रईस खान, अजय अग्रवाल, मो. सिद्दीक, प्रशांत ठेंगड़ी, नवीन चंद्राकर, उपस्थित थे।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26